RNI NO. DELHIN/2012/48369
वर्ष 8 अंक 205
नई दिल्ली, रविवार, 31 मई, 2020
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर

{ सेहत का प्याला
आज के अंक के साथ
एजेण्डा }

www.dailypioneer.com

अनलॉक वनः 8 जून से पटरी पर लौटेगा जन जीवन

केंद्र ने लॉकडाउन के बजाय पहली बार लॉक खोलने का किया ऐलान-तीन चरणों में होगा लागू, अंतरराज्यीय सीमा भी खोली गई

- पहला चरण 8 जून से -शर्तों के साथ खुल जाएंगे धार्मिक स्थल-होटल, रेस्टोरेंट और शापिंग मॉल
- दूसरा चरण एक जुलाई से शुरू-स्कूल, कॉलेज, तमाम शैक्षणिक संस्थान खोलने पर होगा फैसला
- तीसरे चरण में होगा मेट्रो, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों, सिनेमा, जिम, स्वीमिंग पूल, सामाजिक-धार्मिक और खेलों के आयोजन पर निर्णय
- कंटेनमेंट जोन में लागू रहेंगी सभी पाबंदियां, 30 जून तक जारी रहेगा रात का कर्फ्यू, समय घटाकर रात्रि 9 से सुबह 5 बजे किया गया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस महामारी से जूझ रहा देश अब अनलॉक होने दिशा में आगे बढ़ रहा है। देशवासियों को करीब दो माह से जारी लॉकडाउन की पाबंदियों से तीन चरणों में छूट मिलेगी। गृह मंत्रालय ने अनलॉक-1 की गाइडलाइन जारी कर दी है। लेकिन कंटेनमेंट जोन में किसी तरह की कोई ढील नहीं दी जाएगी। हालांकि, जरूरी गतिविधियों की मंजूरी रहेगी।

अनलॉक-1 की ये गाइडलाइन 1 जून से 30 जून तक के लिए जारी की गई हैं। आठ जून से धार्मिक स्थल भी खोल दिए जाएंगे। इसके साथ ही रेस्टोरेंट और होटल खुलेंगे लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क पहनना जरूरी होगा। एक से दूसरे राज्य में जाने का प्रतिबंध पूरी तरह से हटा लिया गया है। इसके लिए कोई अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। शादियों में 50 और अंतिम संस्कार में केवल 20 लोगों के ही भाग लेने की अनुमति होगी। सार्वजनिक स्थलों पर शराब, सिगरेट पीना और पान खाने पर प्रतिबंध जारी रहेगा।

गाइडलाइन में इस बात पर जोर दिया गया है कि सार्वजनिक स्थलों पर मास्क पहनना अनिवार्य रहेगा और यह भी कहा गया है कि 65 साल से अधिक उम्र के लोग तथा 10 साल से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाओं को अगर बाहर निकलना बहुत जरूरी न हो तो घर पर ही रहने की सलाह दी गई है। आरोग्य सेतु को डाउनलोड करना अनिवार्य नहीं किया गया है और गृह मंत्रालय ने कहा है कि यह केवल एक सलाह भर ही है। लॉकडाउन को खोलने के लिए गृह मंत्रालय ने तीन चरणों की एक लिस्ट तैयार की है।

पश्चिम बंगाल के हावड़ा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन पकड़ने के लिए जाते यात्री

इसी के अनुसार लॉकडाउन को खोला जाएगा। अब जो नए नियम आए हैं उनमें कर्फ्यू का समय भी बदल गया है। देश में रात का कर्फ्यू अब भी जारी रहेगा। हालांकि इसके लिए समय में बदलाव किया गया है। अब रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक गैर जरूरी काम से बाहर निकलने पर रोक रहेगी। लॉकडाउन-4 तक यह समय शाम 7 बजे से सुबह 7 बजे तक था। पहला चरण 8 जून से शुरू होगा। 8 जून 2020 से सभी धार्मिक स्थल खुल जाएंगे। होटल, रेस्टोरेंट और दूसरे हॉस्पिटैलिटी सेवाओं की शुरुआत हो जाएगी। शॉपिंग मॉल भी खुल जाएंगे। इनके लिए स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जाएगी। वहीं एक से दूसरे राज्य में जाने का प्रतिबंध पूरी तरह से हटा लिया गया है। राज्य में भी एक जिले से दूसरे जिले में जा सकेंगे, लेकिन सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करना होगा। कहीं आने जाने से पहले किसी की कोई इजाजत लेने की जरूरत नहीं होगी।

सरकार के मुताबिक दूसरे चरण में स्कूल, कॉलेज, एजुकेशनल, ट्रेनिंग, कोचिंग संस्थान आदि को खोलने का फैसला जुलाई 2020 में लिया जाएगा। इसके लिए सभी राज्य सरकारों, केंद्र शासित प्रदेशों, संस्थाओं, अभिभावकों और सभी हितधारकों के साथ विचार विमर्श किया जाएगा। तीसरे चरण में स्थितियां काफी हद तक सामान्य हो जाएगी। अंतरराष्ट्रीय उड़ानें, मेट्रो रेल, सिनेमा हॉल्स, जिम, स्वीमिंग पूल, एंटरटेनमेंट पार्क, थिएटर, बार और ऑडिटोरियम को इस फेज में खोलने का फैसला किया जाएगा। हालांकि, इससे पहले एक बार स्थिति की समीक्षा की जाएगी। तीसरे चरण में ही सामाजिक, राजनीतिक, खेल, मनोरंजन, सांस्कृतिक गतिविधियों को खोलने का निर्णय लिया जाएगा। गृह मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि देश के सभी कंटेनमेंट जोन में लॉकडाउन 30 जून तक जारी रहेगा। कंटेनमेंट जोन की पहचान जिला अधिकारियों के द्वारा की जाएगी। इस जोन में केवल जरूरी गतिविधियों की छूट रहेगी।

यहां पर लॉकडाउन नियमों का सख्ती से पालन होगा। स्वास्थ्य संबंधी आपात जरूरतों के अलावा किसी व्यक्ति को कंटेनमेंट जोन से बाहर जाने या बाहर से से कंटेनमेंट जोन में जाने की इजाजत नहीं होगी। राज्य बफर और जोन की भी पहचान कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा है कि स्थिति को देखते हुए यदि राज्यों को कंटेनमेंट जोन के बाहर कुछ गतिविधियों पर रोक की आवश्यकता महसूस होती है तो वे ऐसा कर सकेंगे। गाइड लाइन में कंपनियों से कहा गया है कि वे काम या कारोबार के घंटे अलग अलग तय करें तथा कार्यालय परिसर में थोड़े थोड़े अंतराल पर सेनेटाइजेशन और सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करना सुनिश्चित करेंगे।

राजग सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल

पीएम मोदी ने देश को दिया भरोसे का संदेश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अपने दूसरे कार्यकाल का एक साल पूरा होने के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देष को भरोसे का संदेष दिया। पत्र के माध्यम से शनिवार को देश को संबोधित करते हुए तमाम चुनौतियों के बीच अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते पीएम मोदी ने कहा कि हम अपना वर्तमान भी खुद तय करेंगे और अपना भविष्य भी। हम आगे बढ़ेंगे, हम प्रगति पथ पर दौड़ेंगे, हम विजयी होंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने दूसरे कार्यकाल के लिए 30 मई 2019 को शपथ ली थी।

उन्होंने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर जम्मू-कश्मीर को मुख्यधारा में शामिल करने, ट्रिपल तालक की प्रथा को अपराध घोशित करने, नागरिकता संशोधन अधिनियम और सीमा पार जाकर हवाई हमलों को अपनी सरकार के बोल्ड कदम बताया। साथ ही 130 करोड़ नागरिकों के सामूहिक संकल्प के साथ भारत कोरोनो वायरस महामारी पर काबू पाने की राह पर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कई प्रशासनिक अड़चनों को दूर करना, बुनियादी ढांचे में सुधार और पहले कार्यकाल में देश को भ्रष्टाचार के दलदल से मुक्त करने जैसे कदमों से दूसरे कार्यकाल में शासन को सही गति प्रदान करने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के खिलाफ लंबी लड़ाई में विजय के लिए सरकार के प्रत्येक दिशा-निर्देश का पालन करना जरूरी है वरना कोई

भी लापरवाही जीवन पर आफ्त बन सकती है। मोदी ने कहा, हमें यह हमेशा याद रखना है कि 130 करोड़ भारतीयों का वर्तमान और भविष्य कोई आपदा या कोई विपत्ति तय नहीं कर सकती। हम अपना वर्तमान भी खुद तय करेंगे और अपना भविष्य भी। हम आगे बढ़ेंगे, हम प्रगति पथ पर दौड़ेंगे, हम विजयी होंगे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देशहित में किए कार्यों और निर्णयों की सूची बहुत लंबी है और एक साल के कार्यकाल के प्रत्येक दिन चौबीसों घंटे पूरी सजगता, संवेदनशीलता से काम हुआ और निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि सामान्य स्थिति होती तो वे लोगों के बीच आते लेकिन वैश्विक महामारी कोरोना की वजह से जो परिस्थितियां बनी हैं, उन परिस्थितियों में वे पत्र के माध्यम से अपनी बात रख रहे हैं। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में एकजुटता का आह्वान करते हुए मोदी ने कहा कि भारत आज अन्य देशों की तुलना में ज्यादा संभली हुई स्थिति में है। ये लड़ाई लंबी (शेष पेज 9)

दिल्ली में ताबड़तोड़ कोरोना केस, होटलों में होगा इलाज

- राज्य सरकार ने शुरू की पांच के टेकओवर की प्रक्रिया, पांच अस्पतालों से होंगे अटैच
- मरीजों को अस्पतालों की जानकारी देने के लिए ऐप होगा लांच

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना के मामले प्रतिदिन ताबड़तोड़ तरीके से बढ़ रहे हैं। मौतों का ग्राफभी पहले के मुकाबले काफी ऊपर चढ़ा है। इस बीच, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल

ने कहा है कि कोरोना के बढ़ते मामले चिंता का विषय जरूर हैं लेकिन इनसे घबराने की जरूरत नहीं है।

कोरोना के खिलाफ जंग के लिए दिल्ली पूरी तरह तैयार है। बेड की संख्या लगातार बढ़ाई जा रही है। इसी कड़ी में पांच होटलों को अधिग्रहीत कर निजी अस्पतालों से जोड़ा गया है। साथ ही मरीजों की आसानी के लिए सोमवार को एक ऐप भी लांच किया जाएगा। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा कि कोरोना वायरस रहेगा। इसलिए इसके साथ जीने और रहने का इंतजाम करना पड़ेगा। सरकार कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ने और बेड कम पड़ने को लेकर तथा मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़ने को लेकर फिक्रमंद है। इससे निपटने के इंतजाम किए जा रहे हैं। दिल्ली में पिछले कुछ दिन से रोजाना 1000 से ज्यादा लोग कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि इंतजाम कम पड़े तो मौतें भी ज्यादा होंगी।

पिछले एक हफ्ते में सरकार ने बेड की संख्या बढ़ाने पर खूब काम किया है। फिलहाल 17,386 में से 2100 मरीज अस्पताल में हैं, बाकी घरों या क्वॉरंटीन सेंटर में हैं। इस समय सरकार के पास 6,600 बिस्तरों का इंतजाम है। एक हफ्ते पहले 4500 बेड और जोड़े गए हैं। पिछले एक हफ्ते में 2100 बेड तैयार किए गए हैं। इनके अलावा 9500 बेड अगले एक हफ्ते में और तैयार हो जाएंगे। प्राइवेट बेड 677 (शेष पेज 9)

एलएसी पर तनाव मिटाने को चीन से हो रही बातः राजनाथ

- रक्षा मंत्री ने कूटनीतिक-सैन्य स्तर पर प्रयासों के दिए संकेत, कहा- भारत के स्वाभिमान को नहीं लगने देंगे चोट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर जारी तनाव के बीच रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को यहां कहा कि भारत और चीन तनाव को खत्म करने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर पर बातचीत कर रहे हैं।

सीमा पर उपजे हालात को द्विपक्षीय मुद्दा बताते हुए राजनाथ ने यह भी कहा कि शुक्रवार को टेलीफोन पर बातचीत में अपने अमेरिकी

समकक्ष मार्क एस्पर को स्थिति से अवगत करा दिया गया है। यह पहली बार है जब किसी वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री ने चीन के साथ गतिरोध पर बयान दिया है। सिंह ने कहा कि देश को यह आश्वासन देते हैं कि हम किसी भी परिस्थिति में भारत की गरिमा को चोट नहीं पहुंचाने देंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखने की कोशिश करता है। हम किसी भी राष्ट्र को चुनौती नहीं देना चाहते हैं। चीन के साथ लद्दाख में चल रहे टकराव से निपटने के लिए सरकार की कार्ययोजना पर विस्तार से प्रकाष डालते हुए (शेष पेज 9)

देश में एक दिन में रिकार्ड 265 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देश में शनिवार सुबह आठ बजे तक एक दिन में कोविड-19 से रिकॉर्ड 265 लोगों की मौत हुई और रिकॉर्ड 7,964 नए मामले सामने आए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार इसके साथ ही अब देश में इस संक्रामक रोग से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,971 हो गई है और संक्रमितों की संख्या 1,73,763 पर पहुंच गई है।

भारत कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित देशों की सूची में नौवें स्थान पर है। मंत्रालय ने बताया कि देश में अब भी 86,422 लोगों का कोविड-19 के लिए इलाज चल रहा है जबकि 82,369 लोग स्वस्थ हो चुके हैं और एक मरीज देश छोड़कर चला गया है। पिछले 24 घंटों में 11,264 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, अभी तक करीब 47.40 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं। कुल संक्रमित मामलों में विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। शुक्रवार सुबह

- कोविड-19 के 7,964 नए केस सामने आए

से लेकर अब तक हुई 265 मौतों में 116 लोगों की मौत महाराष्ट्र में, 82 की दिल्ली में,20 की गुजरात,मध्य प्रदेश में 13, नौ की तमिलनाडु, सात की पश्चिम बंगाल, चार-चार लोगों की मौत तेलंगाना और राजस्थान, दो की पंजाब और एक-एक व्यक्ति की मौत छत्तीसगढ़, जम्मू कश्मीर, आंध्र प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में हुई।

इस वैश्विक महामारी से अब तक मरने वाले 4,971 लोगों में से सबसे अधिक 2,098 लोगों की मौत महाराष्ट्र में हुई। इसके बाद गुजरात में 980, दिल्ली में 398, मध्य प्रदेश में 334, पश्चिम बंगाल में 302, उत्तर प्रदेश में 198, राजस्थान में 184, तमिलनाडु में 154, तेलंगाना में 71 और आंध्र प्रदेश में 60 लोगों की मौत हुई।कर्नाटक में इस बीमारी से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या 48, पंजाब में 42, जम्मू कश्मीर में 28, हरियाणा में 19, बिहार में 15, केरल में आठ और ओडिशा में सात है। हिमाचल प्रदेश, झारखंड और उत्तराखंड में कोविड-19 से पांच-पांच लोगों की मौत हुई जबकि चंडीगढ़ और असम में अब तक चार-चार लोगों ने जान गंवाई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मेघालय और छत्तीसगढ़ में कोविड-19 से एक-एक शख्स की मौत हुई है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार मौत के 70 प्रतिशत मामलों में मरीज किसी न किसी अन्य बीमारी से भी पीड़ित थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अब तक संक्रमण के मामलों की संख्या।,73,763 बताई है। इसके अलावा मंत्रालय ने बताया कि 4,971 लोगों की मौत हुई है और उपचार के बाद 82,370 लोग कोरोना वायरस के संक्रमण से मुक्त हुए हैं।

बाजार

सेंसेक्स	32,424
निफ्टी	9,580
सोना	/10g
चांदी	/kg

क्विक न्यूज

कश्मीर में मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में शनिवार को सुरक्षाबलो के साथ मुठभेड़ मे दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि दक्षिण कश्मीर के इस जिले के वानपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद इलाके की घेराबंदी की गई और तलाश अभियान चलाया गया। अधिकारी ने बताया कि आतंकवादियों ने सुरक्षाबलो पर गोलियां चलाई जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। मुठभेड़ मे दो आतंकवादी ढेर हो गए। उन्होंने बताया कि अभी आतंकवादियों की पहचान नही हुई है और यह भी पता नही चला है किवे किस समूह से जुड़े हुए थे। इलाकेमें तलाशी अभियान चल रहा है और विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है।

आंधी-तूफान से ताजमहल को नुकसान

- मुख्य मकबरे की रेलिंग टूटी

पायनियर समाचार सेवा। आगरा

आगरा में शुक्रवार देर रात आंधी-तूफान की वजह से विश्वप्रसिद्ध ताजमहल की इमारत को खासा नुकसान पहुंचा और इस दौरान ताजमहल के मुख्य मकबरे की संगमरमर की रेलिंग टूट गई और उसकी जालियां भीं गिर गईं।

अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। तेज आंधी की वजह से जनपद में तीन लोगों की मौत व कई अन्य के घायल होने के साथ ही कई स्थानों पर मकान और पेड़ों के भी गिरने की जानकारी मिली है। भारतीय पुरातत्व विभाग के अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ.बसंत स्वर्णकार ने बताया, आंधी से ताजमहल में

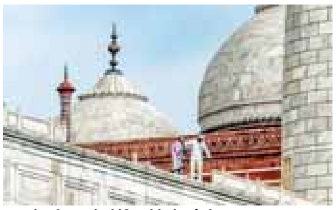

आगरा में आंधी-तूफान से टूटी रेलिंग को देखते कर्मचारी

संगमरमर की जालियां और लाल पत्थर की जालियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। परिसर में पेड़ उखड़ गए हैं वहीं एक दरवाजा भी उखड़ गया है।

उन्होंने कहा, इसके अलावा ताजमहल परिसर में पर्यटकों की सुविधा के लिए बनाई गई शेड की फॉल्स सीलिंग उखड़ गई है। ताजमहल के अलावा महताब बाग की दीवार पर पेड़ गिर गया है तो वही मरियम के मकबरे में भी पेड़ गिरा है। लॉकडाउन की वजह से ताजमहल पिछले 68 दिन से बंद है।

यह पहला मौका है जब ताजमहल इतने लंबे समय तक बंद रखा गया हो। इससे पहले 2018 में 11 अप्रैल और दो मई को आंधी से ताजमहल का (शेष पेज 9)

उड़ान भरने के बाद पॉजिटिव मिला पायलट, लौटी फ्लाइट

- एयर इंडिया का विमान दिल्ली से मॉस्को जा रहा था, डीजीसीए ने दिए जांच के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली से मास्को जा रहे एअर इंडिया के एक विमान को शनिवार को आधी दूरी से लौटना पड़ा जब विमानन कंपनी की ग्राउंड टीम को पता चला कि विमान का एक पायलट कोरोना वायरस से संक्रमित है। एअर इंडिया और नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वंदे भारत अभियान के तहत मास्को में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए एयरबस ए 320 विमान ने सुबह सात बजकर 15 मिनट पर उड़ान भरी थी

और लौटने का आदेश मिलने के बाद वह अपराह्न साढ़े बारह बजे दिल्ली पहुंच गया। दो वरिष्ठ अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि चालक दल के सदस्यों की कोरोना वायरस जांच रिपोर्ट का मुआयना करने में अधिकारियों की तरफ से लापरवाही बरती गई और रिपोर्ट को ठीक से नहीं देखा गया। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत किसी भी उड़ान के पायलटों और चालक दल के अन्य सदस्यों को अनिवार्य रूप से कोरोना वायरस की जांच करानी होती है और प्रयोगशाला से प्राप्त नतीजे में संक्रमण नहीं पाए जाने पर ही उन्हें ड्यूटी पर भेजा जाता है। अधिकारियों ने कहा कि एअर इंडिया की प्राथमिक रिपोर्ट के आधार पर नागर विमानन महानिदेशक ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

विमान उज्बेकिस्तान की हवाई सीमा में था जब उसे वापस आने को कहा गया। डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा, इस मामले में विमानन कंपनी के अधिकारियों ने पायलट की जांच के नतीजों को ठीक से नहीं देखा और यह मानकर उसे विमान उड़ाने के योग्य करार दिया गया कि वह कोविड-19 से संक्रमित नहीं है जबकि उसकी जांच के नतीजे कुछ और ही थे। एअर इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि जब विमानन कंपनी की ग्राउंड टीम को पता चला कि एक पायलट कोरोना वायरस से संक्रमित है तब विमान को वापस आने को कहा गया। उन्होंने कहा, ए 320 विमान में कोई यात्री मौजूद नहीं था। वंदे भारत अभियान के तहत फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए विमान मास्को जा रहा था। जैसे ही विमान उज्बेकिस्तान की वायु सीमा में पहुंचा, हमारी ग्राउंड टीम को पता चला कि एक पायलट में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि चालक दल के सदस्यों को पृथक-वास में रखा गया है और विमान को संक्रमण-मुक्त कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार मास्को में फंसे हुए भारतीयों को वापस लाने के लिए दूसरा विमान भेजा जा रहा है।

अब म्हारे किसान सीखेंगे मार्केटिंग व बिजनेस मैनेजमेंट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा के किसान अब मार्केटिंग और बिजनेंस मैनेजमेंट के गुर सीखकर अपने उत्पाद को नए आयाम दे सकेंगे। किसानों के दिमाग में आने वाले आईडिये को नया रूप देने के लिए हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी अब बिजनेसमैन भी तैयार कर रही है। एचएयू में उत्तर भारत का पहला 'एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर' स्थापित किया गया है। जहां प्रोफेशनल किसान तैयार किए जा रहे हैं। इस सेंटर का उद्देश्य कृषि व कृषि से संबंधित एंग्री स्टार्टअप को बढ़ावा देना है। सेंटर को अभी शुरू के केवल एक वर्ष ही हुआ है इस एक वर्ष के दौरान 34 नए स्टार्टअप रजिस्टर्ड हो चुके हैं।

खुद का बिजनेस शुरू करने के इच्छुक किसानों व युवाओं को इस काम के लिए न केवल ट्रेनिंग मिलेगी बल्कि वे खुद अपने हाथों से अपने उत्पाद तैयार भी कर सकेंगे। पैकिंग, ग्रेडिंग से लेकर तमाम काम वे खुद करने में सक्षम होंगे। छोटे बिजनेस के लिए तो यूनिवर्सिटी का यह सेंटर ही 5 से 25 लाख रुपये तक की अनुदान राशि मुहैया करवाने में मदद करता है। बड़े बिजनेस के लिए कई बैंकों के प्रतिनिधि इस सेंटर में ही मौजूद हैं जो केंद्र की नीतियों के तहत सस्ती ब्याज दरों पर कर्ज मुहैया करवाते हैं।

हिसार में बना उत्तरी भारत का पहला एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर

किसानों को सपनों को पंख लगाएगी सरकार

'एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर' के फोकस में डेढ़ दर्जन से अधिक कृषि व इससे जुड़े सेक्टर हैं। इसके लिए बाकायदा कोर्स तय किए गए हैं। इनमें मशरूम व बायो-पेस्टिसाइड प्रोड्क्शन, प्रोटेक्शन ऑफ क्रॉप्स, डेवलपमेंट ऑफ न्यू वेराइटिज, आर्गेनिक फार्मिंग, फार्म मैनेजमेंट, फार्टिकल्चर, हार्टिकल्चर, एग्रीकल्चर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इन एग्रीकल्चर, प्रोसेसिंग एंड वेल्यू एडिशन, एग्री वेस्ट मैनेजमेंट, क्वालिटी एश्योरेंस, सर्टिफिकेशन एंड ब्रांडिंग, नर्सरी राइजिंग, मार्केटिंग, टिशू कल्चर तथा बायो-गैस/बायो-फर्टिलाइजर प्रोड्क्शन आदि प्रमुख हैं। अलग-अलग क्षेत्र से संबंधित 50 से भी अधिक एक्सपर्ट जो कि पूरे भारत से हैं इनक्यूबेशन सेंटर के साथ जुड़े हुए हैं जो समय-समय पर नई स्टार्टअप्स के लिए सलाह और अपना अनुभव प्रदान करते रहते हैं। व्यवसायीकरण को बढ़ावा देने के लिए यह सेंटर बैंक्स के साथ-साथ इन्वेस्टर व इंडस्ट्रीज के साथ भी जुड़ा हुआ है।

अमेरिका व इंग्लैंड से हैं संपर्क

यह ग्लोबल सेंटर है। अमेरिका, इंग्लैंड, जापान सहित अन्य दूसरे मुल्कों के किसान किस तरह की तकनीक अपना रहे हैं। वहां एग्रो इंडस्ट्री में कौन से नये आइडिया पर काम चल रहा है। इसका पता भी यहां के सेक्टर में ट्रेनिंग लेने वाले युवाओं व किसानों को आसानी से लग सकता है। इतना ही नहीं, अगर यहां के किसी युवा व किसान का आइडिया दूसरे मुल्क में पसंद किया गया है तो वे उसे वहां लागू कर सकते हैं। यानी एक-दूसरे के आइडिया को एक्सचेंज भी इस सेंटर के जरिये किया जा सकता है।

"पीएम नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की 'मेक इन इंडिया' मुहिम को देखते हुए यह सेंटर विकसित किया है। हमारी कोशिश है कि इस सेंटर के जरिये अधिक से अधिक युवाओं का खुद का बिजनेस शुरू करवाया जा सके। बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर भी इससे पैदा होंगे। एग्रो आधारित लघु व मध्यम उद्योगों का हब गांवों में विकसित होगा। इससे गांवों के लोगों को भी फायदा होगा। हम एक्सपोर्ट क्वालिटी का बिजनेस भी प्रदेश में खड़ा कर सकते हैं।

डॉ.केपी सिंह, हकृवि के वीसी।

केंद्र सरकार व नाबार्ड की योजनाओं के तहत इस तरह के केवल दो ही सेंटर हैं। पहला हिसार में तो दूसरा तमिलनाडु में।'मेक इन इंडिया' को ध्यान में रखते हुए यह सेंटर स्थापित किया है। इस सेंटर में देश की नामचीन आईआईटी व आईआईएम के अलावा दूसरे सेंटर भी स्टडी कर रहे हैं। सेंटर का मुख्य उद्देश्य कृषि उद्यमशील तैयार करना है। ईंट-भट्टों में हाईटैक सिस्टम से लेकर फार्मिंग तक की ट्रेनिंग यहां उपलब्ध है। अहम बात यह है कि इस सेंटर ने कई प्रगतिशील किसानों के अलावा एग्री सेक्टर के बड़े उद्यमियों के साथ टाई-अप किया हुआ है। जहां जाकर किसान प्रेक्टिकली ट्रेनिंग भी ले सकते हैं।

यह अपनी तरह का पहला सेंटर है, जहां आपके आइडिया के हिसाब से स्टार्टअप के लिए बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर एक ही छत के नीचे उपलब्ध है। सबसे पहले कंपनी बनानी होगी और इसके लिए सेंटर में सीएम उपलब्ध हैं। फिर कंपनी को स्टार्टअप कंपनी में पंजीकृत करवाने के लिए अलग से सीए रखा गया है।

आइडिया जनरेशन रूम भी सेंटर में बनाया है। इसमें ऑनलाइन व ऑफलाइन दोनों के लिए तकनीकी विशेषज्ञ मौजूद हैं। सीएसआर के अलावा बिजनेस घरानों द्वारा भी पैसों का प्रबंध किया जाता है। यानी आइडिया किसान को होगा और उस पर खर्चा बिजनेसमैन करेंगे।

हरियाणा महिला कांग्रेस की वरिष्ठ उपाध्यक्ष समेत कई भाजपा में शामिल

चंडीगढ़। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के अध्यक्ष सुभाष बराला ने कहा है कि भाजपा एक राजनीतिक दल नहीं बल्कि विचारधारा है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा में मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जनकल्याणकारी नीतियों के कारण इस विचारधारा के साथ आए दिन विपक्षी राजनीतिक दलों के नेता जुड़ रहे हैं। बराला शनिवार को चंडीगढ़ स्थित पार्टी मुख्यालय में झज्जर निवासी हरियाणा महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष नीना राठी और हरियाणा किसान कांग्रेस केवरिष्ठ नेता एवं उपाध्यक्ष सतपाल राठी का भाजपा में शामिल होने पर स्वागत कर रहे थे। इस अवसर पर बहादुरगढ़ से भाजपा के पूर्व विधायक नरेश कौशिक, कांफेड के चेयरमैन कैप्टन भूपेन्द्र सिंह, भाजपा नेत्री सुमित्रा चौहान समेत कई नेता मौजूद थे।

कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राठी दंपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल की देश और प्रदेश के प्रति जो काम करने का लगन ने विरोधी दल में होने के बावजूद उन्हें प्रेरित किया और वह कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर हुए। इस अवसर पर झज्जर जिला के कांग्रेसी नेता नरेश राठी, आशिष राठी, भूपेन्द्र चाहर, आश्चर्य राठी, स्वाति आर्य व विजेंद्र शर्मा आदि मौजूद थे।

एसईटी व एसआईटी में उलझा शराब घोटाला

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़

हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान हुआ शराब घोटाला एसईटी और एसआईटी के बीच उलझकर रह गया है। इस घोटाले की जांच को लेकर गृहमंत्री अनिल विज जहां पूरी तरह से अलग-थलग पड़ चुके हैं वहीं अब यह साफ हो गया है कि रविवार को इस घोटाले की जांच रिपोर्ट नहीं आएगी।

हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान मालखानों से शराब चोरी का घोटाला हुआ था। इस मुद्दे को अपने बल पर उठाने वाले गृहमंत्री अनिल विज ने जांच कमेटी का गठन किया। सीएमओ की तरफ से एसआईटी की बजाए एसईटी की अधिसूचना जारी कर दी गई। इसके बाद अनिल विज ने महाधिवक्ता की राय के आधार पर एसईटी को सेक्शन-32 में कानूनी अधिकारी दिलाने की बात कही थी लेकिन महाधिवक्ता कार्यालय से फाइल को खारिज कर दिया गया। जिसके चलते एसईटी का अधिकार क्षेत्र सिमट गया।

एसईटी को 31 मई तक रिपोर्ट देने के लिए कहा गया था। जिसका कार्यकाल रविवार को पूरा हो रहा है। शुक्रवार को एसईटी का एक सदस्य सेवानिवृत्त हो चुका है। दूसरी तरफ गुप्ता कमेटी इस जांच को अंजाम तक पहुंचाने के लिए तीन माह का अतिरिक्त समय चाहती है लेकिन माना जा रहा है कि सरकार दो माह का अतिरिक्त समय दे सकती है। ऐसे में यह साफ होता जा रहा है कि हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान हुआ शराब घोटाला फाइलों में दबकर रह जाएगा। एसईटी को एसआईटी के समान पावर न देकर पहले ही शराब तस्करों को बच निकलने का रास्ता दिखा दिया गया है।

हरियाणा सरकार ने एसईटी का कार्यकाल दो माह बढ़ाया

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने लॉकडाउन में हुए शराब घोटाले की जांच कर रही एसईटी को दो माह की एक्सटेंशन प्रदान कर दी है। अब एसईटी द्वारा 31 जुलाई को अपनी रिपोर्ट सरकार को दी जाएगी। इस बीच शनिवार को ही सरकार ने आईपीएस सुभाष यादव के स्थान पर एसईटी में गुरुग्राम के पुलिस आयुक्त मोहम्मद अकील को शामिल करने का भी ऐलान कर दिया है। सोमवार से नई एसईटी जांच को आगे बढ़ाएगी। हरियाणा में लॉकडाउन के दौरान हुए शराब घोटाले की जांच के लिए आईएएस अधिकारी टीसी गुप्ता के नेतृत्व में एसईटी का गठन किया है। जिसमें आईपीएस अधिकारी सुभाष यादव और आबकारी विभाग के अधिकारी विजय सिंह को शामिल किया था। आईपीएस सुभाष यादव शुक्रवार को सेवानिवृत्त हो चुके हैं। गृहमंत्री ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए शनिवार को आईपीएस संदीप खिरवार के नाम का पैनल मंजूरी के लिए सीएमओ को भेज दिया है।

कैसे उलझी शराब घोटाले की जांच

गृहमंत्री अनिल विज ने शराब घोटाले की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित करने को कहा। सरकार ने एसआईटी की जगह एसईटी (स्पेशल इंक्वायरी टीम) के गठन का नोटिफिकेशन जारी कर दिया। एसआईटी के पास कानूनी शक्तियां होती लेकिन एसईटी के पास केवल कागजों की जांच के अलावा कोई अधिकार नहीं थे।

शराब घोटाला पुलिस के गोदाम से हुई चोरी से खुला था। गृह मंत्री की सिफारिश पर गठित एसईटी की जांच में शामिल पांच बिंदुओं में चार एक्साइज डिपार्टमेंट से जुड़े थे। जांच शुरू होने से पहले छह जिलों में पुलिस मालखानों से शराब चोरी सामने आई।

गृहमंत्री व डिप्टी सीएम की तनातनी से गरमाएगी राजनीति

शराब घोटले की जांच को लेकर डिप्टी सीएम और गृहमंत्री में तनातनी बरकरार है। दोनों के बीच पहली बार तब विवाद हुआ था जब दुष्यंत चौटाला विपक्ष के सांसद थे और विज मनोहर सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। दवा घोटाले को लेकर दोनों ने एक-दूसरे को अदालत में देख लेने की धमकियां तक दी थी। इसके बाद जजपा जब भाजपा की साझीदार हुई तो यह संदेश देने का प्रयास किया किया विज और चौटाला के रिश्ते अच्छे हैं लेकिन लेकिन शराब घोटाले की जांच में न केवल सरकार में मतभेद पैदा कर दिए हैं बल्कि कई तरह की चर्चाओं को भी जन्म दे दिया है। इस मुद्दे पर आने वाले दिनों में राजनीति गरमा सकती है।

बिना एनओसी रजिस्ट्री करने पर नारनौल तहसील आफिस का रजिस्ट्री क्लर्क सस्पेंड

नारनौल। बिना एनओसी के ही रजिस्ट्री करने का मामला सामने आने पर डीसी जगदीश शर्मा ने तहसील आफिस में कार्यरत रजिस्ट्री क्लर्क रामचंद्र को सस्पेंड कर दिया है। बता दें कि लॉकडाउन दो में सरकार ने रजिस्ट्रियां चालू करने की छूट दी थी। छूट के दौरान तत्कालीन रजिस्ट्री क्लर्क ने करीब बीस से तीस रजिस्ट्रियां बिना एनओसी के ही रजिस्टर्ड कर दीं।

ये सभी रजिस्ट्रियां नारनौल शहर की है और कई करोड़ों रुपयों की वैल्यू वाली प्रॉपर्टी की है। मामला संज्ञान में आते ही सबसे पहले डीसी ने रजिस्ट्री क्लर्क रामचंद्र की सीट बदल दी और पांच दिन बाद मामला बिगड़ता देख क्लर्क के सस्पेंड के आर्डर भी जारी कर दिए। साथ ही रजिस्ट्री पंजीकृत करने वाले संयुक्त सब रजिस्ट्रार नारनौल से भी जवाब तलब किया। इस मामले में जिला उपायुक्त जगदीश शर्मा का कहना है कि रजिस्ट्री क्लर्क का सस्पेंड उनके कार्यालय का रुटीन का वर्क है। उन्होंने यह भी कहा कि बिना एनओसी रजिस्ट्री मामले की जांच डीआरओ को सौंपी गई है। जांच के बाद नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अक्सर चर्चित रही है नारनौल तहसील की रजिस्ट्री क्लर्क की सीट

तहसील कार्यालय की मलाईदार सीट कही जाने वाली रजिस्ट्री क्लर्क की सीट पिछले कुछ सालों से खासकर भाजपा सरकार में अच्छी खासी चर्चित रही है। इस सीट को पर बैठने वाले कर्मचारी को जिला में किसी न किसी सत्ता पक्ष के नेता का आशीर्वाद रहा है। इस क्लर्क के सस्पेंड का समाचार सोशल मीडिया पर आने के बाद चर्चाओं का यह बाजार भी गर्म हो गया है कि इस कर्मचारी को भी जिला के एक बडे नेता का आशीर्वाद था और इसके माध्यम से तगडी मलाई खाने का भी खेल चल रहा था।

संक्षिप्त समाचार

लोगों के अंदर ऊर्जा का संचार करता है समाचार पत्र : रीना मनी

सोनीपत। मैथोडिस्ट सीनियर सैकेंडरी स्कूल की प्रिंसीपल रीना मनी ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि हिंदी पत्रकारिता दिवस 30 मई को मनाया जाता है। इसी दिन पंडित युगुल किशोर शुक्ल ने 1826 ई. में प्रथम हिन्दी समाचार पत्र (उदन्त मार्तण्ड) का प्रकाशन कलकत्ता से आरंभ किया था। रीना मनी ने कहा कि पत्रकारिता के माध्यम से लोगों के अंदर ऊर्जा का संचार किया जाता है। लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक किया जाता है। किसी भी देश को मजबूत करने के लिए पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान रहता है, क्योंकि पत्रकारिता के माध्यम से जनता को जागरूक किया जाता है कि हमारे देश में क्या-क्या गतिविधियां किन-किन महापुरुषों, राजनेताओं, अधिकारियों व जनमानस के द्वारा होती रहती है। उन्होंने कहा कि हिन्दी अखबार के आज 194 वर्ष पूरे हो चुके हैं। हर साल हम इसी प्रकार हिन्दी पत्रकारिता दिवस मानकर रस्म अदा करते हैं, क्योंकि इस पत्रकारिता के माध्यम से सभी लोग आपस में जुड़े रहते हैं और हमें तरह-तरह के कार्यक्रमों की जानकारी मिल जाती है। चाहे वो देश (भारत) की हों, या विदेश की। अत: हमें अपने देश के हर पत्रकार का सम्मान अवश्य करना चाहिए। रीना मनी ने कहा कि लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता देश की राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं ने समाज में जन जागरुकता के प्रसार में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्तमान में कोरोना को लेकर लोगों को जागरूक करने में भी हिंदी पत्रकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

बेमौसमी बारिश से ज्वार व सब्जी की फसलें प्रभावित

पूंडरी। भारतीय शास्त्रानुसार ये समय नौतपा चला हुआ है, जो कि 25 मई से 2 जून तक है। इस दौरान गर्मी के मौसम में नो दिनों तक सबसे अधिक गर्मी पड़ती है। नौतपा के दौरान भी मौसम करवट बदल रहा है और क्षेत्र में दो दिनों से काफी अच्छी बारिश भी हो रही है। लगातार हुई बारिश से सबसे अधिक सब्जी लगाने वाले किसान और पशुओं के लिए बोया गया चारा ज्वार काफी प्रभावित हो रहे है। अधिक बारिश से किसानों की ज्वार में अधिक पानी भर जाने से चारा नष्ट होने के कगार पर है, वहीं सब्जी किसानों के लिए खेतों में लगाई गई घीया, तौरी, बिंडी, टमाटर की फसल भी अधिक पानी भर जाने से खराब हो रही है। ऐसे में अगर अब भी बारिश होती है तो सब्जी किसानों को काफी नुकसान सहन करना पड़ेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज भी बारिश होने की संभावना है। किसान रामबीर सिंह, शेरसिंह, लखपत सिंह, राजपाल, प्रदीप कुमार व सोहनलाल ने बताया कि धान की रोपाई करने वाले किसानों के लिए तो ये बारिश फायदेमंद है। खेत पुरी तरह से सूखे पड़े हुए थे, बारिश हो जाने पर अब एक या दो दिनों में बुवाई करने के लायक हो जाएंगे। जिसके बाद आगे चलकर इनमें धान रोपाई करने में आसानी रहेगी। इसके अलावा पशुओं के लिए चारा ज्वार व सब्जी की फसलें काफी प्रभावित रहेंगी।

गांव सौंगल में 35 वर्षीय युवक निकला कोरोना संक्रमित

कैथल। कैथल के गांव सोंगल में एक 35 वर्षीय युवक कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। यह युवक पहले ही आइसोलेट था, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। यह युवक मुम्बई से आया था। युवक के परिजनों को आइसोलेशन करने के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव सोंगल में पहुंची। ज्ञात रहे कि कल शुक्रवार को कैथल शहर से पांच कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। कैथल में लगातार कोरोना के मरीज बढ़ते जा रहे हैं।

हरियाणा में नौ हजार किसानों को मिलेंगे नलकूप कनेक्शन

चंडीगढ़। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत चौटाला ने विपक्षी राजनीतिक दलों द्वारा नलकूप कनेक्शनों को लेकर दिए जा रहे बयानों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि करीब आठ किसानों को नलकूप कनेक्शन देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस संबंध में बीती रात मुख्यमंत्री मनोहर लाल की अध्यक्षता में हुई विभागीय बैठक में मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

शनिवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में रणजीत चौटाला ने कहा कि विपक्षी दलों द्वारा 82 हजार किसानों के आवेदन लंबित होने का दावा करके प्रदेश वासियों को गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा केवल उदन लोगों का है जिन्होंने केवल सौ रुपये का आवेदन फार्म भरा है। हरियाणा में किसानों के लिए नलकूप कनेक्शनों को लेकर चल रहे विवाद को निराधार करार देते हुए रणजीत चौटाला ने कहा कि कुल 9039 लोगों ने ट्यूबवेल कनेक्शन के लिए अप्लाई किया है। इन लोगों द्वारा पैसे भी जमा करवाए जा चुके हैं। विभाग द्वारा इनमें से 7821 लोगों का सर्वे करवाया जा चुका है। 7821 में से 6194 आवेदकों को फाइव स्टार मोटर के लिए तरजीह दी गई है। इसके अलावा 1721 आवेदकों को मोनो ब्लाक मोटर के लिए तरजीह दी गई है।

उन्होंने बताया कि विभाग के पास इस समय 4868 फाइव स्टार मोटर उपलब्ध हैं। जिसके माध्यम से 15 जून तक कनेक्शन अलाट कर दिए जाएंगे। इसके अलावा 1728 नई फाइव स्टार मोटर मंगवाई गई हैं।

सरपंच पर ठेकेदार से मिलीभगत का आरोप

पंचायती भूमि से मिट्टी उठाकर सड़क पर डालने का है मामला

पायनियर समाचार सेवा। इंद्री

उपमंडल के गांव गढ़ी बीरबल के ग्रामीणों ने शनिवार को गांव के सरपंच पर ठेकेदार से मिलीभगत का आरोप लगाते हुए सरपंच और ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप है कि सरपंच की मिलीभगत से ही ठेकेदार पंचायती भूमि से मिट्टी चोरी कर रहा है जिस कारण ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

भीम मंढ़ाण, नेकी राम, मास्टर ईश्वर सिंह, गुरमुख सिंह, पाला राम, जरनैल सिंह, रमेश कुमार, कुलविंद्र सिंह आदि ग्रामीणों ने नारेबाजी करते हुए कहा कि यदि जल्द ही ठेकेदार के खिलाफ पंचायती भूमि से मिट्टी चोरी करने का मामला दर्ज नहीं किया तो ग्रामीण आंदोलन की राह पकड़ने को मजबूर हो जाएंगे। ग्रामीणों का कहना है कि इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। गौरतलब है कि गांव गढ़ी बीरबल से चन्द्राव तक मार्केटिंग बोर्ड द्वारा सड़क का निर्माण किया जा रहा है। गांववासियों का आरोप है कि ठेकेदार सड़क में जो मिट्टी डाल रहा है वो गांव की पंचायती जमीन की है।

ग्रामीण भीम मंढ़ाण का कहना है कि गढ़ी बीरबल से चन्द्राव तक लगभग 2 किलोमीटर की सड़क बनाई जा रही है। मार्केटिंग बोर्ड ने सड़क का टेंडर करीब 55 लाख रुपये में ठेकेदार को दिया है। ठेकेदार मिट्टी खरीदने की बजाय पंचायती भूमि से मिट्टी चोरी कर रहा है जोकि बिना सरपंच की मिलीभगत के संभव नहीं है। ग्रामीण नेकी राम का कहना है गांव में करीब 3 एकड़ पंचायती भूमि गऊचारान के लिए छोड़ी हुई है जिसमें रात को ठेकेदार ने जेसीबी चलाकर करीब 70 ट्रॉलियां मिट्टी की सड़क पर डाल ली। अब ठेकेदार इस मिट्टी के पैसे भी सरकार से ले लेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार से मांग है कि प्रशासन इस मामले की जांच कर ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई करे।

मामले में ठेकेदार विरेंद्र का कहना है कि गांव की पंचायती भूमि से मिट्टी नहीं उठाई है। हां यदि एक या दो ट्रॉली मैने उठाई भी है तो मै उसे वापस करने को तैयार हूं। गांव के सरपंच बबलू का कहना है कि ठेकेदार द्वारा पंचायती भूमि से मिट्टी उठाने का मामला मेरे संज्ञान में नहीं है। मेरी किसी ठेकेदार के साथ कोई मिलीभगत नहीं है। लगाए गए सभी आरोप निराधार हैं।

बाजार की दुकानें अगले आदेशों तक ऑड-ईवन के तहत ही खुलेंगी

करनाल। सरकार के आदेशानुसार कोविड-19 के चलते लॉकडाउन 4 का चरण समाप्त हो रहा है। बाजार खोलने के लिए जो आदेश चौथे चरण में जारी किए गए थे, वह आदेश आगे भी जारी रहेंगे, जब तक सरकार की ओर से कोई अन्य दिशा-निर्देश जारी नहीं हो जाते। सभी दुकानदार आगामी आदेशों तक ओड-ईवन के तहत ही अपनी दुकानें खोलें, बाजारों में भीड़ न हो, इसका भी ध्यान रखें।

उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने शनिवार को जारी बयान में कहा है कि लॉकडाउन 4 के दिशा-निर्देशों को लेकर लोगों में कईं प्रकार भ्रांतियां सुनने को मिल रही थी, परंतु अभी तक सरकार ने अगले किसी भी दिशा-निर्देश को जारी नहीं किया गया है, जब तक सरकार के दिशा-निर्देश जारी नहीं होते तब तक लॉकडाउन के चौथे चरण के दिशा-निर्देश जारी रहेंगे।

धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 का संक्रमण ज्यादा गंभीर: आरजीसीआईआरसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोविड-19 श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारी है। क्योंकि धूम्रपान करने वालों के फेफड़े और श्वसन तंत्र में पहले से ही दिक्कतें रहती हैं, इस कारण से धूम्रपान करने वालों में कोविड-19 संक्रमण के गंभीर होने का खतरा अन्य लोगों की तुलना में बढ़ जाता है। ऐसे लोगों को सांस लेने में ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ता है। यह कहना है राजीव गांधी कैंसर इंस्टीट्यूट एवं रिसर्च सेंटर (आरजीसीआईआरसी) के डायरेक्टर सर्जिकल ओनकोलॉजी, डॉ. एके दीवान का।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी कहा है कि तंबाकू का इस्तेमाल कोविड-19 बीमारी के लक्षणों के गंभीर होने का खतरा बढ़ा देता है। धूम्रपान नहीं करने वालों की तुलना में, धूम्रपान करने वाले मरीजों पर कोविड-19 के दुष्प्रभाव का खतरा ज्यादा रहता है। ऐसे लोगों को आईसीयू में भर्ती करने, वेंटीलेटर पर रखने की जरूरत ज्यादा होती है और स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ता है।

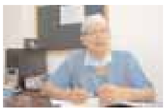

डॉ. एलएम डारलोंग, हेड ऑफ थोरैसिक ओनकोसर्जरी, आरजीसीआईआरसी, के मुताबिक, तंबाकू भारत में कैंसर का सबसे बड़ा कारण है। पुरुषों में होने वाले करीब 40 प्रतिशत और महिलाओं में होने वाले 20 प्रतिशत कैंसर का संबंध तंबाकू से है। इनमें फेफड़े का कैंसर, हेड एंड नेक कैंसर और मुंह के कैंसर का सीधा संबंध तंबाकू के इस्तेमाल से है। वहीं फेफड़े के कैंसर के 80 प्रतिशत मामले भी इसी के कारण होते हैं। डॉ. दीवान ने कहा कि यह भी देखने में आया है कि कोविड-19 के कारण जान गंवाने वालों में ऐसे लोग ज्यादा हैं, जिनका धूम्रपान से सीधा संबंध रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि धूम्रपान से दिल, डायबिटीज, हाइपरटेंशन, क्रोनिक रेस्पिरेटरी डिजीज या कैंसर जैसी कोई बीमारी का खतरा बढ़ जाता है और ऐसे मरीज कोविड-19 के गंभीर लक्ष्णों को सहन नहीं कर पाते। इसलिए इस स्वास्थ्य संकट के दौरान धूम्रपान छोड़ना बहुत जरूरी है।

डॉ. दीवान ने कहा कि मुंह के कैंसर का अहम रिस्क फैक्टर होने के साथ ही चबाने वाले तंबाकू कोविड-19 के प्रसार में भी भूमिका निभाते हैं।

शहीद भगत सिंह की बहन के निधन पर जताया शोक

कुरुक्षेत्र। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव कामरेड दरियाव सिंह कश्यप ने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की छोटी बहन प्रकाश कौर के निधन पर शोक प्रकट किया है। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए खेद जताया कि देश के महान क्रांतिकारी भगत सिंह की छोटी बहन प्रकाश कौर का 96 साल की आयु में 28 मई को निधन हो गया था।

मगर किसी भी राजनीतिक दल ने इस पर अपनी संवेदना व्यक्त नहीं की। इतना ही नहीं, मीडिया ने इस पर कोई भी खबर प्रकाशित करने की जहमत नहीं उठाई, जबकि उसी दिन भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा के कोरोना संक्रमित होने का समाचार न्यूज चैनल और समाचार पत्रों में सुर्खियां बना रहा। पार्टी के जिला सचिव कामरेड बंता राम हबाना, अजीत सिंह नागपाल ने शोक जताया।

सालभर में 41 हजार बच्चे करते हैं तंबाकू की शुरुआत

युवाओं को तंबाकू इंडस्ट्री के हथकंडों से बचाने की अपील

धूम्रपान करने वालों को कोरोना के संक्रमण का भी खतरा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

प्रदेशभर का युवा वर्ग तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों के जाल में फंसता जा रहा है, जिससे इनको कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ रहा है। इसमें खासतौर पर युवाओं को तंबाकू इंड्रस्टी के तंबाकू उत्पाद बेचने के लुभावने हथकंडों से बचाने की जरुरत है, जिनको ये आसानी से अपना ग्राहक बना लेते है। वहीं चबाने वाले तंबाकू उपयोगकर्ता कोरोना संक्रमण फैलाने का भी इन दिनों कारण बन रहे है।

एक सर्वे के आंकड़ों के अनुसार राज्य में तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों से होने वाले रोगों से प्रतिवर्ष 28 हजार से अधिक लोगों की मौत हो जाती है और देशभर में 13.5 लाख व विश्वभर में 80 लाख लोगों की जान इससे जाती है। प्रदेशभर में 116 बच्चे और देशभर में 5500 बच्चे प्रतिदिन तंबाकू उत्पादों का सेवन शुरु करते है। वर्षभर में हरियाणा में 41 हजार 760 बच्चे तंबाकू का सेवन शुरु कर रहे है। इस स्थिति में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर लोगों से तंबाकू से दूर रहने की अपील की है।

केंसर रोग विशेषज्ञ डा.वेदांत काबरा के अनुसार तंबाकू का धुआं इनडोर प्रदूषण का बहुत खतरनाक रूप है, क्योंकि इसमें 7000 से अधिक रसायन होते हैं। जिनमें से 69 कैंसर का कारण बनते हैं। तंबाकू का धुआं पांच घंटे तक हवा में रहता है, जो फेफड़ों के कैंसर, सीओपीडी और फेफड़ों के संक्रमण को बढ़ाता है। धूम्रपान करने वालों को कोरोना के संक्रमण खतरा भी अधिक रहता है, क्योंकि वह बार-बार सिगरेट व बिड़ी को मुंह में लगाते है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विशेष

हरियाणा में 46.84 लाख युवा करते हैं तंबाकू का सेवन

संबध हेल्थ फांउडेशन (एसएचएफ) की डायरेक्टर आशिमा सरीन के मुताबिक ग्लोबल एडल्ट टोबेका सर्वे (गेट्स) 2016-17 के मुताबिक हरियाणा प्रदेश में 23.6 प्रतिशत (करीब 46.84 लाख, उम्र 15 वर्ष से अधिक) लोग किसी न किसी रूप में तंबाकू उत्पादों का उपयोग करते हैं। इनमें से 39 लाख (19.7 प्रतिशत) लोग धुमपान का सेवन करते हैं। प्रदेश में 15.5 प्रतिशत बीड़ी, 7.6 प्रतिशत हुक्का और 2.6 प्रतिशत सिगरेट का सेवन करने वाले शामिल है। प्रदेश में 15 से 17 वर्ष में तंबाकू सेवन करने वाले 4 प्रतिशत उपयोगकर्ता बढ़े है। धूम्रपान की वजह से नोन-स्मोकर पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

हर दिन नए कस्टमर की जरुरत

देश दुनिया में प्रतिदिन तंबाकू इंडस्ट्री को नए उपयोगकर्ता की जरुरत होती है, जिसके चलते वे तंबाकू उत्पादों का नए रुप रंग में लेकर आते है। ताकि वे युवाओं को सीधे तौर पर आकर्षित कर सकें। पूरी दुनिया में 80 लाख कस्टमर प्रतिवर्ष मर रहे है, इसलिए ये लोग नए कस्टमटर को जोड़ने के लिए भी इस तरह के हथकंडे अपनाते हैं।

चीन को सालाना 3 सौ करोड़ का झटका देगी ताज नगरी

आगरा में बनेंगे जेनरेटर, घास काटने की मशीन एवं अन्य उपकरण

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुधनगर से सटी ताज नगरी आगरा में चीन को टक्कर देने की तैयारी चल रही है। चीन से आयात होने वाले हाईस्पीड पंपिंग सेट अब आगरा में बनाए जाएंगे। इसके लिए शहर के उद्यमियों ने पूरी योजना तैयार कर ली है। अभी तक चीन की इसमें मोनोपॉली है। सालाना करीब 300 करोड़ रुपये के पम्पिंग सेट और ऐसे ही दूसरे उपकरण आगरा में चीन से आयात किए जा रहे हैं।

लघु उद्योग भारती ने इस दिशा में काम शुरू किया है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि आगरा में सालाना करीब 200 करोड़ रुपये के पंप आयात किए जा रहे हैं। यह पंप पांच से नौ हॉर्स पावर क्षमता वाले होते हैं। हर साल करीब 2.5 लाख पंप सेट चीन से आयात किए जाते हैं। एक पंप सेट की कीमत लगभग आठ हजार रुपये होती है। इनका प्रयोग मुख्य रूप से खेतों में होता है। ये हल्के और एल्युमीनियम बॉडी के बने होते हैं। अब इसी गुणवत्तता वाले पंप आगरा में बनाए जाएंगे। पंप बनाने के लिए एक इकाई लगाने की कीमत लगभग 20 करोड़ रुपये आएगी।

इसके अलावा जेनरेटर, घास काटने वाली मशीन, स्प्रेयर जैसे उपकरण बनाए जाएंगे। इन उपकरणों के लिए एक से 10 हॉर्स पावर के इंजन का भी निर्माण किया जाएगा। ऐसे करीब 2.5 लाख इंजन चीन से 100 करोड़ रुपये में आयात किए जाते हैं।

चीन की है मोनोपोली

लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष भुवेश अग्रवाल ने बताया कि हाई स्पीड पंपिंग सेट बनाने का कारखाना लगाने के लिए योजना बनी है। इस प्रोजेक्ट के लिए उन्हें चेयरमैन बनाया गया है। उन्होंने कहा कि जल्द प्रोजेक्ट पर काम शुरू किया जाएगा। जिला महामंत्री विजय गुप्ता ने बताया कि इस योजना के तहत बड़ी संख्या में स्थानीय को रोजगार मिलेगा और चीन का एकाधिकार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अकेले आगरा में पंपिंग सेट, जनरेटर, स्प्रेयर और ग्रास कटिंग मशीन के जरिए चीन 300 करोड़ रुपए कमा रहा है।

दिल्ली हिंसा : पूर्व पार्षद को मिली निकाह के लिए अंतरिम जमानत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- अदालत ने किसी भी साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करने की दी हिदायत

दिल्ली में दंगों को भड़काने के आरोप में गिरफ्तार इशरत जहां को दिल्ली की एक अदालत से अंतरिम जमानत मिल गई है। इशरत जहां को यह जमानत उनकी शादी के लिए मिली है। इशरत कांग्रेसी नेता हैं और उसके टिकट पर पार्षद भी रह चुकी हैं। अदालत ने इशरत को 10 दिन के लिए जमानत दी है। उन पर अवैध गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

उतर-पूर्वी दिल्ली में फरवरी में हुए सांप्रदायिक हिंसा से जुड़े एक मामले में उन पर आतंकवाद निरोधक कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने जहां को एक-एक लाख रुपए के दो मुचलके भरने के बाद दस जून से 19 जून तक के लिए जमानत दी। वकील एस. के. शर्मा, ललित वलीचा, वकील तुषार आनंद और मनु प्रभाकर के मार्फत दायर अंतरिम जमानत याचिका के मुताबिक जहां की शादी 2018 में 12 जून 2020 के लिए तय की गई थी। याचिका में कहा गया है कि जमानत मिलने पर जहां किसी भी साक्ष्य से छेड़छाड़ नहीं करेंगी और न ही गवाहों को प्रभावित करेंगी। जहां को मामले में गलत तरीके से फंसाया गया है।

मामले में जहां के अलावा जामिया मिल्लिया इस्लामिया के छात्र आसिफ इकबाल तन्हा, गुलफिशा खातून, जामिया समन्वय समिति की सदस्य सफूरा जरगर, मीरां हैदर, जामिया एलुमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष शिफा उर रहमान, आप के निलंबित पार्षद ताहिर हुसैन, कार्यकर्ता खालिद सैफी, जेएनयू की छात्रा नताशा नरवाल और पूर्व छात्र नेता उमर खालिद पर भी मामला दर्ज किया गया है।

एक जून से रोडवेज बसें चलाने की तैयारी

गाजियाबाद। रोडवेज की बसों का संचालन एक जून से करने के लिए रोडवेज के आरएम एके सिंह ने शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में रीजन की सभी डिपो के एआरएम ने भी इसमें हिस्सा लिया। बैठक साढ़े दस बजे से शुरू हुई जो दो घंटे तक चली। इस दौरान आरएम ने स्पष्ट कर दिया कि सभी एआरएम रोडवेज की बसों के संचालन की एक जून से तैयारी करें।

हाल ही में रोडवेज के एमडी डॉ. राजशेखर ने सभी आरएम को बस संचालन की तैयारी के लिए एक गाइड लाइन जारी की थी। उनका कहना था कि अगर बस चलाई जाएंगी तो इसी गाइड लाइन के हिसाब से चलाई जाएंगी। किसी भी बस में फुल सीट सवारी नहीं चलेंगी। नई गाइड लाइन के हिसाब से आरएम ने निर्देश दिए कि यात्रियों की सुविधा के साथ बस अड्डे पर उनकी कोरोना से सुरक्षा भी रोडवेज प्रशासन को ही करनी होगी। आरएम ने बैठक में साफ कर दिया कि संभावना है कि एक जून से रोडवेज की बसें चलनी शुरू हो जाएंगी।

अनलॉक वन में मेट्रो चलाने का फैसला टलने से मायूसी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अनलॉक वन में मेट्रो चलाने का फैसला टलने से दिल्ली वाले मायूस हैं। लोगों को उम्मीद थी कि लॉकडाउन का चौथा चरण खत्म होने के बाद मेट्रो पटरियों पर दौड़ने लगेगी। इसके मद्देजन दिल्ली मेट्रो रेल निगम दोबारा मेट्रो का परिचालन शुरू करने के लिए अपनी तैयारी भी कर लिया था। अब अनलॉक के तीसरे चरण में मेट्रो के संचालन पर केंद्र सरकार फैसला लेगी।

आईटी कंपनी में काम करने वाली साकेत निवासी ईशा भारद्वाज ने बताया कि लॉकडाउन तीन खत्म होने के बाद दिल्ली वालों को डीटीसी बसों में कुछ शर्तों के साथ सफर करने की अनुमति मिली थी। उसी तरह उन्हें भरोसा था कि लॉकडाउन के अंतिम चरण में मेट्रो फिर से पटरी पर दौड़ने लगेगी। उन्हें अपने काम के सिलसिले में गुरुग्राम जाना पड़ता है। मेट्रो के नहीं चलने में आवागमन में परेशानी हो रही है। मोनिका लाकड़ा ने केंद्र सरकार के फैसले को सही ठहराते हुए बताया कि मेट्रो के चलने से अभी संक्रमण तेजी से फैलने की आशंका है। क्योंकि राजीव चौक, कीर्ति नगर, बॉटेनिकल गार्डन, हौस खास, कड़कड़डूमा, मंडी हाउस, कश्मीरी गेट जैसे भीड़भाड़ वाले स्टेशनों पर लोग सोशल डिस्टेंसिंग का जमकर उल्लंघन करेंगे।

डीएआरसी सूत्रों का कहना है कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद मेट्रो का सुचारू परिचालन शुरू करने के लिए दो दिन का समय चाहिए। डीएआरसी ने अपनी तैयारी पूरी कर रखी है। जब भी मंजूरी मिलेगी। गाड़ियों का संचालन शुरू कर दिया जाएगा।

लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ है पत्रकारिता : आलोक सिंह

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह नें हिंदी पत्रकारिता दिवस पर जिले के सभी पत्रकारों को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता एक सशक्त लोकतंत्र बनाने में चौथा स्तंभ है जिसका सशक्त लोकतंत्र में महत्वपूर्ण योगदान है।

उन्होंने कहा कि सकारात्मक पत्रकारिता से न सिर्फ देश की जनता को सही जानकारी मिलती हैं बल्कि सरकार को अपनी प्राथमिकताएं तय करने में भी मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि आज से 194 साल पहले 1826 में पण्डित युगल किशोर शुक्ल ने कोलकाता से हिन्दी पत्रकारिता की शुरुआत की थी।

जेल में कैदी की मौत मामले में साथी पर हत्या का केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा जेल में दो बंदियों के बीच हुई मारपीट में एक बंदी के मौत हो गई। इस मामले में आरोपी बंदी के खिलाफ इकोटेक एक कोतवाली में गैर इरादातन हत्या का मुक़दमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक बंदी की मौत शरीर में इंफ़ेक्शन फैलने से हुई है।

ग्रेटर नोएडा के डीसीपी राजेश कुमार सिंह ने बताया कि जेल में कुछ दिन पहले दो बंदियों के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। जिसमें गैंगस्टर एक्ट के तहत जेल में बन्द एक बंदी आरिफ की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। इस मामले में गुरुवार को जेलर सत्यप्रकाश ने इकोटेक एक कोतवाली में तहरीर दी थी। डीसीपी ने बताया कि पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी बंदी अलाउद्दीन के खिलाफ गैर इरादातन हत्या का मुकदमा दर्ज किया है।

आरिफ की पोस्टमार्टम रिपोर्ट के मुताबिक मौत का कारण शरीर में इन्फेक्शन पाया गया है। इसके बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बीईएल के 3 कर्मचारी मिले कोराना संक्रमित

गाजियाबाद। साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार स्थित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड कंपनी में तीन कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। इसके बाद एहतियातन जिला प्रशासन ने कंपनी को सात दिन के लिए सील कर दिया गया है। वहीं, कंपनी ने अपने कर्मचारियों को होम क्वारंटाइन के लिए नोटिस भी जारी किया है।

गौरतलब है कि साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र साइट चार में बीईएल कंपनी है। इसमें सैकड़ों कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी में काम करने वाले तीन लोगों को कोरोना संक्रमित पाया गया है। इसके चलते शुक्रवार देर रात जिला प्रशासन ने कंपनी को सात दिन के लिए सील कर दिया।

एलएनजेपी के चिकित्सा निदेशक, एनडीएमसी के 3 कर्मी संक्रमित

दिल्ली जल बोर्ड के जेई की कोविड 19 संक्रमण से मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

घातक कोरोना वायरस आम लोगों के साथ-साथ डॉक्टर्स और पैरा मेडिकल स्टाफ के लोगों को भी अपनी चपेट में लेता जा रहा है। लोक नायक जय प्रकाश अस्पताल के चिकित्सा निदेशक सुरेश कुमार कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। उनके साथ अस्पताल के दो और लोग संक्रमित मिले हैं।

डॉ सुरेश कुमार को 17 मई को दिल्ली सरकार के सबसे बड़े अस्पताल की कोविड-19 सुविधा का चिकित्सा निदेशक नियुक्त किया गया था। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, उनके नमूने गत शुक्रवार को लिए गए थे। आज उनमें संक्रमण की पुष्टि हुई है। दो अन्य कर्मचारी भी संक्रमित पाए गए हैं। कोविड-19 मरीजों के लिए समर्पित सुविधाओं वाले एलएनजेपी अस्पताल में संक्रमण का खतरा हमेशा बना रहता है और पूरे देश में डॉक्टर संक्रमित हो रहे हैं। इस बीच नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के 3 कर्मचारी भी पॉजिटिव पाए गए हैं।

इनके साथ ही अब तक कुल 20 कर्मचारी संक्रमित हो चुके हैं। परिषद के भवन को दो दिन पहले ही सील कर दिया गया है। उधर, दिल्ली जल बोर्ड के एक जेई की संक्रमण के चलते मौत हो गई।

दूसरी ओर, दिल्ली सचिवालय का एक अधिकारी अब कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। अधिकारी सामान्य प्रशासन विभाग में तैनात हैं। उनके संक्रमित पाए जाने के बाद दफ्तर को सील कर दिया गया है। दिल्ली में रोजाना कोरोना के एक हजार से ज्यादा केस सामने आ रहे हैं। मृतकों की संख्या में भी लगातार इजाफा होता जा रहा है। वहीं कोरोना के बढ़ते खतरे को देखते हुए दिल्ली सरकार ने भी अपनी तैयारियां और तेज कर दी हैं।

विदेश मंत्रालय के भी दो कर्मचारी पॉजिटिव

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय के दिल्ली स्थित मुख्यालय में काम कर रहे दो कर्मचारी कोरोना वायरस संक्रमित पाए गए हैं जिसके बाद उनके संपर्क में आए सभी कर्मचारियों को 14 दिन के होम क्वॉरंटीन में रहने के लिए कहा गया है। सूत्रों के अनुसार मंत्रालय की विधि शाखा में कार्यरत एक अधिकारी और केंद्रीय यूरोप प्रभाग के एक परामर्शक के इस सप्ताह की शुरुआत में कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई।

नोएडा में कोरोना संक्रमण से सातवीं मौत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में कोरोना का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार को कोरोना वायरस से संक्रमित एक और व्यक्ति की मौत हो गई है। नोएडा में कोरोना के कारण यह सातवीं मौत है। बड़ी बात यह है कि लगातार दूसरे दिन कोरोना वायरस की मौत हुई है। शुक्रवार को भी जिला प्रशासन ने एक मौत की जानकारी रिपोर्ट में दी थी। दूसरी ओर जिले में लगातार संक्रमण के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिससे लोगों में दहशत व्याप्त है।

नोएडा निवासी कोरोना संक्रमित 58 वर्षीय व्यक्ति की शनिवार दोपहर मृत्यु हुई है। उन्हें संक्रमण के बाद ग्रेटर नोएडा के राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती किया गया था। जहां उनकी हालत में सुधार नहीं हो पाया। राजकीय आयुर्विज्ञान संस्थान के निदेशक डॉ आरके गुप्ता ने मौत होने की पुष्टि की है। बता दें कि शुक्रवार की शाम तक गौतमबुद्ध नगर जिले में कोरोना वायरस से संक्रमण के 386 मामले सामने आ चुके हैं। अब तक 7 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

शनिवार को सामने आए 17 नए मामले

नोएडा में कोरोना वायरस के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं। शनिवार को 17 और लोग संक्रमित पाए गए हैं। नोएडा के अधिकारियों ने बताया कि कोरोना के इलाज के बाद ठीक हो चुके तीन लोगों को अस्पताल से छुट्टी भी दी गई। नोएडा के जिला निगरानी अधिकारी सुनील दोहरे ने बताया कि नोएडा में शनिवार को आई कोविड-19 की 23 रिपोर्ट में 17 मामलों में संक्रमण पाया गया है। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक 404 लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं, जिनमें से 293 लोग उपचार के बाद ठीक होकर घर जा चुके हैं। दोहरे के अनुसार शनिवार जहां कोरोना मरीज पाए गए हैं, उन जगहों पर प्रोटोकॉल के तहत सेनिटाइजेशन का कार्य शुरू कर दिया गया है।

ओपन-बुक परीक्षा कराने के फैसले पर डीयू से मांगा जवाब

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने उस याचिका पर दिल्ली विश्वविद्यालय से जवाब मांगा है जिसमें कोविड-19 के मद्देनजर स्नातक और परास्नातक के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए एक जुलाई से ऑनलाइन ओपन-बुक परीक्षा कराने के उसके फैसले को चुनौती दी गई है।

ओपन-बुक परीक्षा में परीक्षार्थियों को सवालों के जवाब देते समय अपने नोट्स, पाठ्य पुस्तकों और अन्य स्वीकृत सामग्री की मदद लेने की अनुमति होती है। छात्र अपने घरों में बैठकर वेब पोर्टल से अपने-अपने पाठ्यक्रम के प्रश्न पत्र डाउनलोड करेंगे और दो घंटे के भीतर उत्तर-पुस्तिका जमा करेंगे।

न्यायमूर्ति जयंत नाथ ने विश्वविद्यालय को नोटिस जारी करते हुए उससे तीन छात्रों की याचिका पर जवाब दायर करने के लिए कहा। ये तीनों छात्र आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के हैं जिन्होंने दलील दी कि इस तरह की परीक्षा से केवल संपन्न छात्रों को ही फायदा मिलेगा।

झपटमारी करने वाले दो नाबालिग धरे गए

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेम की लत में दो नाबालिगों ने दक्षिण दिल्ली के नेब सराय इलाके में दुकान का ताला तोड़कर दो हजार रुपए और 19 मोबाइल फोन लूट लिए ताकि उनके मित्र भी साथ मिलकर यह गेम खेल सकें। दुकानदार की शिकायत के आधार पर दोनों को गिरफ्तार किया गया। उनके कब्जे से मोबाइल फोन, दो टैबलेट और शतरंज मिला है।

पुलिस उपायुक्त अतुल कुमार ठाकुर ने बताया कि एक नाबालिग को शिव पार्क के शिव मंदिर के पास से धरा गया है। उसकी निशानदेही पर उसके साथी को भी धर दबोचा गया।

संक्षिप्त समाचार

चिकित्सकों के साथ बैठक करते जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय।

डीएम ने आईएमए के साथ की बैठक

गाजियाबाद। डीएम ने कोरोना के खतरे को देखते हुए चिकित्सा व्यवस्था व रोगियों को जनपद में ही बेहतर उपचार देने के लिए निजी चिकित्सालयों की सहभागिता पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के साथ बैठक की। बैठक में जिलाधिकारी डा. अजय शंकर पांडेय ने स्पष्ट हिदायत दी कि लॉकडाउन-5 में सभी चिकित्सक ओपीडी खोलें और मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करें। शनिवार को जिला सभागार में डीएम ने कहा कि लॉकडाउन-5 में एक जून से सभी प्राईवेट अस्पताल, क्लीनिक शुरू हो जाने चाहिए। ओपीडी में मरीजों को सेवा का लाभ दिया जाए। प्राइवेट अस्पतालों में बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए सरकारी तंत्र के सहयोग का भी उन्होंने आईएमए को आश्वासन दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को हिदायत दी कि जो भी व्यक्ति ईलाज कराने जिला व अन्य चिकित्सालयों में आते हैं, उन्हें सही इलाज मिले।

ऑनलाइन मनाया गया पत्रकारिता दिवस

हापुड़। हिंदी पत्रकारिता दिवस पर शनिवार को मोनार्ड विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग द्वारा एक वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबीनार विभाग अध्यक्ष डॉ. देवाशीष ने कहा कि हिंदी पत्रकारिता के लिए परिस्थितियां हमेशा ही कठिन रहती हैं लेकिन पत्रकारिता ने खुद को दृढ़ साबित किया है। उन्होंने बताया कि आज से लगभग दो शताब्दी पूर्व 30 मई 1826 को हिंदी पत्रकारिता की नींव पंडित युगल किशोर मिश्र ने उदन्त मातृण्ड नामक समाचार पत्र से रखी। स्वतंत्र भारत का यह पहला हिंदी समाचार पत्र कोलकाता से प्रकाशित हुआ था। दुर्भाग्यवश यह ज्यादा समय तक प्रकाशित ना हो सका लेकिन इसने अपने अल्पकाल में ही ना सिर्फ भारतीय जनमानस में पत्रकारिता की अलख जगा दी बल्कि ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारियों में भय भी पैदा कर दिया। डॉ. सतवीर सिंह चौधरी ने कहा कि अपने आरंभिक काल से ही हिंदी पत्रकारिता सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकारों के साथ खड़ी रही है।

मकान किराए में छूट देने की मांग

गाजियाबाद। राष्ट्रीय समाज पार्टी ने सीएम योगी से मकान के किराए में लॉकडाउन की अवधि में साठ फीसदी छूट देने की अपील की है। पश्चिमी अध्यक्ष रामभूल पाल ने अपने ज्ञापन में कहा है कि लॉकडाउन के कारण मध्यम व मजदूर वर्ग सबसे अधिक ऑर्थिक संकट से जूझ रहा है। नियमित काम न मिलने से स्थिति खराब हो रही है। सबसे अधिक वह लोग बेहाल हैं जो किराए के मकानों में रहते हैं। ऐसे लोगों को मकान मालिक द्वारा निरंतर किराया देने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। मकान मालिक किराएदारों को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं।

शहीदों को श्रद्धांजलि देते समिति के पदाधिकारी।

टैंकर ने बाइक सवार को रौंदा, तीन की मौत

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- दुर्घटना के बाद मौके से चालक हो गया फरार

भोजपुर थानांतर्गत हापुड़ मार्ग पर ग्राम ईसापुर- किल्होड़ा के निकट शनिवार सुबह 8.30 बजे दूध के टैंकर की टक्कर से बाइक सवार दादी-पोती और पोते की मौत हो गई। दादी-पोती ने मौके पर और पोते ने अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ा दिया।

पुलिस ने पंचनामा भर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मौका पाकर चालक टैंकर सहित फरार हो गया। पुलिस चालक की तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार हापुड़ जनपद के चमरी गांव निवासी केला देवी (60 वर्ष) अपने पोते मिंटू (22 वर्ष) और शादी शुदा पोती प्रिया (28 वर्ष) पत्नी राहुल निवासी निजामपुर थाना पिलखुवा के साथ बाइक पर सवार होकर मोदीनगर रिश्तेदारी में मिलने जा रहे थे। भोजपुर थाना क्षेत्र के ईसापुर- किल्होड़ा गांव के निकट पीछे से आ रहे दूध के टैंकर ने बाइक में टक्कर मार दी।

टक्कर लगते ही दादी-पोती बाइक से गिरते हुए टैंकर के नीचे आ गई और टैंकर ने दोनों को कुचल डाला। राहगीरों ने पुलिस को सूचना देकर तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराने लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में अस्पताल पहुंचने से पहले ही केला देवी और उनकी पोती प्रिया की मौत हो गई जबकि मिंटू को मेरठ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान 10.30 बजे मिंटू ने भी दम तोड़ दिया।

थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव कुमार ने बताया कि तीनों के शव कब्जे में लेकर थाना पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए हैं।

कोविड-19 पॉजिटिव मिलने पर गांव सील

नोएडा। जेवर क्षेत्र के गांव रामपुर बांगर में शुक्रवार को एक व्यक्ति में कोरोना की पुष्टि हुई। जिसके बाद तहसील प्रशासन ने गांव को सील कर दिया। पीड़ित ग्रेटर नोएडा के एक अस्पताल में नौकरी करता है। उसकी ड्यूटी कोरोना मरीजों की देख रेख में लगी थी। कुछ दिन पहले उसकी तबियत खराब होने लगी तो उसका कोरोना टेस्ट कराया गया। जिसकी रिपोर्ट शुक्रवार को पॉजिटिव आई। सूचना पर तहसीलदार दुर्गेश सिंह अधीनस्थों को आदेशित कर गांव को सैनिटाइज कराकर सील करा दिया।

1857 की क्रांति के शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- बलिदान कभी नहीं भुलाया जा सकेगा : शर्मा

प्रथम स्वतंत्रता संग्राम 1857 शहीद स्मारक समिति ने शनिवार को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को श्रद्धांजलि दी। 30 मई वर्ष 1857 में हिंडन के तट पर अंग्रेज और भारतीय सेना के बीच युद्ध हुआ था जिसमें अनेक भारतीय सैनिक शहीद हुए थे।

शहीद स्मारक समिति हर वर्ष 30 मई को यहां श्रद्धांजलि सभा का आयोजन करती है लेकिन, इस बार वैश्विक महामारी कोरोना के कारण हुए लोकडाउन को देखते हुए सामाजिक दूरी का पालन करते हुए समिति के सदस्यों ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी ।

समिति के अध्यक्ष पंडित रामआसरे शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम 19 वर्षों से लगातार किया जाता रहा है। समिति जीडीए से लगातार मांग करती आई है कि हिंडन नदी के किनारे ऐतिहासिक शहीद स्थल बनाया जाए लेकिन, प्रशासन इस पर सुनवाई नहीं कर रहा है।

इस अवसर पर समिति के मीडिया प्रभारी डॉ. बीके शर्मा हनुमान ने शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों की कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

शवदाह गृह कर्मियों को सता रहा संक्रमण का डर

अंत्येष्टि के बाद राख की जांच कराएगा निगम

संजय राय। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण से मरने वाले मरीजों की अंत्येष्टि के बाद राख की जांच कराएगा उत्तरी दिल्ली नगर निगम। कई श्मशान घाटों के कर्मचारियों ने संक्रमण से मरने वालों के खुले में अंतिम क्रिया करम पर आपत्ति जताई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए निगम ने दाह संस्कार के बाद अस्थियों व राख की जांच कराने के निर्देश दिए है।

एनडीएमसी में स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश गत दिनों पूर्वी और दक्षिणी नगर निगम की स्थायी समिति के अंध्यक्ष संदीप कूपर और भूपेंद्र गुप्ता के साथ बैठक में यह फैसला लिया गया। निगम ने सीएनजी और बिजली से कोरोना से मृत व्यक्ति के दास संस्कार को लकड़ी से भी करने की अनुमति दी है। इसके बाद कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जाहिर की है। साथ ही राख और आग से संक्रमण फैलने का दावा भी किया था। इसके बाद निगम ने इस भ्रम की स्थिति को दूर करने के लिए जांच कराने का फैसला लिया है।

दक्षिणी दिल्ली स्थायी समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने बताया कि राख को सोमवार को जांच के भेजा जाएगा। रिपोर्ट आने के बाद यह स्पष्ट होगा कि इससे संक्रमण फैलता है या नहीं। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार से विभिन्न श्मशान घाटों पर सीएनजी प्लेटफार्म की व्यवस्था करने की मांग की है ताकि घाटों पर काम करने वाले कर्मचारी कोरोना से जान गंवाने वालों के संपर्क में नहीं आएं। अधिकारियों को लकड़ियों से दाह संस्कार करने के लिए अलग से ब्लॉक बनाने की संभावनाएं तलाशने के भी निर्देश दिए गए हैं। साथ ही श्मशान घाटों पर काम करने वाले कर्मचारियों को पीपीई किट मुहैया कराने को भी कहा है।

निगम के मुताबिक जब तक राख से संक्रमण की पुष्टि नहीं हो जाती है तब तक राख को कहीं और नहीं डाला जा सकता।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: उषा श्रीवास्तव। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

हमारे लिए टिड्डी दल भी कोरोना की तरह बड़ा खतरा

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय हिसार के कीट विज्ञान के पूर्व प्रोफेसर ने चेताया

18 महीनों में तीन-चार बार भारत में प्रवेश कर चुका है टिड्डी दल

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

टिड्डी को पकड़कर दिखाता एक किसान। (फाइल फोटो)

21वीं सदी के 20वें साल में आपदाएं ही आपदाएं हैं। आपदाओं के दौर में टिड्डियों के रूप में एक और बड़ी आपदा हमारे सिर पर मंडरा रही है। कोरोना की तरह यह भी सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि अनेक देशों के लिए बड़ा खतरा है। ऐसे में यह जरूरी हो गया है कि सरकारें कोरोना से राहत, बचाव के साथ-साथ टिड्डियों के मामले को भी गंभीरता से लें। सिर्फ दावों से टिड्डियों का आतंक कम या खत्म नहीं होने वाला। इसके लिए जमीनी स्तर पर काम करना होगा।

कोरोना काल के चलते एक विशाल टिड्डी दल का समूह भारत की सीमाओं पर दस्तक दे रहा है। पिछले 18 महीनों के दौरान तीन से चार बार टिड्डी दलों के झुंड ने भारत में प्रवेश किया। टिड्डियों ने गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पंजाब में फसलों का खूब नुकसान किया। वहां पर इनका प्रबन्धन इसलिए किया जा सका, क्योंकि इनका घनत्व, संख्या, व फैलाव कम था। यह टिड्डी दल आगामी समय में फसलों पर हमला करेगा। यह अपनी पूरी क्षमता के साथ जहां से भी गुजरेगा, वहां की हरियाली व फसलों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है। जिसका प्राणी व अन्य जीव जंतुओं के भोजन पर बड़ा विपरीत प्रभाव पड़ सकता है।

पृथ्वी के 10 प्रतिशत हिस्से पर डाल सकता है प्रभाव

यह मरू टिड्डी दल विश्व के 60 देशों में व्याप्त होकर पृथ्वी के 10 प्रतिशत भू भाग पर अपना प्रभाव डाल सकता है। हमला करने वाले टिड्डी दल 40 से 80 मिलियन की तादाद में मिलकर हर हरे भरे फूल, फल, पेड़, पौधों को खाते हुए तबाही मचा सकते हैं। इस विपत्ति का पहले से ही आंकलन कर लेना चाहिए। इस समय इसका एक बड़ा समूह ईरान और पाकिस्तान के रास्ते भारत में प्रवेश कर राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में फसलों को नुकसान कर रहा है। कोरोना के कारण देश की वर्तमान स्थिति बड़ी चिंताजनक है, परन्तु टिड्डी दल भी देश का बड़ा आर्थिक नुकसान कर सकता है। इसलिए कोविड-19 के साथ-साथ टिड्डी दल प्रबंधन पर विचार अति आवश्यक है।

कई देशों में प्रजनन कार्य में लगा है टिड्डी दल

गुरुग्राम में रह रहे चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में कीट विज्ञान विभाग के प्रोफेसर, अध्यक्ष रहे और रॉयल एंटोमॉलजिकल सोसायटी लंदन के फेलो पर्यावरण एवं जीव विज्ञानी डा. राम सिंह कहते हैं कि वर्तमान में यह टिड्डी दल अपने जन्म स्थान ईरान, ईराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, केन्या, सोमालिया, इथियोपिया, सूडान व पाकिस्तान में अपने प्रजनन कार्य में लगा हुआ है। खाद्य एवं कृषि संगठन मरू टिड्डी दल को इसके प्रजनन स्थान पर नियंत्रित करने के लिए प्रयासरत है। अंतरराष्ट्रीय टिड्डी दल संगठन को भी इसके प्रभावों से निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए, क्योंकि सम्बन्धित संगठन अभी कोरोना संक्रमण कोविड19 के प्रबंधन में व्यस्त हैं।

कोरोना संकट में हिंदी पत्रकारिता की भूमिका अहम : अमित नेहरा

एनसीआर मीडिया क्लब ने मनाया हिंदी पत्रकारिता दिवस

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना महामारी के चलते आने वाले समय में देशवासियों को सही और सटीक सूचनाएं हिंदी के जरिए आसानी से दी जा सकती हैं, क्योंकि पूरे भारत में इसे बोला और समझा जाता है। यह बात एनसीआर मीडिया क्लब के प्रेसिडेंट अमित नेहरा ने हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर कही।

एनसीआर मीडिया क्लब ने कोरोना की वैश्विक महामारी के कारण सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करके शनिवार को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया। इस अवसर पर क्लब के अनेक पदाधिकारियों और सदस्यों ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से विचार व्यक्त किए। वीडियो काफ्रेंसिंग में वाईस प्रेसिडेंट सरोज अग्रवाल, ट्रेजरर राज वर्मा, संजय मेहरा, मनीष मासूम, अल्पना सुहासिनी, निदा अहमद, सीमा गिल, संजय राघव, अरविंद सैनी, महेश शर्मा, सीमा सैनी, मुकेश बघेल, पीसी गुप्ता, निर्मल चौहान, पवन नरवाल, रेनू कैलाश और प्रियंका सरकार सहित क्लब के अनेक पदाधिकारियों और पत्रकारों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उन मीडियाकर्मियों को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई, जो कोरोना संकट में भी अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए हमसे विदा हो गये। अमित नेहरा ने कहा कि आज पूरे विश्व के सामने कोरोना वायरस एक खलनायक के रूप में खड़ा है। इसकी अभी तक न तो कोई वैक्सीन है और न कोई दवा। इस बीमारी को सिर्फ जागरूकता से हराया जा सकता है। ऐसे में मीडिया की भूमिका अहम हो जाती है।

क्लब के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट प्रदीप डबास ने कहा कि आज का दिन हिंदी पत्रकारिता के लिए बहुत ही अहम दिन है। आज ही के दिन हिंदी भाषा के पहले समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन कलकत्ता के कोलू टोला मोहल्ले की 37 नंबर आमड़तल्ला गली से शुरू हुआ।

पायनियर की खबर का असर गेहूं का लदान शुरू

सोहना। नरेश कुमार

सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में गेहूं का लदान करते मजदूर।

पायनियर समाचार पत्र में छापी खबर का हुआ असर। सोहना के देवीलाल खेल स्टेडियम में बारिश में भीग रहे 12 हजार गेहूं के कट्टों का उठाव शुरू हो गया है। 19 दिन से गेहूं के भरे कट्टे खुले आसमान के नीचे पड़े हुए थे। शनिवार को पायनियर समाचार पत्र में गेहूं के कट्टों का लदान न होने की खबर को प्रमुखता से छापा था। जिसका असर इतना हुआ कि ठेकेदार ने एक नहीं, दो नहीं तीन-तीन गाड़ियों को गेहूं के कट्टों का लदान करने के लिए एक साथ भेज दिया। जानकारी के अनुसार शनिवार को 1500 से 2000 कट्टों का उठान होने की उम्मीद है।

19 दिन के बाद हुआ लदान

मालूम रहे कि देवीलाल खेल स्टेडियम में रखे सरकारी खरीद के गेहूं के 12 हजार कट्टे शुक्रवार को आई तेज आंधी और बारिश में भीग गए थे। शनिवार को बारिश में भीगे हुए गेहूं का ही लदान शुरू करा दिया। 12 हजार कट्टों में से करीब चाल हजार कट्टों की सिलाई तक नहीं की गई थी। जिससे बारिश का पानी कट्टों के अंदर चला गया।

क्या कहते हैं अधिकारी

हरियाणा वेयर हाउस कार्पोरेशन के इंस्पेक्टर सुनील कुमार ने बताया कि ठेकेदार के खिलाफ गेहूं से भरे कट्टों का समय पर उठान न होने की शिकायत उच्चाधिकारियों को लिखित व मौखित रूप से की गई थी, लेकिन ठेकेदार शिकायतों को नजर अंदाज कर रहा था। उन्होंने ने भी माना कि पायनियर समाचार पत्र द्वारा समस्या को प्रकाशित करने का असर ठेकेदार पर हुआ है।

समाजसेवी भी आगे आएं भ्रष्टाचार मुक्त भारत के लिए : सुरेंद्र चौहान

गुरुग्राम। एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय मुख्य प्रभारी सुरेंद्र चौहान ने अपनी पटौदी टीम का विस्तार करते हुए गांव जाटौली के समाजसेवी शेर सिंह को राज्य सचिव नियुक्ति किया व कार्ड दिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी संस्था एंटी करप्शन फाउंडेशन ऑफ इंडिया पिछले कई वर्षों से अवेयरनेस अगेंस्ट करप्शन पर काम कर रही हैं। पूरे भारत में अपने हस्ताक्षर अभियान सेमिनार आयोजित कर लोगों को जागरूक कर रही हैं।

उन्होंने लोगों से अपील की के हम सभी को हर गलत गतिविधि को उजागर कर उनका समाधान करवाना चाहिए। जब तक लोगों मे जागरुकता की कमी रहेगी। उनका शोषण इसी प्रकार होता रहेगा। नियुक्ति पत्र लेते हुए राज्य सचिव के पद पर अपनी जिमेदारी को बखूबी निभाने की भी शेर सिंह ने शपथ ली और कहा के हम इस अभियान मे हर प्रयास करेंगे और कानून के दायरे मे रह कर काम करेंगे।

गुरुग्राम में जलभराव के 79 क्रिटिकल स्थानों को किया गया चिह्नित

प्रत्येक स्थान के लिए अलग-अलग अधिकारियों की होगी ड्यूटी

गुरुग्राम। मानसून को देखते हुए गुरुग्राम में जलभराव को लेकर मंथन किया गया। इस दौरान ऐसे 79 क्रिटिकल स्थानों को चिन्हित किया गया है, जहां पर जलभराव होता है। इन स्थानों पर विशेष नजर रहेगी। हर स्थान पर अलग-अलग अधिकारियों की भी ड्यूटी होगी। जीएमडीए के सीईओ ने शनिवार को बताया कि जल्द ही फ्लड कंट्रोल रूम की स्थापना की जाएगी।

जलनिकासी के पुख्ता प्रबंध करने के लिए गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वीएस कुंडू की अध्यक्षता में यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त विनय प्रताप सिंह, उपायुक्त अमित खत्री, नगर निगम गुरुग्राम के चीफ इंजीनियर एनडी वशिष्ठ एवं रमन शर्मा, जीएमडीए के चीफ इंजीनियर प्रदीप कुमार सहित नगर निगम, एचएसवीपी एवं पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल हुए। बैठक में वीएस कुंडू ने कहा कि एक फ्लड कंट्रोल रूम की स्थापना जल्द ही कि जाएगी तथा इसमें पर्याप्त संख्या में मैनपॉवर और मशीनरी उपलब्ध होगी।

उन्होंने एक रेपिड एक्शन टीम का गठन करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। बैठक में बताया गया कि 79 स्थान क्रिटिकल हैं, जहां के लिए अलग-अलग अधिकारियों की जिम्मेदारियां लगाई जाएंगी। इन स्थानों की निगरानी सीसीटीवी के माध्यम से भी होगी। बैठक में बताया गया कि एमसीजी और जीएमडीए के अधिकारी मिलकर कार्य करेंगे। एक वाट्सअप ग्रुप भी बनाया जाएगा, ताकि सूचनाओं का आदान-प्रदान तेजी से हो।

संक्षिप्त समाचार

पहले गाने से ही छा गया धाकड़ छोरा मेंडिस

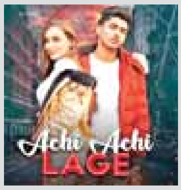

गुरुग्राम। हरियाणवी गीत-संगीत के उभरते सितारे मनीष दहिया उर्फ मेंडिस का पहला गाना अच्छी अच्छी लगे रिलीज हुआ। रिलीज होने के कुछ ही घंटों में 50 हजार व्यूज का आंकड़ा पार कर लिया। यानि इस गाने ने रिलीज होते ही धूम मचा दी है। अच्छी अच्छी लगे गाने के गायक, गीतकार और एक्टर खुद मेंडिस ही हैं। गुरुग्राम के छोरे के पहले ही गाने की अपार लोकप्रियता को देखते हुए मेंडिस के चाहने वालों ने उन्हें भविष्य का म्यूजिक स्टार मान लिया है। मेंडिस गुरुग्राम के गांव धनवापुर का रहने वाला है। मेंडिस फिलहाल गुरुग्राम स्थित एमिटी यूनिवर्सिटी में बीकॉम फाइनल में हैं। उनके पिता नरेंद्र दहिया बिजनेसमैन है और मां गृहिणी है। मेंडिस की बहन निशा ने कहा कि उनके भाई की गीत-संगीत में रुचि 15 साल की उम्र से ही हो गई थी। परिवार वालों को जब इस बात का पता चला तो उन्होंने उसका उत्साहवर्धन किया। इसी का नतीजा है कि आज मेंडिस का पहला एलबम रिलीज होते ही पूरे उत्तर भारत में छा गया। गाने के प्रोड्यूसर मेंडिस के भाई महेश दहिया हैं।

संदिग्ध हालात में किसान का शव खेत में मिला

सोहना। सोहना के गांव लाखूवास में 54 वर्षीय किसान का शव संदिग्ध हालत में उसके ही खेत में पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची सोहना सिटी थाना पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। जानकारी के अनुसार गांव लाखूवास निवासी बलबीर पुत्र रामेश्वर शुक्रवार शाम छह बजे अपने घर से बाइक लेकर बाजार गया था। जो देर रात तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने काफी तलाश किया। शनिवार सुबह चार बजे बलबीर का शव खून से लथपथ उसके अपने ही ज्वार के खेत में पड़ा मिला। शव को मृतक की पत्नी ने देखा। बलबीर की पत्नी ने शोर मचाकर अपने बेटे को बुलाया। उसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मृतक के भतीजे राजू ने बताया कि बलबीर के कपड़े फटे हुए थे। उसका दायां पैर जला हुआ था। कानों से खून निकल रहा था। शरीर पर अन्य चोट के निशान थे। मामले की जांच कर रहे अधिकारी एएसआई महाबीर सिंह ने बताया कि मृतक की मौत का राज पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही खुलेगा। उन्होंने बताया कि अब तक की जांच में बलबीर की मौत अज्ञात वाहन की चपेट में आने से हुई है। जो पलवल-सोहना मार्ग पर चोटिल होने के बाद अपने घर को पैदल चल दिया था, लेकिन सड़क से घर नहीं पहुंच सका। जो रास्ते में ही खेत में गिर गया होगा।

ओलावृष्टि से सब्जी की खेती में नुकसान, मुआवजे की मांग

नूंह। नूंह जिले में शुक्रवार को देर शाम तेज हवा के साथ हुई रिम झिम बारिश में अचानक हुई ओलावृष्टि से किसानों की सब्जी की खेती में नुकसान हो गया। तेज हवा और ओलावृष्टि से कहीं पेड़ पौधे व सब्जी की खेती नष्ट हो गई तो कहीं पर मकान व दिवार गिरने की खबरें भी देखने को मिली। किसान, साजिद हुसैन, सरफुददीन, कुंदन लाल, पप्पी, रफीक व मुबीन ने बताया कि जिले के गांव अगोन, दोहा, पाठखोरी, बदोपुर, पथराली, कोलगांव, शाहपुर, अखनाका, सकरपुरी, कामेड़ा,भाकड़ोजी, बींवा, रीगड़, मुंडाका, पाटन, उदयपुरी, सायमीरबास, हसनपुर बिलोंडा आदि गावों में किसानों द्वारा उगाई गई मिर्च, प्याज, भिंडी, टमाटर, बेंगन जैसी सब्जी में भारी नुकसान हो गया। किसानों की मानें तो उनकी सब्जी की खेती में 70 प्रतिशत से अधिक नुकसान हो गया है।

डिजिटल तरीके से करेंगे योजनाओं का प्रचार : नवीन गोयल

सचिव नवीन गोयल।

गुरुग्राम। भारतीय जनता पार्टी के जिला सचिव नवीन गोयल ने कहा कि मोदी सरकार 2.0 के पहले साल के कार्यकाल में जितने काम हुए हैं, वे सभी ऐतिहासिक हुए हैं। इन्हें सदा याद किया जाएगा। सरकार के इन विकास कार्यों को डिजिटल तरीके से जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। व्यापक पैमाने पर प्रचार किया जाएगा। इसके लिए पार्टी के पदाधिकारियों की बैठक में मंथन किया गया।

जिला सचिव नवीन गोयल ने सरकार द्वारा इस साल में किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा है कि यह साल प्रभावशाली रहने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी रहा है। देश के हर व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का लाभ देना, बुनियादी ढांचा मजबूत करना और कई दशकों से लंबित मुद्दों के समाधान को अमलीजामा पहनाकर प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने माइल स्टोन खड़े कर दिए हैं। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, नागरिकता संशोधन कानून, सेना को बुलेट प्रुफ जैकेट, आत्मनिर्भर भारत अभियान, 20 लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज, अनुच्छेद 370 हटाना, तीन तलाक खत्म करने जैसे अभूतपूर्व कार्यों के साथ मोदी सरकार के 2.0 का एक साल बेमिसाल पूरा हुआ है। देश के गरीबों के लिए प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में 26 मार्च 2020 को पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा 1.70 लाख करोड़ रुपये के राहत पैकेज की घोषणा की गई है।

धूम्रपान न करने को लेकर दिलाई शपथ

गुरुग्राम। विश्व स्वास्थ्य संस्था के निर्देश पर प्रति वर्ष 31 मई को विश्व भर में तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर के लोगों को तम्बाकू के सेवन से होने वाली हानियों और जन-स्वास्थ्य पर होने वाले असर पर जानकारी दी जाती है। तम्बाकू का सेवन न करने के लिए उत्साहित किया जाता है।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सुधा सोसायटी साउथ सिटी गुरुग्राम के प्रेसिडेंट गोपाल कृष्ण भटनागर ने भी एक सराहनीय प्रयास किया। उन्होंने 101 गरीब परिवार जैसे रिक्शा वाला, कामगार, घर पर काम करने वाले मजदूर और कम आय वाले लोगों को प्रेरित कर के शपथ पत्र लिया, जिसमें उन्होंने आजीवन तम्बाकू की वस्तुओं का सेवन न करने की शपथ ली एवं अपने परिचितों व हितैषियों को भी ऐसा ना करने के लिए प्रोत्साहित करने का वादा लिया।

मोदी 2.0 के पहले साल में देश के विकास की लिखी गई है नई गाथा : सुधीर सिंगला

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की साख हुई मजबूत

कोरोना काल में सरकार ने किए हैं अनुकरणीय काम

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

विधायक सुधीर सिंगला।

भारतीय जनता पार्टी की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2.0 सरकार का एक साल पूरा होने पर गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि इस दौर में सरकार ने स्थानीय से लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक देश को मजबूती दी है। कोरोना महामारी से लड़ते हुए महान भारत में विकास की गाथा को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बखूबी लिखा है। गरीब, मजदूर, किसान तक को सरकार ने इस दौर में ना केवल संभाला, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में भी कदम उठाए हैं।

विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि अब पार्टी मोदी सरकार 2.0 की पहली वर्षगांठ पर कोरोना संक्रमण को लेकर जरूरी सोशल डिस्टेंसिंग और एमएचए के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। इसके अंतर्गत भाजपा ने 750 वर्जुअल रैलियां और 1000 वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस के आयोजित करने का निर्णय लिया है। वहीं पार्टी कार्यकर्ता इस दौरान संबंधित इलाकों में जनता के बीच जाकर फेस मास्क और हैंड सेनिटाइजर का भी वितरण करने का कार्य शुरू कर रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देश पर देशभर में 10 करोड़ घरों तक पहुंचेंगे। कार्यकर्ता दो समूहों में रहकर काम करेंगे। साथ ही कोरोना संक्रमण के कंटेनमेंट जोन, क्वारंटाइन सेंटर और सार्वजनिक जगहों पर जाने से बचेंगे। कार्यकर्ता हर बूथ पर वाट्सअप ग्रुप बनाकर लोगों को जोड़ेंगे। साथ ही कोरोना काल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा जो राहत और बचाव के प्रयास किए गए हैं, उनको लेकर भी जनता के बीच जाएगी।

वंचितों, शोषितों की सदा आवाज बने हैं पत्रकार : रमेश कुमार

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सभी पत्रकारों को दी बधाई

कलम के माध्यम से हमेशा समाज का उत्थान करने का आह्वान

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

भिवानी में कोरोना योद्धा पुलिसकर्मी सुरेंद्र कौशिक को सम्मानित करते एमडी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक मास्टर रमेश कुमार।

हिंदी पत्रकारिता दिवस पर सभी पत्रकारों को बधाई देते हुए एमडी पब्लिक स्कूल बैंक कॉलोनी के प्रबंधक रमेश कुमार ने कहा कि चाहे कोई भी दौर रहा हो, पत्रकार और उनकी पत्रकारिता सदा वंचितों, शोषितों की आवाज बनकर गूंजी है और उन्हें न्याय दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। पत्रकारिता का धर्म निभाते हुए हर पत्रकार अपने आप में एक संस्था है। आज कोरोना काल में भी पत्रकार कोरोना वॉरियर की तरह अपने काम को अंजाम दे रहे हैं।

यहां विद्यालय परिसर में पुलिसकर्मी सुरेंद्र कौशिक को कोरोना योद्धा के रूप में सम्मान देते हुए मास्टर रमेश कुमार ने यह बात कही। इस मौके पर वुशू कोच सोमबीर शर्मा, मा. देवेंद्र शर्मा व मा. कर्मबीर कौशिक ने जवान सुरेंद्र कौशिक को बधाई दी तथा अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाने को प्रेरित किया। मास्टर रमेश कुमार ने आगे कहा कि पत्रकारिता बहुत ही जिम्मेदारी का काम है। यह कह सकते हैं कि इसके लिए विशेष तौर पर व्यक्ति और व्यक्तित्व की रचना होती है। पत्रकार को एक समय में कई तरह की सोच को खुद में विकसित करना होता है।

पत्रकार बहुत अच्छा समाजसेवक भी होता है तो पत्रकार बहुत अच्छा शिक्षक भी। मतलब पत्रकार की कलम हर क्षेत्र में रोज नई सीख देती है। यह समाज पर निर्भर है कि वे किस तरह से उसे देखते और ग्रहण करते हैं।

मास्टर रमेश कुमार ने पत्रकारिता के इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 30 मई 1826 से पहले हिंदी भाषा के समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का प्रकाशन पंडित जुगल किशोर द्वारा कलकत्ता से इसका साप्ताहिक प्रकाशन शुरू किया था। वे खुद ही इसके प्रकाशक और संपादक रहे। इसलिए इस दिन को हिंदी पत्रकारिता दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता विश्व की उन गिनी चुनी पत्रकारिता में से एक है, जिसमें सरकार न्यायपालिका और आमजन के बीच एक मजबूत पुल का काम किया है। भारत में इस पत्रकारिता ने कलम के सिपाहियों ने सत्ता, शोषण, अपराध, अन्याय के खिलाफ जमकर आवाज उठाई है।

कभी आमजन की समस्याओं को सरकार, अफसरशाही को जगाने का काम किया है तो कभी आमजन में अधिकारों के प्रति जागरूक करने का काम किया है।

नूंह के मोहमदपुर तेड़ की पंचायत में बड़ा घोटाला, सीएम तक शिकायत

रास्तों को भी कागजों में दिखाया पक्का, जमीनी सतर पर रास्ते कच्चे

मोहम्मद मुस्तफा। नूंह

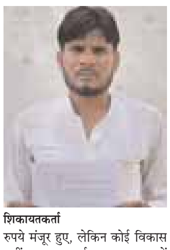
शिकायतकर्ता

प्रदेश के पिछड़े जिलों में सुमार नूंह जिले में सरपंचों द्वारा कराए जा रहे विकास कार्यों में लगातार घोटाले की शिकायतें सामने आ रही हैं। जिसके चलते गांवों में सरकार द्वारा दी जा रही राशि से विकास नहीं हो पा रहा है। ताजा मामला पुन्हाना के मोहमदपुर तेड़ गांव से सामने आया है, जहां पर ग्रामीणों ने सरपंच पर करोड़ों रुपये हड़पने का आरोप लगाया है।

ग्रामीणों का आरोप है कि उनके गांव में वर्ष 2016-17 में जीएपी स्कीम के तहत 14,08,998 लाख रुपये मंजूर हुए, लेकिन कोई विकास नहीं हुआ, वर्ष 2017-18 में 13,15,392 लाख रुपये मिले, लेकिन विकास नहीं। वर्ष 2018-19 में 15,60,596 लाख, कब्रिस्तान के लिए 5,80,000 लाख रुपये, वर्ष 2018-19 में मनरेगा के लिए 8,72,596 रुपये, श्मशान घाट के लिए 4,80,000 लाख रुपये, गांव के दो रास्तों के लिए 18,13,752 लाख की राशि मंजूर की गई। आरोप है कि सरपंच द्वारा धनराशि में से गांव के विकास में एक भी पैसा खर्च नहीं हुआ। सरपंच ने कागजों में तो इस तमाम राशि का विकास दिखाकर खानापूर्ति की हुई है, लेकिन जमीनी सतर पर कुछ नहीं। आरोप है कि सरपंच ने इसी तरह गांव के लिए मंजूर हुई करीब करोड़ों रुपये की राशि को खुर्द बुर्द किया है। शिकायतकर्ता साकिर पुत्र जुहरु ने बताया कि गांव में मनीषा खान सरपंच है, लेकिन पंचायत के हर काम को रासिद खान देखता है। जिसने विकास कार्यों में जमकर घोटाला किया है। शिकायतकर्ता ने मामले की शिकायत बीडीपीओ, एसडीएम पुन्हाना, डीडीपीओ, डीसी नूंह, हरियाणा विजीलेंस व सीएम से तक पहुंचाकर मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि उनके गांव का विकास हो सके।

कोरोना विस्फोट : एक दिन में 38 पॉजिटिवों से आंकड़ा 345 पर पहुंचा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में एक दिन में कोरोना के 38 मरीज सामने आने से जिले में दहशत का माहौल पैदा हो गया है। इसका सबसे अधिक असर सेक्टर-55, सेक्टर-तीन, सेक्टर-35 की एक सोसायटी में देखने को मिला। यहां एक ही परिवार के तीन से चार सदस्य पॉजिटिव पाए गए है। वहीं दूसरी तरफ राहत की बात यह है कि कोरोना पॉजिटिवों में 153 ठीक होकर घर लौट चुके है।

यहां से हैं पॉजिटिव

पॉजिटिवों में संजय कालोनी से 28 वर्षीय व्यक्ति, पर्वतीया कालोनी से 28 वर्षीय युवती, डबुआ कालोनी से 34 वर्षीय महिला, आरक्यू स्कूल कालोनी से 43 वर्षीय महिला, सेहतपुर कालोनी से 39 वर्षीय व्यक्ति और उसका 15 वर्षीय बेटा पॉजिटिव है। पॉजिटिव व्यक्ति बीके रिपोर्ट लेने आया था। जहां से उसे अस्पताल भेजा गया। भगत सिंह कालोनी से 34 वर्षीय व्यक्ति, डबुआ कालोनी से 45 वर्षीय व्यक्ति, संजय कालोनी से 32 वर्षीय महिला, डबुआ कालोनी से 48 वर्षीय महिला, सेक्टर-तीन बल्लभगढ़ से चार लोग है, जिसमें एक परिवार के तीन सदस्य शामिल है। जिसमें 18 वर्षीय किशोरी और 39 वर्षीय महिला को होमआईसोलेट किया गया।

18 वर्षीय किशोरी और 45 वर्षीय व्यक्ति शामिल है। सेक्टर-सात डी से 53 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर-30 से 23 वर्षीय महिला, सेक्टर-37 अशोका इंक्ललेव से 48 वर्षीय व्यक्ति, सेक्टर-55 से एक ही परिवार से 40 वर्षीय महिला, नौ साल का बच्चा और 76 वर्षीया व्यक्ति है। मच्छगर गांव से 28 वर्षीय महिला, सेक्टर- 35 स्थित गुलमोहर सोसायटी से 3 लोगों में 65 वर्षीय महिला, छह वर्षीय की बच्ची और 38 वर्षीय व्यक्ति हैं। सेक्टर-17 स्थित पालम नगर सिटी से 27 वर्षीय व्यक्ति, 16 वर्षीय किशोरी, कल्याणपुरी से 34 वर्षीय महिला, संजय कालोनी से 23 वर्षीय व्यक्ति, जवाहर कालोनी नंगला रोड़ से 31 वर्षीय महिला, सेक्टर-29 स्थित भविष्या निधि इंनकेलव से 40 वर्षीय व्यक्ति, बसेलवा कालोनी से 22 वर्षीय युवक, झाडसैतली से 23 वर्षीय व्यक्ति, सरस्वती कालोनी से 52 वर्षीय व्यक्ति, दयालनगर से आठ वर्षीय बच्ची, तिलपत से 29 वर्षीय युवक, सेक्टर-25 बाबू कालोनी से 18 वर्षीय युवक, सेक्टर-29 बसेलवा कालोनी से 15 वर्षीय किशोरी और नचौली से 40 वर्षीय व्यक्ति शामिल है। इनमें से कुछ को होमआईसोलेट किया गया है तो कुछ को ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया है।

ये हैं आंकड़े

जिला नोडल अधिकारी डॉ. रामभगत ने बताया कि जिला में अब तक 11778 यात्रियों को सर्विलांस पर लिया जा चुका है, जिनमें से 3932 लोगों का निगरानी में रखने का 28 दिन का पीरियड पूरा हो चुका है। शेष 7838 लोग अंडर सर्विलांस हैं। कुल सर्विलांस में रखे गए लोगों में से 11433 होम आइसोलेशन पर हैं। अब तक 11911 लोगों के सैंपल लैब में भेजे गए थे, जिनमें से 10859 की नेगेटिव रिपोर्ट मिली है तथा 707 की रिपोर्ट आनी शेष है। अब तक 345 लोगों के सैंपल पॉजिटिव मिले हैं, जिनमें से 129 लोगों को अस्पताल में दाखिल किया गया है तथा 55 पॉजिटिव मरीजों को घर पर आइसोलेट किया गया है। इसी प्रकार ठीक होने के बाद 153 मरीजों को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अब तक आठ मरीजों की मौत हो चुकी है जिसमें कोरोना के साथ-साथ अन्य विभिन्न बीमारियां भी कारण रही।

डीएम के दौरे की सूचना पर जागा स्वास्थ्य विभाग

कविता। फरीदाबाद

जिला स्वास्थ्य विभाग के द्वारा सोशल डिस्टेंस की लगातार धज्जियां कोविड-19 जांच प्रयोगशाला में उड़ाई जा रही थी। लेकिन शनिवार को उपायुक्त के आने की सूचना पर अस्पताल में सोशल डिस्टेंस के साथ-साथ साफ सफाई तक करवा दी गई थी। वहीं कुछ दूरी पर खड़े लोगों को लम्बी लाइनों में लगाने के आदेश जारी कर दिए गए।

स्वास्थ्य अधिकारियों के निर्देश पर हेल्थ कर्मचारियों ने अपनी जान की परवाह न करते हुए उनके निर्देशों का पालन किया। इस दौरान कर्मचारियों को पीपीई किट तक उपलब्ध नहीं कराई गई। जबकि कई मरीज बीके अस्पताल से ही पॉजिटिव सामने आ रहे है।

पहले का हाल

कुछ दिनों पहले तक प्रयोगशाला के बाहर भीड़ लगी रहती थी। जहां सोशल डिस्टेंसिंग का पालन न के बराबर हो रहा था। वहीं यहां प्रयोगशाला के आसपास यूज किये हुए दस्ताने और मास्क जगह-जगह बिखरे पड़े हुए थे। जिस कारण यहां कोविड-19 का खतरा बढ़ रहा था। वहीं अस्पताल के अंदर अपाताकलीन कक्ष में भी सोशल डिस्टेंस की धज्जियां लगातार उड़ाई जा रही थी। पायनियर की तरफ से पिछले दिनों दिनों इन खबरों को प्रमुखता के साथ प्रकाशित गया था। लेकिन उसके बाद भी हालात जस के तस रहे।

शनिवार को बदली हालत

डीएम यशपाल यादव के आने की सूचना पर कोविड-19 ओपीडी, जांच प्रयोगशाला, बीके अस्पताल के अपातकालीन और ओपीडी में सोशल डिस्टेंस का पालन सुबह से ही शुरू करवा दिया गया।

लेकिन इस दौरान अधिकारियों के निर्देशों पर प्रयोगशाला में मरीजों की लम्बी लाइने लगवा रहे कर्मचारियों को न तो उनकी सुरक्षा हेतु पीपीई किट उपलब्ध कराई गई और न ही अन्य सामग्री। ऐसा ही अपातकालीन कक्ष में देखा गया। वहां भी सभी मरीजों के तीमारदारों को बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। ताकि अपातकालीन कक्ष में भीड़ न लगे।

केजीपी पर ट्राला की टक्कर से एक व्यक्ति की मौत

फरीदाबाद। केजीपी पर गांव फज्जूपुरा के पास शनिवार सुबह एक ट्राला की चपेट में आकर एक अन्य ट्राला के क्लीनर की मौत हो गई। घटना के दौरान मृतक व्यक्ति अपने ट्राला के पंचर टायर को बदलने का प्रयास कर रहा था। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरू कर दी। शव पोस्टमॉर्टम के लिए बीके अस्पताल भेज दिया है।

थाना छांयसा पुलिस के मुताबिक मूलरूप से मेवात के मेहरवाड़ी गांव का रहने वाला आबिद एक ट्रांसपोर्ट कंपनी के ट्राला पर क्लीनर लगा हुआ है। शनिवार सुबह वह ट्राला में सामान भरकर केजीपी के रास्ते नोएडा की ओर जा रहे थे। फज्जूपुर गांव के निकट ट्राला का टायर पंचर हो गया। जिस पर ट्राला को साइड में कर क्लीनर आबिद ट्रायर को बदल रहा था। आरोप है कि तभी पीछे से आ रहे ट्राला ने रोड पर टायर बदल रहे आबिद को कुचल दिया। हादसे को अंजाम देने के बाद आरोपी ड्राइवर फरार हो गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है।

महिलाओं ने किया शराब के ठेके खुलने का विरोध

नारेबाजी के बाद सरपंच को सौंपा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

ग्राम ताजूपुर की महिलाओं ने शनिवार को शराब के ठेके को बंद करवाने के लिए नारेबाजी शुरू करते हुए गांव के सरपंच को ज्ञापन सौपा। उन्होंने बताया कि गांव में पहले ही शराब पीकर अक्सर घरेलू हिंसा की घटनाएं आ रही है व महिलाओं व बच्चों पर अत्याचार किया जा रहा है। गांव की सीमा पर ही 27 मई की रात को शराब का एक ठेका खोल दिया गया है।

पहले भी गांव में शराब के ठेके खोलने का प्रयास किया गया। लेकिन इसके बाद रातों रात यह ठेका खोल दिया गया। इस ठेके की वजह से हमें बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जिस मार्ग पर यह ठेका है वह गांव का मुख्य रास्ता है। यहां से महिलाओं और बच्चियां गुजरती है, क्योंकि इसी मार्ग पर बच्चियों का स्कूल है। वहां शराब पीकर छेड़छाड़ और टीका टिप्पणी होती रहती है।

हमारा जीना मुश्किल हो गया है और हमारे घर के पुरूष हमारे जेवर व जमीन सब बेचकर शराब के आदी हो रहे है। इन बच्चों और गांव की सभी महिलाओं का भविष्य को देखते हुए यह शराब का ठेका यहां से बंद करवाया जाए।

एटीएम मशीन लूटने का असफल प्रयास

फरीदाबाद। बल्लभगढ़ के फतेहपुर बिल्लौच गांव में स्थित एक मकान के सामने लगी एटीएम को बीती रात को बदमाशों ने उखाड़ कर ले जाने का प्रयास किया। लेकिन बदमाश अपने इरादों में कामयाब नहीं हो पाए। ग्रामीणों इस मामले की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर दी। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक थाना सदर बल्लभगढ़ क्षेत्र के गांव फतेहपुर बिल्लौच में एक मकान के सामने निजी बैंक का एटीएम लगा हुआ है। रात को किसी समय बदमाशों ने एटीएम बूथ का शटर उखाड़ कर मशीन को तोड़ने का प्रयास किया। लेकिन वे इसमें कामयाब नहीं हो सके। शनिवार सुबह गांव के लोगों ने एटीएम का शटर उखडा देखा तो पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम पहुंच गई। पुलिस ने जांच में पाया कि एटीएम पूरी तरह से सुरक्षित है। माना जा रहा है कि आसपास के लोगों के जाग जाने या किसी के आने पर बदमाश एटीएम को छोड़कर फरार हो गए। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह ने बताया बदमाशों ने शटर तोड़कर एटीएम मशीन को उखाड़ कर ले जाने का प्रयास किया।

एक जून से अदालत को भी खोला जाए : वशिष्ठ

फरीदाबाद। लांकडाउन के चलते सभी अधिवक्ता बेरोजगार हो कर रह गए हैं घरों में दो महीने से रहने के लिए मजबूर हैं। लांकडाउन से अदालतों में वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग से अदालते चल रही है। इससे अधिकतर वकीलो के लिए गम्भीर समस्या उत्पन्न हो गई है। बार काउंसिल के पूर्व मनोनीत सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने प्रधान न्यायाधीश से मांग की कि सभी वकीलों के पास टेली कॉन्फ्रैंसिंग ईमेल व्हटसेप वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग की सुविधा नहीं है। सामान्य तौर पर विकासित देशों में ऐसा होता है लेकिन भारत देश में फ़िलहाल होना मुश्किल है। वशिष्ठ ने कहा कि जब तक वकील अत्याधुनिक सुविधाओं से संपन्न नहीं हो जाते अदालतों में परंपरागत तरीक़े से ही मामले की सुनवाई होनी चाहिए। लांकडाउन की वजह से ज़्यादातर वकील आर्थिक रूप से कमजोर हो गए हैं।

ट्रक चालकों को बताए कोरोना से बचाव का तरीका

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दीपक गुप्ता के दिशा निर्देशों अनुसार व मंगलेश कुमार चौबे मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद की देखरेख में प्राधिकरण कोरोना महामारी के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान चलाया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने पैनल एडवोकेट्स, पैरा लीगल वालंटियर के माध्यम से यह जानकारी जन जन तक पहुंचाने का काम किया। प्राधिकरण के पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता, राजेंद्र गौतम, रामवीर तंवर, ओम प्रकाश सैनी व शिव कुमार द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 58 में एक कानूनी जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस शिविर में ट्रांसपोर्ट नगर में गाड़ियों के ड्राइवरों, कंडक्टर, हेल्पर व गाड़ी मालिकों को कोरोना से बचाव के नियमों से अवगत कराया। सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में बताया कि इसे अपनाने से किसी हद तक कोरोना से बचा जा सकता है। मास्को का डिस्ट्रीब्यूशन करते हुए रविंद्र गुप्ता पैनल एडवोकेट ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को घर व बाहर मास्क या गमछे का प्रयोग करना चाहिए।

स्कूल द्वारा कराई गई कोविड-19 पेंटिंग प्रतियोगिता

देश विदेश के बच्चों ने लिया हिस्सा, आई 318 पेंटिंग

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

एलायंस क्लब इंटरनेशनल द्वारा एलायंस इंटरनेशनल पेंटिंग प्रतियोगिता कोविड-19 का आयोजन किया गया। यह संस्था एक विश्वव्यापी सामाजिक संगठन है। छह से 12 वर्ष की आयुवर्ग के बच्चों के लिए इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कोविड-19 संबंधित विषयों पर कारण, सुरक्षा उपाय, सरकार की भूमिका, डॉक्टरों, अस्पतालों, स्थानीय प्रशासन, पुलिस, सामाजिक संगठनों और नागरिक के रूप में व्यक्तिगत विषय पर दिया गया था। इसमें देश व विदेश के सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया। इस दौरान 318 पेंटिंग भारतीय उन्नीस राज्यों सहित 17 अन्य देशों से मिली। जिसमें ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, मलेशिया, कनाडा, बांग्लादेश, अमेरिका, थाईलैंड, बुल्गारिया, यूएई, पाकिस्तान, नॉवेज, जापान, तुर्कीज, दक्षिण अफ्रीका, फिलीपींस और सिंगापुर हैं और भारत के राज्य तमिलनाडु, यूपी, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, असम, झारखंड, राजस्थान, तेलंगाना, त्रिपुरा, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, मध्य प्रदेश, बिहार और उडिसा हैं। यह जानकारी सेक्टर-16ए में रहने वाले संस्था के इंटरनेशनल वाइज प्रेजीडेंट कृष्ण गोपाल अग्रवाल ने दी है। उन्होंने ही इस प्रतियोगिता का पूरा प्रबंध किया था। उन्होंने बताया कि बच्चों और उनके माता-पिता ने इस प्रतियोगिता में पूरी दिलचस्पी ली।

संक्षिप्त समाचार

समाजसेवी बांट रहे राशन

फरीदाबाद। जीवन नगर गौच्छी निवासी समाजसेवी मनोज यशवत लॉकडाउन के पहले दिन से ही लोगों को राशन बांट रहे है। समाजसेवी मनोज यशवत ने बताया कि वह गत 23 मार्च से 30 मई तक 500 से 600 लोगों को बांटा खाना और करीब 500 लोगों को राशन किट उपलब्ध करवा चुके है। उन्होंने कहा कि वह बीए प्लस एलएलबी एमडी यूर्निवर्सिटी से कर रहे है। दिहाड़ी पर मजदूरी काम भी करते हैं। जिस कारण मुझे लोगों की परेशानी पता है। उन्होंने कहा कि मैं खुद दिहाड़ीदारों मजदूरों को राशन और भोजन बांट रहा हूं। 45 हजार रुपये खर्च हो चुके है। पांच हजार अभी बचे है, अब हिसाब से खर्च करूंगा। लॉकडाउन 2.0 तक बड़े भाई राजेश डागर ने साथ दिया। लेकिन उसके बाद दो लॉकडाउनों में खुद ही भोजन बांटा। मां झाड़ू पौछे का काम करती है। भाई की लेबरचौक पर साईकल पंचर की दुकान है। मुझे समाज सेवा करना पसंद है। जिस पर मैं लगातार ऐसा 24 घंटे काम कर रहा हूं। आगे भी लॉकडाउन बढ़ा तो मैं जनता की हर संभव मदद करने के लिए तैयार रहूंगा।

बरसात के कारण शहर की ज्यादातर सड़कें जलमग्न

फरीदाबाद। गत शुक्रवार की देर रात हुई बरसात से शनिवार को जहां पुरे दिन मौसत सुहाना और धूप खिली रही। वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर पानी भरा हुआ मिला। शहर के हर चौक चौहारे की सड़को पर जगह जगह बरसात का पानी जमा होने के कारण शहर में लॉकडाउन के दौरान नगर निगम के सफाई के दावों की पोल खोलकर रख दी। जानकारी के मुताबिक बरसात के समय कच्ची कालोनियों में जलभराव होना अब आम बात हो गई है। लेकिन शहर के सेक्टरों में बरसात के पानी की निकासी उचित नही है। सड़कों पर भरा बरसात का पानी और पानी में छुप्पें गढ्ढें दिखाई न देने के कारण लोग उनमें गिरकर घायल हो गए। शनिवार को लोगों को अनेकों कठनाईयों से जुझना पड़ा। वही दूसरी तरफ बरसात के कारण से जगह जगह लंबे बिजली कट से भी लोगों को परेशानियों का सामना करने को मजबूर होना पड़ा।

आज होगी ऑनलाइन मिटिंग

फरीदाबाद। हरियाणा अभिभावक एकता मंच रविवार को प्राइवेट स्कूलों के अभिभावकों से वीडियो कांफ्रेंस के द्वारा ऑनलाइन मीटिंग करेगा। इस मीटिंग में हिस्सा लेने के लिए 15 स्कूलों के 81 अभिभावकों ने अपनी सहमति प्रदान की है। मंच के जिला सचिव डॉ. मनोज शर्मा ने बताया कि जिन अभिभावकों ने प्राइवेट स्कूल की मन मानिओ की शिकायत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री अतिरिक्त मुख्य सचिव, चेयरमैन एफएफआरसी, डीसी, डीईओ से की है मंच उनकी समस्याएं सुनेगा और उन्हें मंच द्वारा की जा रही कार्रवाई की जानकारी प्रदान करेगा।

सेक्टरवासी परेशान

फरीदाबाद। सेक्टर 21ए में कई दिनों से लग रहे पावरकट और हो रहे ट्रांसमिशन फॉल्ट से सेक्टर वासियों के दिन के चैन और रात की नींद हराम हो गई है। सेक्टर 21-ए की डब्ल्यूसीआरए के प्रधान हर्ष खट्टर, उप प्रधान सुभाष शर्मा, पैटर्न गजराज नगर, आदि पदाधिकारियों ने बताया कि हमारे व्हाट्सएप ग्रुप मेरा सेक्टर-मेरी शान में लगातार सेक्टर वासियों की बिजली शिकायतें सुन रहे हैं।

कर्मचारियों को बताए कोविड-19 से बचाव के उपाय

फरीदाबाद। शहर के बीके सिविल अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों को ठेकेदारों ने खुद ही कोविड-19 से बचाव के उपाय बताए। उनका कहना है कि अस्पताल से ही मरीज निकलकर सामने आ रहे है। ऐसे में उन्हें अपना बचाव खुद ही करना होगा।

इसके लिए उन्होंने बताया कि मुंह पर मास्क और हाथ में हमेशा सैनिटाइजर रखना है। इस मौके पर सुपरवाइजर किरण ने उन्हें बताया कि वह किस तरह से कोविड-19 के मरीजों से अपना बचाव कर सकते है। वहीं उन्हें एक ही स्थान पर एकत्रित होकर खड़े होने से भी बचने का संदेश दिया गया। मरीजों से करीब एक फीट तक दूरी बनाकर रखने को कहा गया।

शोध की गुणवत्ता तथा इनोवेशन पर देना होगा ध्यान: डॉ. रंजना

'स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीकः अनुप्रयोग' विषय पर पांच दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए चौक स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कैमिस्ट्री विभाग द्वारा 'स्पेक्ट्रोस्कोपिक और विश्लेषणात्मक तकनीक: अनुप्रयोग' विषय पर आयोजित पांच दिवसीय आनलाइन फैकल्टी डेवलेपमेंट कार्यक्रम संपन्न हो गया। कार्यक्रम का आयोजन गुरु अंगद देव शिक्षण अध्ययन केंद्र, दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन सत्र में वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद् के राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं विकास अध्ययन संस्थान (सीएसआईआर-एनआईएसटीएडीएस), नई दिल्ली की निदेशक डॉ. रंजना अग्रवाल मुख्य वक्ता रही। इस अवसर पर डीन, मानविकी एवं विज्ञान डॉ. राज कुमार, विभागाध्यक्ष डॉ. रवि कुमार तथा कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग भी उपस्थित थे। सत्र को आईआईटी कानपुर से डॉ. प्रतीक सेन तथा आईआईटी मंडी से डॉ. प्रदीप कुमार ने भी संबोधित किया।

निजीकरण संशोधन बिल से आम उपभोक्ताओं को होगी दिक्कत

कर्मचारी विरोधी बिजली निजीकरण संशोधन बिल 22 के खिलाफ 1 जून को काला दिवस मनाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा ने कहा कि अगर बिजली का निजीकरण हुआ तो बिजली की दरों में भारी बढ़ोतरी होगी। सब्सिडी व क्रास सब्सिडी खत्म हो जाएगी और बिजली किसानों व घरेलू उपभोक्ताओं की पहुंच से बाहर हो जाएगी। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर किसानों, घरेलू उपभोक्ताओं व कर्मचारी विरोधी बिजली निजीकरण संशोधन बिल 2020 के खिलाफ 1 जून को काला दिवस मनाएंगे। उन्होंने यह आह्वान शनिवार को सेक्टर-7 में जिला कार्यालय में आयोजित आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन की एनआईटी यूनिट कार्यकारिणी की मीटिंग में बोलते हुए किया। यूनिट प्रधान भूपसिंह कौशिक की अध्यक्षता में आयोजित इस मीटिंग में यूनिट एवं सब यूनिटों के पदाधिकारियों ने भाग लिया।

यूनिट सचिव गिरीश राजपूत द्वारा संचालित इस मीटिंग में 1 जून को बिजली कर्मचारी काली पट्टी / काले बिल्ले लगाकर सर्कल की सभी सब डिवीजन स्तर पर काले बिल्ले लगाकर प्रदर्शन करने का फैसला लिया गया है। मीटिंग में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा व सर्कल सचिव अशोक कुमार मौजूद थे। मीटिंग में सभी सब डिवीजनों में यूनिट कमेटी के पदाधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई। मीटिंग में सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर 4 जून को ब्लाक व जिला मुख्यालय पर होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का निर्णय लिया गया।

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष एवं आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुभाष लांबा ने मीटिंग में बोलते हुए कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा बिजली वितरण के निजीकरण की घोषणा में कहा गया है कि नई टैरिफ नीति में सब्सिडी व क्रास सब्सिडी समाप्त कर दी जाएगी और किसी को भी लागत से कम मूल्य पर बिजली नहीं दी जाएगी। उन्होंने बताया कि अभी किसानों, गरीबी रेखा के नीचे और 500 यूनिट प्रति माह बिजली खर्च करने वाले उपभोक्ताओं को सब्सिडी मिलती है, जिसके चलते इन उपभोक्ताओं को लागत से कम मूल्य पर बिजली मिल रही है। अब नई नीति और निजीकरण के बाद सब्सिडी समाप्त होने से स्वाभाविक तौर पर इन उपभोक्ताओं के लिए बिजली महंगी होगी।

छह वर्षों में बढ़ा देश का आत्मविश्वास

विकास का मोदी मॉडल एकीकृत व समग्र विकास के सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे में आर्थिक नीतियों में सुधार और अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता में भारत के प्राकृतिक संसाधन, मानव संसाधन, प्रतिभा और संभावना के अनुसार नीतियों का निर्माण व क्रियान्वयन आवश्यक था।

हरीशचंद्र श्रीवास्तव
(लेखक सामाजिक-राजनीतिक विश्लेषक हैं)

26 मई, 2014 को जब नरेन्द्र दामोदर दास मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी तो जहां देश का बड़ा वर्ग आशान्वित हुआ था, वहीं एक छोटा वर्ग ऐसा भी था, जिसने शंका—आशंका और भ्रम का वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया। जनता ने प्रचंड बहुमत से भारतीय जनता पार्टी की सरकार और नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाया था। भाजपा की यह प्रचंड विजय स्पष्ट संकेत था कि कांग्रेस सरकार के नकारेपन, कुशासन, भ्रष्टाचार, परिवारवाद, महंगाई, अर्थव्यवस्था की बुरी स्थिति, उपेक्षित होती रही देश की रक्षा शक्ति और कमजोर नीतियों के कारण पड़ोसी देशों की रोज—रोज की घुड़की से देश की जनता हताश व निराश तो थी ही, साथ ही जनता को मोदी के नेतृत्व और भाजपा की नीतियों से बहुत आस थी और उसे यह विश्वास था कि जिस मोदी मॉडल ने गुजरात राज्य का कायापलट करके दिखाया है, उस माडल और वैसे ही नेतृत्व की आवश्यकता देश को है।

2014 से 2019 तक मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल में जनता की आशा विश्वास में रूपांतरित हो चुका था। 2019 में जनता ने मोदी जी को पिछली बार से प्रचंड बहुमत से विजय दिलायी। इस विश्वास का सबसे बड़ा प्रतिफल यह हुआ कि देश का आत्मविश्वास पुनः लौट आया। विशेषकर युवावर्ग की ऊर्जा और लक्ष्य आकार लेने लगा, उद्यमियों में एक विश्वास जगने लगा, बाजार आशान्वित हो उठे और लचर राजनीतिक नेतृत्व के कारण दशकों से जनमानस में बैठी नकारात्मकता दूर होकर सकारात्मकता की ऐसी कोंपल उगने लगी, जिसमें जनता ने प्रजा होने का भाव छोड़कर राष्ट्र के निर्माण, देश के विकास व सुदृढ़ता में अपनी प्रत्यक्ष भूमिका देखने और अनुभव करने लगी।

इन छह वर्षों में मोदी सरकार पर जनता का यह विश्वास यूं ही नहीं जमा। 60 वर्षों से जनता की भावना और जनजीवन से जुड़े जिन विषयों की उपेक्षा की गयी थी, जिन्हें सुलझाने के बजाय उलझाया गया था, ऐसे विषयों पर मोदी सरकार के प्रथम कार्यकाल के प्रथम दिवस से ही ठोस कार्य शुरू किया गया। राम मंदिर, अनुच्छेद 370, तीन तलाक ऐसे ही विषय थे, जो भारत की जनता की भावनाओं व कल्याण से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए थे, किंतु कांग्रेस की सरकारों ने वोटबैंक व तुष्टिकरण की राजनीति के चलते न केवल ठंडे बस्ते में ही डाला था, अपितु इनको इस प्रकार उलझा दिया था कि इसका समाधान असंभव लगने लगा था। वोटों की चिंता किये बिना मोदी सरकार ने दूसरे कार्यकाल के प्रारंभ में ही अनुच्छेद 370 हटाने का साहसी निर्णय लेकर कश्मीर का भारत के साथ पूर्ण एकीकरण किया, मुसलमान औरतों पर अत्याचार व अपराध करने वाले तीन तलाक की कुप्रथा को हटाया। मोदी सरकार ने राममंदिर के मार्ग में आने वाली बाधाएं दूर करने का पूर्ण मनोयोग से प्रयास किया और आज भव्य राममंदिर का निर्माण भी प्रारंभ हो चुका है।

विकास का मोदी मॉडल एकीकृत व समग्र विकास के सिद्धांत पर आधारित है। ऐसे में आर्थिक नीतियों में सुधार और अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता में भारत के प्राकृतिक संसाधन, मानव संसाधन, प्रतिभा और संभावना के अनुसार नीतियों का निर्माण व क्रियान्वयन आवश्यक था, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शासन का लक्ष्य बनाया। स्टार्ट अप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों की शुरुआत व सफलता इन्हीं लक्ष्यों की ओर बढ़ते हुए ऐसे बड़े कदम थे, जिससे देश की युवा शक्ति व उद्यम जगत में नई ऊर्जा का संचार हुआ।

स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 9 करोड़ से अधिक शौचालय का निर्माण कराना, स्वतंत्रता के बाद से अब अंधेरे में रहे 18000 गांवों तक ?बिजली पहुंचाना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, श्रमयोगी मानधन योजना, छोटे व्यापारियों को पेंशन, 34 करोड़ लोगों का जनधन खाता खुलवाना, 9 करोड़ महिलाओं को उज्जवला रसोई गैस, 13 करोड़ परिवारों को रसोई गैस कनेक्शन से जोड़ना, मुद्रा योजना, प्रत्येक घर में निःशुल्क बिजली कनेक्शन देने की सौभाग्य योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 47 लाख घरों में बिजली का कनेक्शन देना, केवल 1 रुपया प्रतिमाह के प्रीमियम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और 90 पैसे प्रतिदिन के प्रीमियम पर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के रूप में लगभग 21 करोड़ गरीब भाई-बहनों को बीमा सुरक्षा कवच प्रदान करना, देश के 50 करोड़ लोगों को पांच लाख रुपए तक की निश्शुल्क उपचार योजना आयुष्मान भारत, एक राष्ट्र एक राशनकार्ड, तमिलनाडु के मदुरै से लेकर जम्मू-कश्मीर के पुलवामा तक और गुजरात के राजकोट से लेकर असम के कामरूप तक नए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान 'एम्स' बनाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत देश के प्रत्येक व्यक्ति को मकान देना, अनुसूचित जनजाति व जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम को और सख्त बनाकर वंचित समुदाय को सामाजिक सुरक्षा देना, पिछड़ा वर्ग के उत्थान के लिए संवैधानिक पिछड़ा वर्ग आयोग बनाना, अनारक्षित जाति अर्थात के निर्धनों के लिये संविधान का 103वां संशोधन करके आरक्षण का प्रावधान करना आदि ऐसी जाने कितनी योजनाएं हैं, जिन्हें मोदी सरकार ने चलाया है। किंतु किसी भी देश में जब तक विकास और कल्याण की अवधारणा एकीकृत व समानांतर नहीं चलेगी, उस देश में विकास खोखला होगा।

ठोस विकास के लिये आवश्यक है कि देश की अर्थव्यवस्था और बाजार का विस्तार हो और देश की प्रतिभाओं को अवसर की प्रचुर उपलब्धता हो। इसीलिए जब प्रधानमंत्री मोदी जी ने मेक इन इंडिया कार्यक्रम का प्रारंभ किया तो उससे पूर्व कौशल विकास की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की और 7 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, 7 भारतीय प्रबंधन संस्थान, 14 त्रिपल आईटी, एक एनआईटी और 4 एनआईडी की स्थापना की पहल की। साथ ही मुद्रा योजना, स्टार्ट अप योजना और स्टैंड अप इंडिया योजना तैयार करके देश में उद्यमी तैयार करने की योजना पर तीव्र गति से आगे बढ़ी। मोदी सरकार बैंकों का विलय करके देश में ऐसी विश्वस्तरीय बैंकिंग प्रणाली की स्थापना के लक्ष्य पर आगे बढ़ रही हैं, जहां भारत के बैंकर विश्व के वित्त पोषण, परामर्श व प्रबंधन का नेतृत्व करें।

मोदी सरकार प्रथम व द्वितीय के छह वर्ष के कार्यकाल में इन योजनाओं का परिणाम दिखने लगा। देश के युवाओं, उद्यमियों, प्रतिभाओं को यह स्पष्ट दिखने लगा कि भारत अब संभावनाओं का देश बन चुका है। बीते छह वर्ष में भारत ब्रिटेन, फ्रांस जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। अब भारत मोबाइल फोन बनाने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश बन गया है। मेक इन इंडिया के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में एशिया के सबसे बड़े मेडटेक जोन की स्थापना हो रही है और भारत को विश्व का रक्षा उत्पादन व विनिर्माण केंद्र बनाने के लिये तमिलनाडु व उत्तर प्रदेश में रक्षा कोरीडोर बनाने का काम तेजी से चल रहा है। देश का चित्र बदलने वाले मोदी सरकार के इतने कार्य हैं कि उन सबके विषय में लिखा जाए तो पुस्तक लिखनी पड़ेगी।

जिस देश को कांग्रेस की सरकार ने खोखला बना दिया था, मोदी सरकार ने 2014 से 2019 के बीच देश को ठोस बनाने और भविष्य का भारत तैयार करने इन दोनों ?मोर्चों पर एकसाथ काम किया, जिसका परिणाम हमारे सामने है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के 12 माह की रिपोर्ट कार्ड देखें तो इसमें भारत को आत्मनिर्भर बनाने की योजना से लेकर जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 और तीन तलाक को समाप्त करने तथा नागरिकता संशोधन कानून सीएए पारित करने की उपलब्धियां हैं। सड़क सुरक्षा, आतंकवाद पर लगाम और बैंकों के विलय जैसे कई ऐतिहासिक और साहसिक फैसले भी मोदी सरकार द्वारा लिये गये। इसके अतिरिक्त किसानों की दशा और दिशा को बेहतर बनाने के लिए कृषि क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण बदलाव के निर्णय भी लिये गये।

इस वर्ष के प्रारंभ होते ही विश्व कोरोना महामारी की चपेट में आ गया और भारत भी इससे प्रभावित हुआ है। किंतु इस महामारी से निपटने में जिस कौशल व प्रभावशीलता का परिचय मोदी सरकार ने दिया है, वह उल्लेखनीय है और पूरा विश्व प्रधानमंत्री मोदी की प्रंशसा कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने भविष्य के भारत को आकार देने की गति और तेज करते हुए इस महामारी को अवसर में लिया है और इस महामारी से निपटने में विश्व का नेतृत्व करने के साथ ही भारत को आत्मनिर्भर बनाने का वो लक्ष्य निश्चित किया है, जो 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को पूरा करने के साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति बनाने तथा देशवासियों को सशक्त करने की दिशा में ले जायेगा। कोरोना महामारी से अर्थव्यवस्था पर पड़े प्रभाव से निपटने और अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में 20 लाख करोड़ के पैकेज की घोषणा करते हुए आत्मनिर्भर भारत अभियान की भी शुरुआत की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी भारत की हो, ये हम सबका सपना ही नहीं जिम्मेदारी भी है। इसके लिए आत्मनिर्भरता के रास्ते पर चलना होगा। सरकार ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भूमि, श्रम, तरलता के साथ अर्थव्यवस्था, अवसंरचना, पद्धति और जनसंख्या के पांच स्तंभ चिह्नित किए हैं, जिन पर आत्मनिर्भर भारत का भव्य प्रासाद तैयार होगा। आत्मनिर्भरता स्वदेशी वस्तुओं और विश्व के बाजार में भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता बनने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य प्राप्त करेगा। यही कारण है कि इस पैकेज में मोदी सरकार ने कुटीर उद्योग, लघु उद्योग, मंझले उद्योग और किसान पर विशेष रूप से फोकस किया है।

कुल मिलाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सकारात्मक रूप से रूपांतरित हो रहा है, बढ़ रहा है और सशक्तिकरण की राह पर अग्रसर है। यह सशक्तिकरण सामाजिक भी है, आर्थिक भी है और सामरिक भी। एक ओर नये भारत ने सीमा पार आतंकियों के ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक करके तथा सीमा पर शत्रु देशों को मुंहतोड़ जवाब देकर अपनी 'नई नीति और नई रीति' का परिचय दे दिया है तो दूसरी ओर देश के भीतर आतंकवाद, नक्सलवाद, भ्रष्टाचार, आर्थिक अपराध पर कठोर कार्रवाई करके स्पष्ट कर दिया है कि भारत अब केवल आगे बढ़ेगा। पिछले ही वर्ष भारत उन चुनिंदा देशों की पंक्ति में शामिल हुआ है जिनके पास परमाणु त्रिकोण की क्षमता है।

कुल मिलाकर मोदी सरकार के छह साल और विशेषकर दूसरे कार्यकाल यह एक वर्ष भारत के उस भविष्य की ओर संकेत करता है, जो विश्व का अगुवा होगा, सशक्त होगा, सबल होगा और समृद्ध होगा।

भारत में कृषि सुधारों की प्रभावशीलता

सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए अनेक सुधारों की घोषणा की है। लेकिन उसे अमेरिका के उदाहरण से सबक लेना चाहिए जहां द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद किए ऐसे सुधारों के नकारात्मक नतीजे सामने आए थे।

इंद्रशेखर सिंह
लेखक भारतीय राष्ट्रीय बीज संघ के निदेशक हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कृषि क्षेत्र के लिए 8.4 लाख करोड़ के स्टीमुलस पैकेज की घोषणा की है जो एमएसएमई को कर्ज गारंटी, किसानों की भंडारण क्षमता बढ़ाने तथा इस क्षेत्र को बिजनेस के लिए खोलने के माध्यम से आर्थिक 'हरित क्रान्ति' चाहती हैं। सरकार ग्रामीण बैंकिंग नेटवर्क को मजबूत कर अतिरिक्त कर्ज देने वा किसानों की आय दूनी करने का प्रयास कर रही हैं। नीति आयोग की एक रिपोर्ट संभवतः वित्त मंत्री की घोषणाओं का आधार है। इसमें जमीनी स्तर पर ढांचे में सुधार करने, एपीएमसी को समाप्त करने तथा किसानों को सीधे या ठेका खेती के माध्यम से कृषि-बिजनेस से जोड़ने का सुझाव दिया गया है।

नीति आयोग के अध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा था कि 'आवश्यक वस्तु अधिनियम कानून' कृषि-निर्यात में बाधा है तथा इसे 2017 में ही हटाने की पैरवी की थी। वैसे अनेक राज्यों द्वारा भंडारण तथा अनेक खाद्य वस्तुओं पर नियंत्रण ढीला करने से इस कानून का कोई अर्थ नहीं रह गया है। नए कदमों में नीति आयोग के दृष्टिकोण के अनुसार कृषि क्षेत्र में सुधार तथा प्रधानमंत्री द्वारा नए संपत्ति कार्ड की घोषणा को अमल में लाने के लिए अतिरिक्त फंड आबंटित किए गए हैं। यह कार्ड बैंकों व वित्तीय संस्थानों से कर्ज लेने में बंधक जैसी गारंटी देगा। सरकार ने तेजी से किसानों की भूमि को बैंकिंग संस्थानों से जोड़ा है ताकि ग्रामीण भारत में कर्ज का प्रवाह बढ़े। लेकिन भारत सरकार कृषि संबंधी आंकड़ों के बारे में शायद निश्चित नहीं है। क्या वह जानती है कि कितने किसान ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था से जुड़े हैं? प्रोत्साहन देने पर भी क्या ज्यादा कर्ज से उनको सहायता मिलेगी? क्या ढांचे में सुधार या बाजार उदारीकरण से ग्रामीण क्षेत्र में सुधार आएगा?

शायद अमेरिका के पास इन सवालों का जवाब है। अमेरिका में द्वितीय विश्वयुद्ध के पहले कृषि बड़ा उद्योग होती थी। देश में बड़ी संख्या में छोटे और मझोले किसान पाए जाते थे। लेकिन युद्ध के बाद अमेरिका में खेती का उत्पादन बहुत अधिक हो गया। ऐसे में 'खर्च' की तुलना में किसानों की 'आय' घट गई। उदारीकरण के बाद अमेरिका ने फार्मर्स होम एडमिनिस्ट्रेशन एक्ट व डिजास्टर लोन एक्ट, 1949 लागू किए थे ताकि किसानों को 'कर्ज' सुनिश्चित हो सके। खेती को बचाने के लिए सीधे कृषि स्वामित्व के आधार पर कर्ज दिए गए। अंतरिम वित्तीय सहायता के लिए आपातकालीन फसल व 'फीड लोन प्रोग्राम' शुरू किया गया। ग्रामीण ढांचागत संरचना में निवेश तथा आसान कर्जों को प्रोत्साहित किया गया। ये सारे उपाय भारत सरकार द्वारा कोरोना वैश्विक महामारी से निपटने के लिए भारत सरकार द्वारा किए प्रयासों के समान थे।

नकदी बढ़ने पर किसानों ने जल्दी से ज्यादा जमीन व कृषि उपकरण खरीदे तथा ढांचे को आधुनिक बनाया। कुछ वर्षों में जमीन के दाम बैंक निवेशों से अधिक हो गए। बिजनेस अच्छा चल रहा था, लेकिन जल्द ही इस कर्ज का दूसरा प्रयोग होने लगा। इससे वित्तीय संकट पैदा हुआ तथा किसानों की वास्तविक आय 18 बिलियन डालर से घट कर 13 बिलियन डालर रह गई। किसानों की संख्या भी आधी रह गई। लेकिन 76 प्रतिशत के राष्ट्रीय औसत की तुलना में किसान की आय में केवल 46 प्रतिशत वृद्धि हुई। इसके साथ ही अमेरिकी किसानों पर कुल बंधक कर्ज 1950 में 8 बिलियन डालर से बढ़ कर 1971 में 24 बिलियन डालर तक पहुंच गया। पूर्व अमेरिकी कृषि सचिव अर्ल बुट्ज़ का मानना था कि या तो 'बड़े बनो' और आय दूनी करो या खेती से 'बाहर हो जाओ'। क्या भारत भी किसानों की आय इसी प्रकार दूनी करना चाहता है? इस संदर्भ में एक तथ्य पर गौर करें। कृषि विकास पर समिति-सीईडी ने 'किसानों की आय दूनी करने तथा 1962 की खेती में परिवर्तन' शीर्षक वाली 2917 की रिपोर्ट में एक उपयुक्त व सावधानी से तैयार योजना पेश की थी। इसमें पांच साल में सभी कृषि कार्यक्रम छोड़ने तथा 'किसानों को खेती के बाहर की गैर-कृषि गतिविधियों' में शामिल करने का प्रस्ताव था क्योंकि किसानों की बहुत बड़ी संख्या एक समस्या थी।

नीति आयोग के अध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा था कि 'आवश्यक वस्तु अधिनियम कानून' कृषि-निर्यात में बाधा है तथा इसे 2017 में ही हटाने की पैरवी की थी। वैसे अनेक राज्यों द्वारा भंडारण तथा अनेक खाद्य वस्तुओं पर नियंत्रण ढीला करने से इस कानून का कोई अर्थ नहीं रह गया है। नए कदमों में नीति आयोग के अनुसार कृषि क्षेत्र में सुधार तथा प्रधानमंत्री द्वारा नए संपत्ति कार्ड की घोषणा को अमल में लाने के लिए अतिरिक्त फंड आवंटित किए गए हैं।

भूमि प्रबंधन कार्यक्रम के क्रियान्वयन के बाद एक मिलियन छोटे व मझोले पारिवारिक खेत समाप्त हुए। इसके साथ ही छोटे व मझोले किसानों की आत्महत्यायें आसमान छूने लगीं क्योंकि कृषि लागत में तेजी से वृद्धि के कारण अधिकांश किसान कर्ज अदा करने की स्थिति में नहीं थे। कृषि संकट ने किसानों में भयानक अवसाद को जन्म दिया था। इससे वे मुखर होकर कृषि कर्ज माफी की मांग करने लगे। नाबार्ड के एक अध्ययन से संकेत मिला कि 52.5 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों पर 2018 में 1,470 डालर या 1.11 लाख रुपये से अधिक कर्ज था। इसकी तुलना में औसत ग्रामीण परिवार की मासिक बचत 1,413 रुपये थी। ज्यादा कर्ज दे कर हम किसानों और पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर और बोझ डालेंगे तथा भारी कर्ज का दुष्चक्र मजबूत होगा। ठेका खेती, कृषि-वस्तु व्यापार व कृषि बिजनेस आदि के माध्यम से भारतीय किसानों के सामने और कोई विकल्प नहीं बचेगा तथा वे अमेरिका की तरह स्वयं अपने ही खेतों पर मजदूरी को बाध्य होंगे। इस प्रकार इतिहास स्वयं को आश्चर्यजनक रूप से दुहरा सकता है। किसानों को मुक्त करने तथा नियमित एपीएमसी मंडियां समाप्त करने के सरकार के निर्णय से भारत के खेतों तक कृषि-बिजनेस की पहुंच हो जाएगी। अमेरिका के किसान इस व्यवस्था में शामिल हो चुके हैं। भारत सरकार भी यही चाहती है। अपनी पुस्तक 'मर्चेन्ट्स आफग्रेन' में डैन मार्गन बताते हैं कि 'किसानों की बाजार तक पहुंच' यात्रा ने कुछ लोगों को अमीर बनने तथा विशाल कंपनियों के भंडार भरने का रास्ता खोला है। इसके कारण अमेरिका में अनाज पर नया एकाधिकार विकसित हुआ है जिसका दुनिया की 70 प्रतिशत सप्लाई श्रृंखला पर कब्जा है। अमेरिका में किसानों का बाजार में कोई अस्तित्व नहीं है केवल कारगिल जैसे कार्पोरेटों का वर्चस्व है। 2006 में बिहार सरकार ने निजी निवेश आकर्षित करने के लिए एपीएमसी कानून वापस लिया था। इसके बाद आश्चर्यजनक स्थिति बनी तथा किसानों को अपने उत्पाद की कीमत और कम मिली। इस बीच 'व्यापारी' ट्रकों में भर कर अनाज पंजाब व हरियाणा की मंडियों में ले गए ताकि उसे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर बेचा जा सके। लेकिन कृषि में निजी निवेश कभी नहीं हुआ।

किसानों को 'उदारीकरण' का भारी खामियाजा भुगतना पड़ा है। हिंसा, नशाखोरी तथा पागलपन अमेरिका के 'डस्ट बाउल' कहे जाने वाले ग्रामीण कस्बों में आम है। जोएल डायर की पुस्तक 'हार्वेस्ट आफ रेजः व्हाई ओकलाहामा सिटी इज़ ओनली द बिगनिंग' में द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद कृषि सुधारों को अमेरिकी किसानों की वर्तमान बदहाली से जोड़ा गया है। देशी माफिया गिरोहों के कारण ओकलाहामा शहर में 1995 में अनेक धमाके हुए थे। अमेरिका का कृषि कर्ज इस साल 425 बिलियन डालर है। इसके बावजूद अधिकांश बड़े व कंपनी किसानों को सहायता पैकेजों का लाभ मिलता है। इस बीच हजारों अमेरिकी किसान खेती से मुक्ति पाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद हुए उदारवादी सुधार ने अमेरिकी कृषि की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है जहां खेती में किसानों की संख्या न्यूनतम है।

वर्तमान समय में भारत भी इसी रास्ते पर चलने का प्रयास कर रहा है। जिस प्रकार भारत में संकट से निपटने के लिए अमेरिकी रास्ता अपनाया जा रहा है, उसी प्रकार जल्द ही कृत्रिम वित्तीय उपाय विफल हो सकते हैं, कर्ज में कई गुना वृद्धि हो सकती है तथा कंपनियों की बंदी आम बात हो सकती है। कोरोना के खिलाफयुद्ध समाप्त होने के निकट है और ऐसे समय सरकार खेती के कारगिलकरण की ओर बढ़ रही है।

कीट का नाश हो

कहने को तो सिंह साहब हैं लेकिन आजकल एक कीट ने उनकी नींद उड़ा रखी है। आलम यह है कि अब तो उनके भीतर कीट पतंगों को लेकर जैसे दहशत ही व्याप्त हो गई हो। स्थिति यह है कि कीट का नाम सुनते ही उनका ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है और वे सभी तैयारियां करने के निर्देश देने लगते हैं। वैसे देखा जाए तो इस कीट से स्वयं सिंह साहब को कोई खतरा नहीं है। खतरा तो भगवा सरकार के मुखिया से है। जो इस समय कीट के ऊपर लगातार नजर बनाए हुए हैं। यदि कीट ने कहीं भी खुराफात की तो सिंह साहब की खैर नहीं। इसलिए सिंह साहब कीट से नहीं कीट की हरकतों से डर रहे हैं। सिंह साहब का डरना भी लाजमी है क्योंकि सिंह साहब तो ठहरे जमीनी प्राणी। जबकि कीट तो हवाई हमला करने की तैयारी में है। ऐसी स्थिति में यह कीट सिंह साहब के लिए सरदर्द बन गया है क्योंकि भगवा सरकार के मुखिया ने तो साफ कह दिया है यदि कीट ने कुछ गड़बड़ की तो सिंह साहब अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। इस गंभीर स्थिति में सिंह साहब की कुछ समझ में नहीं आ रहा है। वह बस यही मना रहे हैं कि हमलावर कीट किसी तरह शान्ति से चले जाएं और भगवा सरकार की मुखिया की रहमत उन पर बनी रहे।

मौका भुना रहे

यह चर्चित कहावत इस समय देश की सबसे पुरानी पार्टी की प्रदेश इकाई के नेताओं पर पूरी तरह से लागू हो रही है। अभिनेता से नेता बने अध्यक्ष जी की विदाई के बाद जब से नाम के लल्लू पर राजनीति में होशियार नेताजी ने दीदी के आशीर्वाद से कार्यभार संभाला तबसे पार्टी मुख्यालय पर एकक्षत्र उन्हीं का साम्राज्य कायम है। शुरुआत में उनका विरोध तो बहुत हुआ लेकिन जिस-जिस ने विरोध किया उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया। कई प्रभावशाली क्षत्रप तो खुद ही हथियार डालकर घर बैठ गए । लॉकडाउन के दौरान पलायन करने वाले प्रवासियों को लेकर हो रही राजनीति में अपनी महत्वाकांक्षा के चलते अध्यक्ष जी मोहरा बन गए। सरकार के साथ फर्जीवाड़ा करने के आरोप में उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। उनका जेल जाना था कि घर पर आराम फरमा रहे छत्रप तुरंत सक्रिय हो गए। पार्टी मुख्यालय का रुख तक करना भूल चुके इन छत्रपों का इस समय यहां जमावड़ा लग गया है। स्थिति यह है कि इनके बीच बयानबाजी की होड़ लगी हुई है। अध्यक्ष जी कि नामौजूदगी का पूरा फायदा उठाते हुए अपने को हाईलाइट करने और दीदी की नजर में आने के लिए यह नेता कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

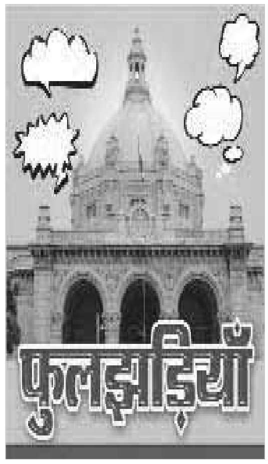

लागी छूटे न

इस लाकडाउन में आजकल कई मंत्री इसलिए परेशान हैं कि उनको समाचार पत्रों में स्थान ही नहीं मिल पा रहा है। वह इसलिए क्योंकि लाकडाउन की वजह से खबरों का केंद्र सीएम और संबन्धित विभाग के अधिकारियों के आस-पास बन गया है। कुछ कैबिनेट मंत्री हैं जो प्रतिदिन निवेश को लेकर अखबारों की सुर्खियों में रहते हैं लेकिन दिल्ली वाले प्रवक्ता जो अब प्रदेश को रोशनी से चमकाने का काम कर रहे हैं, वह बड़े परेशान हैं कि उनका कहीं कोई जिक्र इस दौरान नहीं हो रहा है। भोजन पैकेट वितरित करने वाली भी खबरें नहीं आ पा रही हैं जबकि उनके प्रतिद्वन्दी मंत्री का रोज ही बयान अखबारों में आ रहा है। बेचारे मंत्री जी ने मंडलवार अपने विभाग की समीक्षा भी करके देख ली लेकिन उनको इतनी तव्वजो नहीं मिली जितनी अन्य लोगों को मिल रही है। इससे परेशान मंत्री महोदय अपने ही विभाग की पुरानी नीतियों को झाड़ पोछकर दोबारा समीक्षा कर रहे हैं ताकि फिर कहीं स्थान मिल जाए। अब करें तो करें क्या मामला तो कंपटीशन का ठहरा न।

लाकडाउन में धुलाई

यूं तो महिला आयोग का काम राज्य में महिलाओं के उत्पीड़न को रोकने और उन्हें न्याय दिलाने का होता है लेकिन अगर इस आयोग के सदस्य उत्पीड़न का शिकार बन जाये तो फिर भला उन्हें कौन न्याय दिलायेगा। कुछ ऐसा ही मामला राज्य महिला आयोग में पिछले कुछ दिनों से पक रहा है। लाकडाउन के चलते आयोग की एक महिला सदस्य को घरेलू हिंसा का शिकार होना पड़ रहा है। लाकडाउन के बीच इस महिला सदस्य की उनके पति ताबडतोड़ धुनाई करने में जुटे हैं। अभी तक तीन या चार बार इस सदस्य की पिटाई हो चुकी है। अपनी पीड़ा यह महिला सदस्य अपनी कुछ करीबी सहेलियों और मित्रों से साझा कर चुकी हैं लेकिन उनकी समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। हर किसी ने उन्हें लाकडाउन के खुलने के बाद सब कुछ ठीक हो जाने की तसल्ली दी है।दरअसल महिला के पति दारू के बेहद शौकीन हैं। भोर होते मोहल्ले के दोस्तों के साथ जुट जाते हैं। पहले महिला नेता सुबह घर से निकल जाया करती थीं और रात लौटती थीं। ऐसे में सब कुछ आराम से चलता रहता था। लाकडाउन में महिला नेता को घर पर ही रहना पड़ रहा है। ऐसे में पति का काला चिट्ठा सामने आ गया। विरोध करने पर पति ने उन पर हाथ उठाना शुरू कर दिया है। महिला नेता के आयोग का सदस्य बनने से पहले उनके पति कभी कभार ही पिया करते थे लेकिन उनके सदस्य नियुक्ति होने के बाद पति की दारू की खुराक कई गुना बढ गई है।

प्रवासी श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार दिया जाए: अवनीश अवस्थी

- यूपीडा ने की पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की समीक्षा
- बारिश से पहले सभी पुलों का निर्माण पूरा किया जाए

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपीडा के चेयरमैन अवनीश कुमार अवस्थी ने लोकभवन में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्माण कार्य करने वाली कम्पनियों को निर्देशित किया कि वह एक्सप्रेस-वे के निर्माण कार्य में अन्य प्रदेशों से आए प्रवासी मजदूरों व श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराएं। अवस्थी ने कहा कि निर्माण कार्य को तीव्र गति से कराया जाए व बिल यूपीडा के समक्ष प्रस्तुत किए जाएं ताकि भुगतान समय से किया जा सके। इसके अतिरिक्त अवस्थी ने एक्सप्रेसवे की मुख्य सतह की प्रगति की समीक्षा की तथा मुख्य कैरिजवे को कब तक खोला जा सकता है इस विषय पर भी कम्पनियों के प्रतिनिधियों से वार्ता की। अवस्थी ने एक्सप्रेसवे के निर्माणकार्य करने वाली कम्पनियों को निर्देशित किया कि वह बरसात से पहले ही सभी पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण कर लें तथा निर्माण कार्य को एक सुरक्षित स्तर तक पहुचाएं ताकि बरसात के मौसम में निर्माण कार्य में कोई बाधा न उत्पन्न हो।

इसके साथ ही भूमि विवाद, धार्मिक स्थलों के पुर्नस्थापन एवं अन्य बाधाओं को पूर्णतय: खत्म करने के निर्देश भी दिए है। अवस्थी ने कोविड-19 के मद्देनजर केन्द्र सरकार द्वारा द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार निर्माण कार्य करने वाली कम्पनियों को राहत दिए जाने के विषय में भी चर्चा की।

इस बैठक में यूपीडा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ निर्माण कम्पनियों के प्रतिनिधि एवं यूपीडा द्वारा प्रोजेक्ट मानीटरिंग के लिए सम्बद्ध की गयी कम्पनी राइट्स इण्डिया लिमिटेड की टीम भी मौजूद थी। 30 मई तक एक्सप्रेस-वे का 48 प्रतिशत भौतिक कार्य पूर्ण कर लिया गया है और जून के अंत तक 50 प्रतिशत भौतिक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। इस एक्सप्रेसवे के अन्तर्गत पर कुल 7 रेलवे ओवर ब्रिज, 7 दीर्घ सेतु, 113 लघु सेतु, 13 इन्टरचेन्ज, 6 टोल प्लाजा सहित 5 रैम्प प्लाजा, 268 अन्डरपास तथा 518 पुलियों का निर्माण कार्य प्रगति में है।

लखनऊ में रेलवे स्टेशन पर श्रमिक स्पेशल ट्रेन से राजधानी पहुंचे लोग अपने गंतव्य को जाने के लिए बस स्टेशन जाते हुए

71 तहसीलदारों के डिप्टी कलेक्टर पद पर प्रमोशन का रास्ता साफ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र राजस्व परिषद ने कोरोना संक्रमण के बीच 71 तहसीलदारों को स्थाई कर दिया है। इससे सभी 71 तहसीलदारों का डिप्टी कलेक्टर पद पर प्रमोशन पाने का रास्ता साफ हो गया है। लाकडाउन में काम करते हुए तहसीलदारों की दो वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने एवं विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण हो जाने के उपरान्त अध्यक्ष राजस्व परिषद दीपक त्रिवेदी ने नियमित कर दिया है।

अध्यक्ष राजस्व परिषद ने बताया कि तहसीलदार सेवा नियमावली में तहसीलदार पद पर स्थाईकरण के लिए यह प्राविधान है कि संबंधित तहसीलदार द्वारा तहसीलदार पद की विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली गयी हो और संबंधित मण्डल के मण्डलायुक्त द्वारा स्थाईकरण के लिए संस्तुति भेजी गई हो। उन्होंने बताया कि डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति के लिए तहसीलदार पद पर स्थाईकरण होना आवश्यक है और इस स्थाईकरण के फलस्वरूप अब यह 71 तह लदार डिप्टी कलेक्टर पद पर पदोन्नति के लिए पात्र हो गये हैं। जब जुलाई 2019 में तहसीलदारों का स्थाईकरण किया गया था तब अनेक तहसीलदार विभिन्न कारणों से नियमित नहीं हो पाए थे। इस मामले को लेकर उप्र राजस्व प्रशासकि अधिकारी संघ ने अध्यक्ष राजस्व परिषद से मुलाकात भी की थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए अध्यक्ष राजस्व परिषद दीपक त्रिवेदी के निर्देश पर स्थायीकरण कार्यवाही पूर्ण की गयी है। तहसीलदार पद पर स्थाईकरण के लिए कुल 74 तहसीलदारों के प्रस्ताव परिषद को प्राप्त हुए थे जिसमें में 3 के विरूद्ध अनुशासनिक जांच प्रचलित होने के कारण उनके स्थाईकरण को स्थगित किया गया है। शेष 71 तहसीलदारों को तहसीलदार सेवा नियमावली में प्राविधानित व्यवस्था के अन्तर्गत स्थाई करते हुए तहसीलदारों के स्थाईकरण का आदेश राजस्व परिषद की वेबसाइट http:// bor. up. nic. in पर अपलोड कर दिया गया है। राजस्व परिषद द्वारा कोरोना महामारी के कारण चल रहे लाकडाउन के बावजूद निरन्तर कार्य करते हुए कुल 439 तहसीलदारों की अंतिम कोटिक्रम सूची भी 28 मई को प्रकाशित कर दी गई है। लंबे समय से उप्र राजस्व प्रशासनिक अधिकारी संघ द्वारा यह मांग की जा रही थी। दीपक त्रिवेदी ने बताया कि इससे तहसीलदार पद से डिप्टी कलेक्टर के पद पर पदोन्नति की कार्यवाही में तेजी आने की सम्भावना है।

केंद्र सरकार के द्वितीय कार्यकाल का प्रथम वर्ष ऐतिहासिक: केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व के दूसरे कार्यकाल का प्रथम वर्ष का कार्यकाल सदैव ष्कड़े और बड़ेष् फैसलों के नाम से जाना जाएगा। आगामी द्वितीय वर्षए मोदी जी के नेतृत्व में कोरोना संकट काल की चुनौतियों को अवसर में बदलने के रूप में जाना जाएगा। इस संकटकाल में मोदी के कड़े फैसलों से विश्व के अन्य देशों से भारत की स्थिति अच्छी है। केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के 1 साल पूरा होने के अवसर पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि यह ष्एक साल अनेक ऐतिहासिक फैसलों एवं उपलब्धियों से परिपूर्ण रहा है जिसमें धारा 370 व 35-ए का समाप्त किया जानाए नागरिकता संशोधन कानून को लागू करनाए तीन तलाक कानून के माध्यम से मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को संरक्षण प्रदान करना है आदि हैं।

केशव प्रसाद मौर्य ने केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के 1 वर्ष पूर्ण होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित मंत्रिपरिषद के सभी सदस्यों को उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा अनुच्छेद 370 धारा, 35-ए न तो देश की अखंडता के हित में था एऔर न ही जम्मू.कश्मीर के लोगों के हित मे। कई दशकों पुरानी इस समस्या को मोदी सरकार ने जड़ से समाप्त कर दिया।

भाजपा ने देश की जनता का भरोसा तोड़ा है: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश और प्रदेश की भोली.भाली जनता को भावनात्मक मुद्दों के जरिए फंसाने का काम करती है। भाजपा ने गरीबोंए किसानों और मजदूरों को जो सपना दिखाया था वह टूट गया है। देश की जनता का भरोसा तोड़ा है। उत्तर प्रदेश के बेड़े में 70 हजार से ज्यादा बसें थी लेकिन मजदूर पैदल चलते चलते मर गए। यूपी सरकार चाहती तो यूपी नहीं झारखंड बिहार और इधर से गुजरने वाले अन्य राज्यों के मजदूर को भी पैदल नहीं चलना पड़ता। गरीब भूखों मर गए। किसान बर्बाद हो रहे हैं। किसानों को गेहूं का मूल्य नहीं मिला। गन्ना किसानों का बकाया नहीं मिल रहा है। भाजपा ने अच्छे दिन के जो सपने दिखाए थे वह पिछले 6 सालों में क्या पूरे हुए। आज भाजपा को कुछ सोचना चाहिए कि वह अच्छे दिन वाले सपने कब पूरे होंगे। बीजेपी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था पहले से ही खराब थी। लेकिन जब से कोविड.19 महामारी आई है तबसे अर्थव्यवस्था फ्रीफाल हो रही है। ऐसी स्थिति में लोगों को रोजगार कहां से मिलेगा। अखिलेश ने कहा कि समाजवादी पार्टी के लोग लगातार गरीबों की मदद कर रहे हैं खाना खिला रहे हैं लेकिन यह सरकार उनके खिलाफ एफआईआर कर रही है और डरा रही है। हम समाजवादी लोग मानते हैं कि यह समय आराम का नहीं हैए जोखिम भरा समय है। समाजवादी लोग गरीबों मजदूरों की मदद कर रहे हैं। कार्यकर्ता लगातार लोगों की मदद कर रहे हैं। प्रदेश में क्वॉरंटाइन सेंटरों की स्थिति बहुत खराब है। उनके साथ वहां भेदभाव हो रहा है। सरकार ना उन्हें मास्क दे रहीए ना सेनीटाइजर दे रही हैए और ना खाना दे पा रही है। पिछले 2 महीने गुजर गए मुख्यमंत्री ने 55 करोड़ मास्क बांटने के लिए कहा था। उनकी घोषणा का क्या हुआ आज जिन अस्पतालों में इलाज हो रहा है वह सब समाजवादी सरकार में बने हैं। भाजपा की सरकार में मुख्यमंत्री ने अस्पतालों के काम रोक दिए। मुख्यमंत्री के बयान रोज बदलते रहते हैं। कभी कहते हैं कि 50 लाख को रोजगार दियाए कभी कहते हैं कि 10 लाख को दियाए कभी कहते हैं कि ढाई लाख को दिया। हमारे मुख्यमंत्री सिर्फ एम ओ यू करते हैं।

उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री जी की मौजूदगी में दो इन्वेस्टर मीट हुई 4 लाख करोड़ के एमओयू किया लेकिन कितने लोगों को रोजगार मिला और कितना निवेश हुआ। अखिलेश ने कहा कि भाजपा की केन्द्र सरकार ने छह वर्ष में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर दिया है।

प्रियंका ने निशुल्क सेवा कर रहे कुली मुजीबुल्लाह को पत्र लिखकर की प्रशंसा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

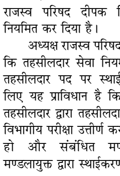

कांग्रेस महासचिव और यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा ने कोरोना महामारी के कारण हुए लॉकडाउन में चारबाग रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक पर रेल यात्रियों की निशुल्क सेवा कर रहे कुली मुजीबुल्लाह को पत्र लिखकर मानवता की इस सेवा के लिए प्रसंशा की। प्रियंका ने पत्र में लिखा है कि इस महामारी के खत्म होने के बाद जब भी इस दौर को याद किया जाएगाए आपके योगदान को देश कृतज्ञता से याद करेगा। हम ऐसे ही व्यक्तिगत और सामूहिक योगदानों से कोरोना को हराने में कामयाब होंगे। प्रियंका गांधी के इस पत्र को लेकर प्रदेश महासचिव विश्वविजय सिंहए अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन शहनवाज आलमए वेद प्रकाश त्रिपाठीए जयकरन वर्मा चारबाग गए और कुली मुजीबुल्लाह को सौंपा।

लल्लू की रिहाई के लिए कांग्रेस ने किया सद्बुद्धि हवन यज्ञ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू जी की रिहाई व योगी सरकार के खिलाफ भारतीय युवा कांग्रेस के सचिव एवं प्रदेश प्रभारी मनीश चौधरी एवं मध्य जोन के अध्यक्ष दीपांकर सिंह के निर्देश पर पूरे प्रदेश में शनिवार को हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इसी क्रम में प्रदेश की राजधानी लखनऊ के प्रदेश युवा कांग्रेस कार्यालय में सद्बुद्धि हवन यज्ञ का आयोजन हुआ।

हवन यज्ञ के द्वारा सभी युवा कांग्रेसजनों ने प्रदेश अध्यक्ष के तत्काल रिहाई के लिए योगी सरकार को सद्बुद्धि प्रदान करने के लिए ईश्वर से कामना की गई। हवन यज्ञ कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष वीरेन्द्र चौधरीए प्रशासन प्रभारी दिनेश सिंहए युवा कांग्रेस की उपाध्यक्ष वन्दना सिंहए महामंत्री ज्ञानेश शुक्लाए शिवम त्रिपाठीए सचिव संदीप पालए बाराबंकी जिलाध्यक्ष अकील अंसारीए लखनऊ जिला सोशल मीडिया समन्वयक दीपिका अरोड़ाए एनएसयूआई के उपाध्यक्ष अनस रहमानए जिलाध्यक्ष मोण् तारिक सहित भारी संख्या में युवा कांग्रेसजन शामिल रहे।

कोर्ट में जानबूझकर केस डायरी नहीं पेश कर रही पुलिस: कांग्रेस

लखनऊ। कांग्रेस का कहना है कि प्रदेश सरकार ने उत्पीड़न की हदें पार कर दी हैं। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू को फर्जी मुकदमे में जेल भेजने के बाद उनकी जमानत न होने पाएए इसलिए सरकार के इशारे पर बाधा डाली जा रही है। यूपी कांग्रेस के प्रदेश मीडिया संयोजक ललन कुमार ने आरोप लगाया कि कोर्ट में पुलिस ने केस डायरी तक नहीं प्रस्तुत की है। जिस कारण कोर्ट को तारीख पर तारीख देनी पड़ रही है। प्रदेश अध्यक्ष की जमानत अर्जी पर आज भी सुनवाई हुईए लेकिन केस डायरी नहीं होने के कारण सोमवार तक टाल दी गई। उन्होंने सवाल किया कि सरकार कितने लोगों के खिलाफ मुकदमे कराएगी और कितने लोगों को जेल भेजेगीघ् कांग्रेस का हर कार्यकर्ता अजय कुमार लल्लू है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवासी मजदूरों की पीड़ा से ध्यान हटाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ फर्जी मुकदमा दर्ज किया गया है। सरकार की तानाशाही यहीं नहीं रुकतीए प्रवासी मजदूरों के सेवा कार्य में पूरे प्रदेश में लगे जनप्रतिनिधियोंए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। इस अन्याय के खिलाफ कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संघर्ष करता रहेगा।

अपनी नीतियों व कार्यशैली के बारे में खुले मन से समीक्षा करे केंद्र सरकार: मायावती

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

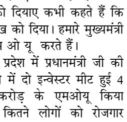

बसपा अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार को सलाह दी कि उसे अपनी नीतियों और कार्यशैली के बारे में खुले मन से समीक्षा करनी चाहिए। मायावती ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि केन्द्र में बीजेपी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर आज अनेक दावे किए गए हैं किन्तु वे जमीनी हकीकत और जनता की सोच.समझ से दूर न हों तो बेहतर है। उन्होंने कहा कि वैसे सरकार का यह कार्यकाल अधिकतर मामलों में काफी विवादों से घिरा रहा है जिन पर इनको देश और जनता के हित में गंभीरता से चिन्तन करना चाहिए। मायावती ने कहा कि देश की लगभग 130 करोड़ जनसंख्या में से अधिकतर गरीबों, बेरोजगारों, किसानों, प्रवासी श्रमिकों और महिलाओं आदि का जीवन पहले से भी अधिक अति कष्टदायक बना हुआ हैए जो अत्यंत दुखद है और जिसे जल्दी भुलाया नहीं जा सकता है। उन्होंने कहाए ऐसे में केन्द्र सरकार को अपनी नीतियों और कार्यशैली के बारे में खुले मन से जरूर समीक्षा करनी चाहिए और जहां पर इनकी कमियां रहीं हैंए उनपर इनको पर्दा डालने की बजाए उन्हें दूर करना चाहिए। बसपा की इनको देश एवं जनहित में यही सलाह है।

दूरदर्शी नेता हैं प्रधानमंत्री : शिवराज

● मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ के मौके पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा की

भाषा। भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ के मौके पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोदी की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक मेहनती, गतिशील, प्रेरणादायक और दूरदर्शी नेता बताया। चौहान ने शनिवार को ट्वीट कर कहा कि हमारे यहां कहा जाता है कि जो काम करते हैं, नाम उन्हीं का होता है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के काम का लोहा तो पूरी दुनिया मानती है, लेकिन उनके नाम में भी एक बहुत महत्वपूर्ण संदेश छिपा है। चौहान ने कहा, एमओडीआई (मोदी) नाम का मंत्र भारत के प्रत्एक नागरिक के हृदय में बसा हुआ है। जहां भी जाओ, देश-विदेश में या प्रदेश में, हर जगह आपको मोदी-मोदी के नारे सुनाई पड़ते हैं। ए मंत्र हम सब के हृदय को एक नई ऊर्जा से भर देता है। मुख्यमंत्री ने कहा, जब हम बोलते हैं, मोदी- मोदी तो वो एक महान नेता के लिए हम सब का अनन्य प्रेम तो दर्शाता ही है, लेकिन एक नया मंत्र भी दे जाता है। मोदी के नाम का पहला अक्षर है एम, एम से... मोटिवेशनल, मेहनती,...मोदी जी मोटिवेशनल हैं, वे अथक मेहनत करते हैं। इस महान देश को महानतम ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए हम सब को हमेशा मोटिवेट करते रहते हैं। मोदी जी के नाम का दूसरा अक्षर है ओ, ओ से होता है ओजस्वी, ऑपर्चुनिटी,... मोदी जी हमारे ऐसे ओजस्वी नेता हैं जो भारत में छिपी हुई ऑपर्चुनिटी को पहचानते हैं, उसको निखारने का सदैव प्रयास करते हैं। कोरोना की चुनौती को भी उन्होंने अवसर में बदल दिया। उन्होंने कहा, मोदी जी के नाम का तीसरा अक्षर डी है, डी से होती है दूरदर्शिता, डाइनैमिक लीडरशिप, डेवलपमेंट...मोदी जी की दूरदर्शिता, डाइनैमिक लीडरशिप का ही प्रमाण है जो भारत को डेवलपमेंट के रास्ते पर तेज रफ्तार से आगे बढ़ा रही है। आज पूरी दुनिया उन्हें विकास पुरुष के नाम से जानती है। और मोदी जी के नाम का चौथा और आखिरी अक्षर है आई, आई से होता है इंडिया, इंस्पायर, इच्छाशक्ति...मोदी जी हमारे ऐसे नेता हैं जो इंडिया को...भारत को अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए इंस्पायर करते हैं। उन्होंने कहा कि मोदी जी हमारे नेता हैं जिन्होंने अपनी मजबूत इच्छा शक्ति से देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रेरित किया। शुक्रवार शाम को चौहान ने एक ब्लॉग में नरेन्द्र मोदी सरकार और रामराज्य के बीच समानता को भी रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिमंडल ने पिछले साल आज के दिन ही शपथ ली थी।

जम्मू में ऐतिहासिक खीर भवानी मेले के दौरान खीर भवानी मंदिर में पूजा करते कश्मीरी पंडित

कोविड-19: कूच बिहार में कल तक नही था कोई भी मामला आज संक्रमण के 32 मामले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले में कम से कम 32 प्रवासी श्रमिकों में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कूच बिहार में एक दिन पहले जहां संक्रमण का एक भी मामला नहीं था अब उसे निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट पवन कंड्यान ने कहा कि कुछ दिन पहले उत्तरी बंगाल के जिले में 32 लोग लौटकर आए थे। संक्रमित पाए जाने के बाद सिलीगुड़ी में कोविड-19 मरीजों के लिए निर्दिष्ट अस्पताल में उनका इलाज किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संक्रमण के शिकार हुए प्रवासी श्रमिकों का दूसरा परीक्षण शनिवार को किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शनिवार तक एक हजार से कुछ अधिक लोग जिले में लौटे हैं। राज्य सरकार की ओर से जारी सूची में कूच बिहार निषिद्ध क्षेत्र में शामिल नहीं था। वास्तव में आधिकारिक वेबसाइट अब भी यही बता रही है कि कूच बिहार में कोई निषिद्ध क्षेत्र नहीं है और जिला ग्रीन जोन में है।

गहलोत का गोयल पर निशाना, कहा, प्रधानमंत्री को रेल मंत्री से मंत्रालय वापस लेना चाहिए

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने लॉकडाउन में फंसे श्रमिकों को उनके गृहस्थान पर पहुंचाने के लिए शुरू की गई श्रमिक विशेष ट्रेनों की लेट-लतीफी को लेकर शनिवार को रेलमंत्री पीयूष गोयल पर निशाना साधा और प्रधानमंत्री को गोयल से उनका मंत्रालय लेने की सलाह दी।

गहलोत के अनुसार भारतीय रेलवे में इस तरह की अव्यवस्था कभी देखने, सुनने को नहीं मिली।गहलोत ने ट्वीट किया, कम से कम 40 श्रमिक स्पेशल ट्रेन देरी से पहुंचीं। एक ट्रेन को अपने गंतव्य तक पहुंचने में ही नौ दिन लग गए। अब तक 80 मौत हो चुकी हैं। उन्होंने आगे लिखा है, मेरा प्रधानमंत्री को सुझाव है कि गोयल को बिना मंत्रालय का मंत्री बना दिया जाए क्योंकि हमने भारतीय रेलवे में इस तरह की अव्यवस्था अब तक कभी नहीं सुनी। ... उन्हें (गोयल को) केवल भाजपा के लिए धन जुटाने पर ध्यान केंद्रित करने दिया जाए।

आम आदमी के लिए बदतर रहा मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का पहला साल

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के पहले एक साल को आम आदमी के लिए बदतर बताते हुए शनिवार को कहा कि राजग ने उस अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है जो संप्रग के समय कुलांचे भर रही थी।गहलोत ने मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का एक वर्ष पूरा होने पर ट्वीट किया, मोदी सरकार के पिछले छह साल को भारतीय इतिहास में उस दौर के रूप में याद किया जाएगा जब आम आदमी सबसे अधिक पीड़ित हुआ और उसे असहनीय परेशानी झेलनी पड़ी। गहलोत के अनुसार, मोदी 2.0 का पहला साल भारत में ज्यादा आम लोगों के लिए बदतर रहा। मुख्यमंत्री के अनुसार, आर्थिक मोर्चे पर परीक्षण और गलतियों के छह साल के बाद भी हमें उम्मीद की कोई किरण नजर नहीं आ रही है कि सरकार अर्थव्यवस्था को कैसे पटरी पर लाएगी, कैसे रोजगार देगी और लोगों का कैसे ध्यान रखेगी ... जिनके पास न तो पैसा बचा है न काम। गहलोत के अनुसार, जो अर्थव्यवस्था संप्रग सरकार के कार्यकाल में फलफूल रही थी उसे राजग सरकारों ने पूरी तरह तबाह कर दिया है।

महाराष्ट्र के चार जिलों में आदिवासियो का प्रदर्शन पांचवे दिन भी जारी

एजेंसी। ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे,पालघर,रायगढ़ और नासिक जिले में कुछ स्थानों पर आदिवासी राशन कार्ड दिए जाने सहित कई मांगों को ले कर चार दिन पहले शुरू हुए प्रदर्शन शनिवार को पांचवे दिन भी जारी रहे। प्रदर्शनों की अगुवाई कर रहे श्रमजीवी संगठन ने यह जानकारी दी। दूरदराज के गांवों के सैकड़ों आदिवासी इन चार जिलों में अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। आदिवासी राशन कार्ड के अलावा, आवश्यक वस्तुओं की मांग कर रहे हैं और रोजगार गारंटी योजना (ईजीएस) के तहत काम मांग रहे हैं। संगठन ने कहा कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज किया जा सकता है।चार जिलों में तहसील कार्यालयों के बाहर 21 विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शन किए जा रहे हैं। प्रत्एक प्रदर्शन स्थल पर प्रदर्शनकारियों की संख्या 50 से कम है।

क्विक न्यूज

मां-बाप ने मोबाइल वापस ले लिया तो बेटे ने जान दे दी

ठाणे। ठाणे मे मां-बाप द्वारा मोबाइल फोन वापस लिए जाने से नाराज किशोर ने पंखे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि मीरा रोड स्थित एक घर मे मंगलवार को यह वाक्या हुआ। उन्होंने बताया स्थानीय स्कूल मे पढ़े वाला 13 वर्षीय लड़का घर पर हमेशा मोबाइल मे गेम खेलता रहता था। नवघर पुलिस थाने के इंस्पेक्टर राकेश बिराजदर ने बताया कि बच्चे के मां-बाप उसे फोन सो चिपके रहने को लेकर हमेशा डांटते रहते थे।उन्होंने कहा, कुछ समय पहले उन्होंने बच्चे से मोबाइल वापस ले लिया जिससे वह नाराज हो गया। 26 मई उसने कथित तौर पर घर के पंखे से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना मे मौत का मामला दर्ज कर लिया गया है।

असम में कोरोना के 43 नए मामले, कुल संख्या 1,100 हुई

गुवाहाटी। असम के स्वास्थ्य मंत्री हेमंत विश्व सरमा ने बताया कि राज्य मे कोरोना वायरस संक्रमण के 43 नए मामले सामने आए है और यहां संक्रमण के कुल मामलो की संख्या।,100 तक पहुंच गई। राज्य मे फिलहाल 968 संक्रमित मरीज है। सरमा ने ट्वीट कर बताया कि 43 नए मामलो मे से पांच मामले धुबरी, पांच गोलाघाट, तीन बारपेटा, एक बोनगाईगांव के है। 29 पुष्ट मामलो मे संबंधित जिलो की जानकारी अभी नही मिली है। राज्य मे संक्रमण से मुक्त हो चुके लोगो की संख्या 125 पहुंच गई है। चार लोगो की मौत हो गई है और तीन राज्य से बाहर जा चुके है। शुक्रवार को असम मे कोविड-19 के 177 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के मामले।,000 से अधिक हो गए। राज्य मे चार मई को यात्रा प्रतिबंध हटने के बाद तेजी से संक्रमण के मामले बढ़े है। इसके पहले एक अन्य ट्वीट मे सरमा ने बताया कि जोरहाट जिले मे सीएसआईआर-एनईआईएसटी कोविड-19 जांच प्रयोगशाला अब चालू हो जाएगी। राज्य मे वापस आने वाले सभी लोगो की जांच और पृथक-वास नीति को अनिवार्य कर दिया गया है।

नासिक शहर में घुसा तेंदुआ, दो लोगों पर किया हमला

नासिक। महाराष्ट्र मे नासिक शहर के इंदिरा नगर इलाके मे शनिवार सुबह एक तेंदुए ने दो व्यक्तियो पर हमला कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी।एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह साढ़े पांच बजे हुई, जब एक तेंदुआ शहर मे इंदिरा नगर की राजसारथी आवासीय सोसाइटी मे घुस गया।उन्होंने बताया कि तेंदुए ने इमारत की सीढ़ियो पर चढ़ कर एक बुजुर्ग पर हमला कर दिया और उनके शोर मचाने पर वह बाहर की ओर भाग गया। बाहर भागते हुए तेंदुए ने एक राहगीर पर भी हमला कर दिया।उन्होंने बताया कि इस बारे मे पुलिस और वन अधिकारियो को सूचना दी गई, लेकिन तेंदुए को पकड़ा नही जा सका।अधिकारी ने कहा कि पीड़ितों को मामूली चोटें आई है और इलाके मे लगे सीसीटीवी मे घटना की तस्वीरें कैद हो गई है। कुछ खबरो के मुताबिक इंदिरा नगर से पहले, मुंबई नाका इलाका और शहर मे तिड़के कॉलोनी मे एक तेंदुआ देखा गया था।

त्रिपुरा में बांग्लादेश से लौटे आठ लोगों समेत 10 कोरोना से संक्रमित, कुल संख्या 254 हुई

अगरतला। त्रिपुरा मे कोविड-19 संक्रमण के दस नए मामले सामने आए है जिनमे आठ लोग हाल ही मे बांग्लादेश से लौटे थे। मुख्यमंत्री बिप्लव कुमार देब ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य मे संक्रमण के मामलो की कुल संख्या 254 हो गई है। आठ लोग बृहस्पतिवार को अखौरा एकीकृत जांच चौकी (आईसीपी) के रास्ते लौटे थे। अन्य संक्रमितो मे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की 86वी बटालियन का एक जवान और पिछले दिनो गुरुग्राम से लौटा एक व्यक्ति शामिल है।हालांकि लॉकडाउन लागू होने के बाद शुक्रवार को कोलकता से यहां आई पहली उड़ान मे सवार 166 यात्रियो मे से किसी मे संक्रमण की पुष्टि नही हुई है। देब ने शुक्रवार को ट्वीट मे कहा कि सरकार सभी की सुरक्षा के लिहाज से हरसंभव एहतियाती कदम उठा रही है। कानून मंत्री रतन लाल नाथ ने कहा कि राज्य मे 29,359 लोगो को निगरानी मे रखा गया था जिनमे 18,078 लोग 14 दिनो की निगरानी की अवधि पूरी कर चुके है और उन्हे छुट्टी दी जा चुकी है। बाकी 11,281 लोगो मे से 510 पृथक-वास केंद्रो मे है तथा शेष घरो मे पृथक-वास मे है।

जम्मू में बीएसएफ जवान ने आत्महत्या की

जम्मू। जम्मू मे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक जवान ने अपने शिविर मे कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि असम के शिवसागर के निवासी कांस्टेबल राजीव लोहान शुक्रवार को पैलूरा कैंप स्थित अपने आवास के स्नानघर मे फंदे पर लटके हुए मिले। उन्होने कहा कि प्रारंभिक जांच मे पता चला कि वह 98वी बटालियान मे तैनात थे।पुलिस अधिकारी पता लगा रहे है कि उन्होने यह कदम क्यो उठाया। जवान के शव को कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनकी इकाई को सौप दिया गया है।

कांग्रेस ने गुजरात सरकार पर कोविड-19 के वास्तविक आंकड़े छिपाने का आरोप लगाया

भाषा। अहमदाबाद

● कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार ने अपने कोरोना वायरस डैशबोर्ड से कई जानकारियां हटा दी हैं

गुजरात कांग्रेस ने प्रदेश सरकार पर आरोप लगाया कि पहले उसने कोविड-19 की जांच की संख्या कम करके और अब जनता के सामने उचित जानकारी साझा न करके कोरोना वायरस से जुड़े वास्तविक आंकड़े छिपाए हैं। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा नीत सरकार ने अपने कोरोना वायरस डैशबोर्ड से कई जानकारियां हटा दी हैं और दैनिक ब्रीफिंग भी बंद कर दी है। इसके अलावा जिलेवार आंकड़े भी पेश नहीं किए जा रहे हैं।गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि भाजपा सरकार कोरोना वायरस की रोकथाम के बजाय संक्रमित लोगों के सही आंकड़े छिपाने में लगी है।दोशी ने कहा, राज्य सरकार की ओर से प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) जयंती रवि ने भी दैनिक ब्रीफिंग करनी बंद कर दी है। सरकार ने दैनिक अपडेट के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कोरोना वायरस डैशबोर्ड पर से महत्वपूर्ण जानकारियां भी हटा ली हैं। साथ ही उसने मामलों की शहर-वार जानकारियां देनी भी बंद कर दी हैं। उन्होंने कहा कि महामारी से लड़ने में अपनी दयनीय विफलता के बाद राज्य का स्वास्थ्य विभाग अब इस मामले पर पर्दा डाल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य के अधिकारी जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य सरकार ने इससे पहले कोविड-19 संक्रमण के मामलों का पता लगाने के लिए दैनिक आधार पर की जाने वाली जांचों की संख्या कम कर दी थी।

पटना में दिल्ली से आए एक मरीज को कोविड 19 के चलते सुरक्षात्मक परिधान के साथ एंबुलेंस से उतारता चिकित्साकर्मी

गोवा के लोकायुक्त ने पूर्व मुख्यमंत्री के खिलाफ मामला दर्ज नहीं होने पर राज्य सरकार को फटकार लगाई

भाषा। पणजी,

राज्यपाल को एक चिट्ठी लिखकर, गोवा के लोकायुक्त ने खनन पट्टों के नवीनीकरण में कथित अनियमितताओं को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत परसेकर और अन्य दो के खिलाफ मामला नहीं दर्ज करने पर भाजपा नीत राज्य सरकार के प्रति असंतोष जताया है। राज्यपाल सत्यपाल मलिक को लिखे पत्र में लोकायुक्त ने महाकाव्य महाभारत के चरित्रों को उद्धृत करते हुए कहा कि सरकार प्रभावशाली और शक्तिशाली लोगों को बचा रही है। उल्लेखनीय है कि इस साल जनवरी में गोवा के लोकायुक्त ने राज्य सरकार से पूर्व मुख्यमंत्री लक्ष्मीकांत पारसेकर, तत्कालीन खनन सचिव पवन कुमार सैन और खान एवं भूगर्भ विभाग के पूर्व निदेशक प्रसन्ना आचार्य के खिलाफ गैर कानूनी रूप से लौह अयस्क खनन का पट्टा नवीनीकृत करने के मामले में भ्रष्टाचार निरोधी ब्यूरो (एसीबी) के जरिए प्राथमिकी दर्ज करने की अनुशंसा की थी। लोकायुक्त ने आरोप लगाया है कि खनन पट्टों के नवीनीकरण में भ्रष्टाचार और आपराधिक साजिश रची गई है। हालांकि, गोवा सरकार ने लोकायुक्त द्वारा आरोपी बनाए जाने के बावजूद तीनों के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया। गोवा के लोकायुक्त सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति पीके मिश्रा ने पत्र में कहा, 12 जनवरी, 2015 को जो कुछ भी हुआ, उसे केवल धृतराष्ट्र और या गांधारी ही नहीं देख पाते। ऐसा लगता है कि इन दिनों धृतराष्ट्रों या गांधारी की मेरे भारत महान में कोई कमी नहीं है। उन्होंने लिखा, उस मामले में भी, ऐसा लगता है कि उचित सलाह देने में शकुनियों की कोई कमी नहीं है। लोक प्रशासन में पुत्र मोह का स्थान पार्टी मोह या अन्य प्रकार के मोह (लालच) ने ले लिया है तथा केवल भ्रष्टाचार खत्म करने की बात की जा रही है, वास्तव में भ्रष्टाचार खत्म के लिए केवल बातें ही हो रही हैं। लोकायुक्त ने कहा कि प्रभावशाली तथा शक्तिशाली लोगों के बचाव की आम परिपाटी को देखते हुए रिपोर्ट को अस्वीकार करने की उम्मीद पहले से ही थी। कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लोकायुक्त ने कहा, संस्थान मुख्यमंत्री और राज्यपाल द्वारा जमा की गई कार्वाई रिपोर्ट (एटीआर) में दिए गए कारणों से संतुष्ट नहीं है और मामले की गंभीरता को देखते हुए धारा-16(3) के तहत रिपोर्ट की जरूरत है। उन्होंने कहा कि दोनों एटीआर महाधिवक्ता और प्रत्यक्ष और परोक्ष सलाहकारों की सलाह है तथा एक तरह की हैं। लोकायुक्त ने कहा, महाधिवक्ता की राय, ऐसा लगता है कि आधे-अधूरे विचारों और कानून के सरसरी वाचन पर आधारित है। लोकायुक्त ने कहा कि उसने 88 पट्टों के नवीकरण की जल्दबाजी का हवाला नहीं दिया है, लेकिन 5 से 12 जनवरी, 2015 के बीच पट्टों के नवीकरण पर विचार किया गया था। उन्होंने टिप्पणी की कि अगर उपरोक्त कानून अधिकारों का दुरुपयोग नहीं है तो भगवान ही बता सकता है कि ऐसी गतिविधियों का क्या अर्थ है और सिर्फ भगवान ही इस राज्य को बचा सकता है।

गोवाः बीच समुद्र में नौका से मछली चुराने के आरोप में 15 व्यक्ति गिरफ्तार

भाषा। पणजी

गोवा तट और महाराष्ट्र स्थित मालवण के बीच मछली पकड़ने की एक नौका से मछली और नौवहन उपकरण चुराने के आरोप में गोवा तटीय पुलिस शनिवार को 15 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 15 सदस्ईय गिरोह को उसके सरगना नारायण अडकर नाम के एक व्यक्ति के साथ गिरफ्तार किया गया। अधिकारी ने कहा कि गोवा तट से लगभग 60-65 समुद्री मील दूर मछली पकड़ने की एक नौका पर गिरोह ने लूटपाट की तथा मछली और अन्य सामान लेकर भाग गए। नौका के मालिक जोआओ फर्नांडीस की शिकायत के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। अधिकारी के अनुसार आरोपी शुक्रवार सुबह फर्नांडीस की नौका पर आए और चालक दल के सदस्यों को बंधक बना लिया। इसके बाद वे लूट के सामान के साथ दूसरी नौका से भाग निकले। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

कोविड-19 पर काबू पाने के लिए स्वीडन मॉडल अपना रही बंगाल सरकारः विशेषज्ञ

भाषा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य में लॉकडाउन संबंधी पाबंदियों में ढील देने की घोषणा के बीच एक जानेमाने चिकित्सक ने कहा है कि कोविड-19 की जांच बढ़ाने के साथ ऐसा लगता है कि राज्य सरकार वैश्विक महामारी पर नियंत्रण पाने के लिए धीरे-धीरे स्वीडन या ताईवान का मॉडल अपना रही है। सरकारी एसएसकेएम अस्पताल के डॉ. दीप्तेंद्र सरकार ने कहा कि लगभग 70 दिन से देशभर में लॉकडाउन है और केंद्र तथा राज्य दोनों ही सरकारों ने इस महामारी से निपटने के लिए अपने संसाधन जुटा लिए हैं। अब समय आ गया है कि पाबंदियों में धीरे-धीरे ढील दी जाए। उन्होंने कहा, मुझे गलता है कि वे दूसरे मॉडल को अपना रहे हैं। अभी तक वे पूरी ताकत से जिस मॉडल को अपना रहे थे वह लॉकडाउन का है।

चीन के वुहान में 72 दिन के लॉकडाउन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि 60 से 70 दिन का लॉकडाउन संक्रमण के मामले कम करता है। सरकार ने कहा, स्वीडन मॉडल में या ताईवान अथवा दक्षिण कोरिया में उन्होंने लॉकडाउन के बजाय जांच बढ़ाने और उच्च जोखिम वाली आबादी को अलग करने पर जोर दिया जिसमें उन्हें उतनी ही सफलता मिली। उन्होंने कहा कि सरकार ने शुरुआत में जांच सुविधाएं नहीं होने की वजह से कड़ा लॉकडाउन लगाया था, लेकिन अब देशभर में प्रतिदिन करीब एक लाख नमूनों की जांच क्षमता के साथ सरकार लॉकडाउन मॉडल से स्वीडन या दक्षिण कोरिया अथवा ताईवान के मॉडल की ओर जा रही है।

डॉ. सरकार ने कहा कि इंपीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के एक अध्ययन के अनुसार अगर 60 प्रतिशत आबादी साधारण मास्क पहने तो संक्रमण को 90 प्रतिशत तक फैलने से रोका जा सकता है। एसोसिएशन ऑफ हेल्थ सर्विस डॉक्टर्स के सचिव डॉ मानस गुमटा ने इस बात पर तो सहमति जताई कि किसी समय तो लॉकडाउन हटाया जाना चाहिए, लेकिन राज्य में बंद में दी जा रही ढील के तरीके पर उन्होंने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन हटाने का वैज्ञानिक आधार होना चाहिए।

गुमटा ने चरणबद्ध तरीके से लॉकडाउन हटाए जाने की जरूरत बताते हुए कहा, लॉकडाउन सामान्यतया स्वास्थ्य संबंधी ढांचे को तैयार करने के लिहाज से समय निकालने के लिए था ताकि महामारी से प्रभावी तरीके से निपटा जा सके। उन्होंने कहा, जिस तरह से लॉकडाउन बिना किसी तैयारी के हटाया जा रहा है, इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। गुमटा ने कहा कि सरकार को राजस्व की जरूरत है और लोगों को भी आजीविका चाहिए और इसलिए लॉकडाउन धीरे-धीरे हटाना होगा।

आत्मनिर्भर भारत के लिए हमारा रुख प्रगतिशील

भाषा। नई दिल्ली

मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल की पहली वर्षगांठ पर भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने आत्मनिर्भर भारत को लेकर आशंकाओं पर स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि इसके लिए हमारा रुख प्रगतिशील है और यह लाइसेंस राज को दोबारा लाने के बारे में नहीं है। नड्डा ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ आगे की ओर बढ़ने को लेकर है जहां देश के उद्यमियों को प्रोत्साहित किया जाए और इसका मतलब यह कतई नहीं है कि सरकार के रूख में किसी तरह की नकारात्मकता होगी।

भाजपा ने कहा कि इसमें कोई लाइसेंस या कोटाराज लाने की बात नहीं है। हमारी चिंता हमारे लोगों और उद्यमियों को प्रोत्साहित करने से जुड़ा है। हमारा रूख प्रगतिशील होगा, प्रतिगामी नहीं। हमारी सोच प्रगतिशील है और हम इसे आगे बढ़ाएंगे। नड्डा से पूछा गया था कि क्या सरकार की आत्मनिर्भरता से जुड़ी पहल में पुरानी लाइसेंस राज की ओर वापस लौटना भी शामिल है जिस व्यवस्था को 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद खत्म किया गया था। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विगत छः वर्षों में भारत स्वावलंबी हुआ है और देश ने आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी का नेतृत्व है जिसके बल पर आत्मसम्मान के साथ भारत की एक अलग और निर्णायक छवि पूरी दुनिया में बनी है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने पिछले छह वर्षों में साथ दशकों की खाई को भरने का सफल प्रयास किया है।

पहले कार्यकाल में मोदी सरकार ने जहां विशेष रूप से इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट और आर्थिक सुधारों पर फोकस किया, वहीं दूसरे कार्यकाल के प्रथम वर्ष में देश की एकता, अखंडता और सामाजिक एवं आर्थिक न्याय की दिशा में कदम बढ़ाए गए। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए 20 लाख करोड़ रुपए का विशेष पैकेज जारी किया जिसके तहत देश के हर सेक्टर को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने के स्वप्न को साकार किया जाएगा। मनरेगा के लिए रिकॉर्ड एक लाख करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में भी भारत ने आगे बढ़ कर विश्व के 100 से अधिक देशों तक मदद पहुंचाई जो वसुधैव कुटुंबकम की हमारी संस्कृति को चरितार्थ करता है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी सरकार 2.0 ने कई ऐसे निर्णय लिए जिससे वैश्विक मंदी के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था को गति मिली जैसे कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का मार्ग प्रशस्त करना, कार्पोरेट कर कम करना, बैंको का विलय, कम्पनी कानून में सुधार और लघु, सूक्ष्म एवं मध्यम उद्यम क्षेत्र के विकास के लिए आसान ऋण की व्यवस्था आदि शामिल है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूरा होने का जिक्र करते हुए नड्डा ने कहा कि पार्टी इस अवसर पर ढाई सौ जगहों पर वर्चुअल प्रेस वार्ताएं आयोजित करेगी। लगभग दो हजार से अधिक वर्चुअल रैलियाँ आयोजित की जाएंगी और हर रैली में कम से कम 1000 पार्टी कार्यकर्ता और आम नागरिक भाग लेंगे। पार्टी के सभी मोर्चों के कार्यकर्ता 500-500 की संख्या में वर्चुअल रैलियाँ करेंगे।

पुरी में आयोजित होने वाली भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए पहियों का निर्माण करते कारीगर

भारत में कोविड-19 के करीब 28 फीसद मरीज बिना लक्षण वाले

भाषा। नई दिल्ली

भारत में 22 जनवरी से लेकर 30 अप्रैल तक कोविड-19 से संक्रमित हुए कुल 40,184 मरीजों में कम से कम 28 फीसद इस बीमारी के बिना लक्षण वाले रोगी थे , ऐसे में कम या बिना लक्षण वाले मरीजों से कोरोना वायरस संक्रमण के फैलने की चिंता पैदा हो गई है।

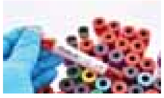

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के वैज्ञानिकों द्वारा अन्य संगठनों के साथ किए गए अध्ययन के अनुसार जिन लोगों की जांच की गई और जो संक्रमित पाए गए उनमें एक बड़ा हिस्सा ऐसे लोगों का था जो संक्रमितों के संपर्क में आए थे लेकिन उनमें इस बीमारी के लक्षण नजर नहीं आ रहे थे। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) में प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक कुल संक्रमित व्यक्तियों में करीब 5.2 फीसद स्वास्थ्यकर्मी हैं। इस अध्ययन के अनुसार बिना लक्षण वाले 28.1 फीसद मरीजों में 25.3 फीसद, संक्रमितो के सीधे और अधिक जोखिम वाले संपर्क रहे लोग थे जबकि 2.8 फीसद बिना पर्याप्त सुरक्षा के संक्रमितों के संपर्क में आने वाले स्वास्थ्यकर्मी थे।

आईसीएमआर के राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान के निदेशक और इस अध्ययन के लेखकों में एक मनोज मुरहेकर ने कहा, लेकिन गैर लक्षण वाले संक्रमित लोगों का हिस्सा 28.1 फीसद से भी अधिक हो सकता था और यह हमारे लिए चिंता का विषय है। मुरहेकर ने बताया कि इस अध्ययन में सामने आया कि सत्यापित मामलों का हिस्सा संक्रमितों के संपर्क में आए बिना लक्षण वाले मरीजों में सवार्धिक था, यह गंभीर श्वसन संक्रमण वाले मरीजों, अंतरराष्ट्रीय यात्रा पृष्ठभूमि वाले मरीजों या संक्रमित स्वास्थ्यकर्मियों से दो-तीन गुणा अधिक है।

बाईस जनवरी से लेकर 30 अप्रैल तक 10,21,518 लोगों का कोरोना वायरस को लेकर परीक्षण किया गया। जहां मार्च में रोजाना 250 जांचें होती थीं वहीं अप्रैल के आखिर तक 50000 हो गईं। इस दौरान 40,184 संक्रमित पाए गए यानी जितने लोगों का परीक्षण हुआ। कोरोना वायरस का हमला सबसे अधिक (63.3फीसद) 50-59 साल के उम्र के लोगों में था जबकि सबसे कम (6.1 फीसद)10 साल से कम उम्र में था। पुरुषों में यह 41.6 फीसद जबकि महिलाओं में 24.3 फीसद था।

पंजाब के मंत्री ने मुफ्त बिजली के मुद्दे पर शिरोमणि अकाली दल की आलोचना की

भाषा। चंडीगढ़

पंजाब के मंत्री तृप्त राजिंदर सिंह बाजवा ने निशुल्क बिजली के मुद्दे पर शनिवार को शिरोमणि अकाली दल पर पलटवार किया और उसे केंद्र में अपनी सहयोगी भाजपा से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना के जरिए किसानों को नकदी भेजने की शर्त थोपने पर सवाल पूछने को कहा। विपक्षी शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) ने आरोप लगाया है कि राज्य में कांग्रेस नेतृत्व वाली सरकार योजना को प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) में बदलने के नाम पर किसानों से निशुल्क बिजली वापस लेने जा रही है। हालांकि, सरकार ने कहा है कि वह किसानों को निशुल्क बिजली मुहैया कराती रहेगी। मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को ट्वीट किया, अपने किसानों को हम फिर से आश्वस्त करना चाहेंगे कि पंजाब में कृषि के लिए निशुल्क बिजली वापस लेने की कोई योजना नहीं है। मैं आपकी आर्थिक स्थिति से वाकिफ हूं और देश के लिए फसल उगाने के वास्ते आपकी मेहनत की प्रशंसा करता हूं। मुफ्त बिजली जारी रहेगी। राज्य ने 27 मई को एक विज्ञप्ति में कहा था कि वह मुफ्त बिजली के बदले में डीबीटी के जरिए किसानों को नकदी हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए वित्त वर्ष 2021-22 के लिए एक योजना लाएगी। मीडिया से बात करते हुए बाजवा ने कहा कि केंद्र ने राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) का 0.15 प्रतिशत अतिरिक्त उधार लेने का हकदार बनने के लिए राज्य को मुफ्त बिजली के एवज में सभी किसानों के लिए डीबीटी शुरू करने की शर्त रखी है। बाजवा ने कहा, मैं सुखबीर (बादल), (विक्रम सिंह) मजीठिया और हरसिमरत (कौर बादल) से पूछना चाहता हूं क्या उन्होंने शर्तें पढी है। आप केंद्र में उनके (भाजपा) सहयोगी हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह सब जानकर भी वे (शिरोमणि अकाली दल) हम पर दोष मढ़ रहे हैं जबकि सारी गड़बड़ी मोदी सरकार की है।

टिड्डियों की एक प्रजाति का फसल पर हमला

● कृषि विभाग को दिए गए जरूरी निर्देश

भाषा। चेन्नई

फाइल फोटो

तमिलनाडु के कुछ जिलों में टिड्डियों की एक प्रजाति ने केला, रबड़ और अन्य फसलों पर धावा बोल दिया है जिससे किसानों के बीच पैदावार को नुकसान को लेकर चिंता गहरा गई है। सरकार ने उन्हें आश्वस्त किया है कि समस्या से निजात दिलाने के लिए कृषि विभाग को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं।

पिछले कुछ दिनों में कीट की कुछ प्रजाति को गलती से टिड्डी दल समझ लिया गया। मरूस्थल से आने वाले टिड्डी दल ने देश के उत्तर पश्चिम हिस्से में फसलों को निशाना बनाया है। प्रकृति संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय संघ के जीव प्रजाति बचाव आयोग के एक समूह के एक सदस्य के मुताबिक नीलगिरि और आसपास के क्षेत्र में इस तरह के कीट नहीं मिले हैं इसलिए फिलहाल कोई खतरा नहीं है। केरल की सीमा से लगे कन्याकुमारी जिले के पूवानकोडे और वियानुर में किसानों ने दावा किया कि टिड्डी दल ने बड़े पैमाने पर केला और रबड़ की पैदावार को नुकसान पहुंचाया है। राज्य के राजस्व मंत्री आर बी उदयकुमार ने शनिवार को किसानों को आश्वस्त किया कि कृषि विभाग को समस्या से निजात दिलाने के लिए निर्देश दिए गए हैं।

उदयकुमार ने कहा कि वेट्टूकिल्ली कीट के हमले से डरने की जरूरत नहीं है। कृषि विभाग को फसलों की रक्षा के लिए कहा गया है। इससे पहले उधागमंडलम के पास खंडाल के एक किसान ने अलग-अलग तरह के कुछ कीटों को पकड़ा और जिला प्रशासन को सूचित किया।

नीलगिरि की जिलाधिकारी इन्नोसेंट दिव्या ने विशेषज्ञों से बातचीत की और किसानों को आश्वस्त किया कि उनके जिले में पाई गई कीट प्रजातियां टिड्डी दल नहीं हैं। तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ भी जल्द ही निरीक्षण कर तथ्यों का पता लगाएंगे। बहरहाल, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन ने अनुरोध किया है कि मामले में राज्य सरकार को तुरंत कदम उठाना चाहिए।

बेंगलुरु में मानसून की बारिश से पहले बरती जाने वाली सावधानियों पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करते कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा

आंध्र प्रदेश के सीएम ने आरबीके योजना की शुरुआत की

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी ने अपनी सरकार का एक वर्ष पूरा होने के मौके पर शनिवार को अपनी महत्वपूर्ण योजना रायतु भरोसा केंद्रालु (आरबीके) की शुरूआत की। इस योजना के तहत राज्यभर के किसानों को कृषि और संबंधित क्षेत्रों की सभी वस्तुएं और सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आरबीके योजना से किसानों के जीवन में एक क्रांतिकारी बदलाव की शुरूआत होगी क्योंकि वे बीज की खरीद से लेकर उनकी अंतिम उपज की बिक्री तक हर कदम में उनकी सहायता करेंगे। मुख्यमंत्री ने यहां ताडेपल्ली में अपने कार्यालय से वीडियो कांफ्रेंस के जरिए कंप्यूटर का बटन दबाकर 10,641 आरबीके का उद्घाटन किया। इसके साथ ही उन्होंने किसानों की शिकायतों के निवारण के लिए 155251 नंबर के साथ एक एकीकृत कॉल सेंटर की शुरूआत की।

पाकिस्तान में फंसे गुजरात के 26 लोगों ने वापसी के लिए विदेश मंत्रालय से मदद मांगी

गोधरा (गुजरात)। लॉकडाउन के कारण पाकिस्तान में फंसे गुजरात के गोधरा जिले के 26 लोगों ने चार जून को अटारी-वाघा सीमा पार कर घर लौटने के लिए विदेश मंत्रालय की मदद मांगी है। सभी लोग विवाह में शामिल होने और रिश्तेदारों से मिलने के लिए फरवरी-मार्च में कराची गए थे, लेकिन भारत में कोरोना वायरस संकट के मद्देनजर राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू होने के कारण वहीं फंस गए। लॉकडाउन के दौरान सभी ट्रेनें और उड़ानें बंद हो गई थीं और अटारी सीमा भी बंद कर दिया गया था। भारतीय उच्चायोग को लिखे एक पत्र में समूह ने अनुरोध किया है कि विदेश मंत्रालय यह सुनिश्चित करे कि वे चार जून को अटारी-वाघा सीमा पार कर गोधरा के लिए ट्रेन पकड़ सकें। पत्र में उन्होंने कहा है, कृपया हमें तुरंत सूचित करें ताकि हम दो जून को कराची से निकल सकें और चार जून को समय पर वाघा-अटारी सीमा पर पहंच सके। आशा करते हैं कि आप हमारे लिए हर संभव व्यवस्था करेंगे। इस समूह में शामिल इसहाक बोकदा ने कराची से एक वीडियो संदेश में कहा, सीमा पार करना ही अब हमारे लिए एकमात्र बाधा है। पत्र और वीडियो संदेश मीडिया के साथ साझा करते हुए अरमान बोकदा ने कहा, एक जून से भारत में ट्रेन सेवा शुरू हो रही है, और कराची में फंसे मेरे परिवार के छह सदस्यों सहित गोधरा के 26 लोग ने चार जून को गोल्डेन टेम्पल मेल से टिकट बुक की है। उन्होंने बताया कि सभी लोग अमृतसर से ट्रेन लेंगे, लेकिन सीमा पार करने को लेकर वे अभी भी अनिश्चितता में हैं। बोकदा ने बताया, लॉकडाउन के कारण करीब 300 भारतीय पाकिस्तान में फंसे हुए हैं। उन्होंने सरकार से अनुरोध किया था कि वंदे भारत मिशन के तहत विशेष विमान से उन्हें वापस लाया जाए। लेकिन कोई व्यवस्था नहीं हुई।

दो मंदिरों के पास कच्चा मांस रखने के आरोप में एक व्यक्ति गिरफ्तार

कोयंबटूर। कोयंबटूर में दो मंदिरों के पास कथित तौर पर कच्चे मांस के टुकड़े रखने के आरोप में 48 वर्षीय एक बेरोजगार इंजीनियरिंग स्नातक को गिरफ्तार किया गया है, जिसे सूअर का मांस समझा जा रहा है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने एक विज्ञप्ति में कहा कि प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि उसका किसी भी धार्मिक और जातिवादी संगठन से संबंध नहीं है। पुलिस ने बताया कि कुछ पारिवारिक विवाद के कारण वह मानसिक रूप से परेशान लग रहा था और सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद शुक्रवार शाम को उसे गिरफ्तारी किया गया। फुटेज में देखा गया कि एक व्यक्ति बैग वहां रखा और मोटरसाइकिल से वापस चला गया। मोटर साइकिल की पंजीकरण संख्या के आधार पर उस व्यक्ति का पता लगाया गया। कच्चा मांस कल वेणुगोपाल कृष्णस्वामी और श्री राघवेंद्र मंदिरों के सामने मिला था।

पेज एक का शेष

पीएम मोदी...

है लेकिन हम विजय पथ पर चल पड़े हैं और विजयी होना हम सबका सामूहिक संकल्प है। कोरोना वायरस के प्रति लोगों को सचेत करते हुए उन्होंने कहा कि हमें ये भी ध्यान रखना है कि जीवन में हो रही असुविधा, जीवन पर आफ्त में न बदल जाए। इसके लिए प्रत्येक भारतीय के लिए प्रत्येक दिशा-निर्देश का पालन करना बहुत आवश्यक है। जैसे अभी तक हमने धैर्य और जीवटता को बनाए रखा है, वैसे ही उसे आगे भी बनाए रखना है। देशवासियों के नाम लिखे पत्र में मोदी ने कोविड-19 के कारण लागू देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान प्रवासी मजदूरों, कारीगरों, छोटे उद्योगों, दुकानदारों, रेहड़ी पटरी वालों को हुई परेशानियों का जिक्र किया और कहा कि इनकी परेशानियां दूर करने के लिए सभी मिलकर प्रयास कर रहे हैं। मोदी ने कहा कि निश्चित तौर पर, इतने बड़े संकट में कोई ये दावा नहीं कर सकता कि किसी को कोई तकलीफ और असुविधा नहीं हुई। हमारे श्रमिक साथी, प्रवासी मजदूर, छोटे-छोटे उद्योगों में काम करने वाले कारीगर, पटरी पर सामान बेचने वाले, रेहड़ी-ठेला लगाने वाले, दुकानदार, लघु उद्यमियों ने असीमित कष्ट सहा है और इनकी परेशानियां दूर करने के लिए सभी मिलकर प्रयास कर रहे हैं। कोविड-19 से अर्थव्यवस्था पर पडने वाले प्रभावों और उससे निपटने का संकल्प व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज समय की मांग है कि हमें अपने पैरों पर खड़ा होना ही होगा। अपने बलबूते पर चलना ही होगा और इसके लिए एक ही मार्ग है- आत्मनिर्भर भारत। आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए हाल में घोषित 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि यह अभियान किसानों, श्रमिकों, लघु उद्यमियों, स्टार्ट अप्स से जुड़े नौजवानों सहित सभी लोगों के लिए नए अवसरों का दौर लेकर आएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक वर्ष में राष्ट्रीय एकता-अखंडता के लिए अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करना, सदियों पुराने संघर्ष के सुखद परिणाम के रूप में राम मंदिर निर्माण की बात हो, आधुनिक समाज व्यवस्था में रुकावट बना एक बार में तीन तलाक हो, या फ्रि भारत की करुणा का प्रतीक नागरिकता संशोधन कानून जैसे कार्य हुए हैं। उन्होंने प्रमुख रक्षा अध्यक्ष पद के गठन, मिशन गगनयान की तैयारी, प्रधानमंत्री कृषि सम्मान निधि, ग्रामीण घरों में पाइप से शुद्ध पेयजल पहुंचाने की योजना, मछुआरों के लिए सुविधाएं एवं ब्लू इकोनॉमी को मजबूत बनाने तथा किसान, खेतिहर मजदूर, छोटे दुकानदार और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों आदि सभी के लिए 60 वर्ष की आयु के बाद तीन हजार रुपए की नियमित मासिक पेंशन योजना का भी उल्लेख किया।

दिल्ली में...

से बढ़ाकर 2677 बेड कर दिए हैं। आगामी 5 जून तक प्राइवेट में 3,677 बेड हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि ऐसे इंतजाम किए जा रहे हैं कि अस्पतालों में जगह कम पड़ने पर मरीजों को होटलों में षिफ्ट किया जा सके। इसके लिए लगातार बड़े निजी अस्पतालों को सितारा होटलों से जोड़ा जा रहा है। षुक्रवार को बत्रा हॉस्टिपटल को होटल क्राउन प्लाजा, ओखला, इंद्रप्रस्थ अपोलो को होटल सूर्या न्यू फ्रैंड्स कॉलोनी, डॉ. बीएल कपूर मेमोरियल अस्पताल को होटल सिद्धार्थ राजेंद्र प्लेस, सर गंगाराम अस्पताल को होटल जीवितेष पूसा रोड और मैक्स को होटल षेरेटन साकेत से जोड़ा गया है। कोविड अस्पतालों से जुड़े इन होटल कम कोविड अस्पतालों में नर्स, डॉक्टर, ऑक्सीजन समेत अन्य मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इन होटलों में भर्ती मरीजों से प्रति दिन प्रति मरीज पांच हजार से अधिक षुल्क नहीं लिया जा सकेगा। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में कुल कोरोना मरीजों से दोगुने बेड की व्यवस्था हो चुकी है। इसके बावजूद लोगों को पता नहीं होता कि आखिर कोरोना होने पर जाना कहां हैं। इस समस्या से निपटने के लिए आगामी सोमवार को एक ऐप लांच किया जाएगा। इसमें अस्पतालों का डेटा होगा, जिससे यह पता चल सकेगा कि कहां कितने बेड खाली हैं या कितने वेंटिलेटर हैं और कितने खाली हैं। इसके लिए एक वेबसाइट भी बनाई जा रही है। केजरीवाल के मुताबिक, पिछले 15 दिनों में 8500 कोरोना केस सामने आए, लेकिन हॉस्पिटल में सिर्फ 500 ही भर्ती हुए हैं बाकियों का घर पर इलाज चल रहा। षनिवार को 1163 नए केस आए हैं और 229 ठीक होकर घर गए। अभी तक 416 मरीजों की मौत हो चुकी है और कुल 8,075 स्वस्थ हो चुके है। मौजूदा समय में कुल 10,058 लोग कोरोना से पीड़ित हैं।

एलएसी पर...

राजनाथ सिंह ने कहा कि तनाव का केंद्र बनी गालवान घाटी में सैन्य शक्ति को मजबूत किया गया है। नई दिल्ली में एक निजी टेलीविजन चैनल के साथ साक्षात्कार में मंत्री ने कहा कि भारत ने अमेरिका को बता दिया है कि सीमा पर उपजे हालात को चीन के साथ द्विपक्षीय बातचीत से हल कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को उन्होंने अमेरिका के सचिव (रक्षा) से बातचीत में कहा कि भारत एक तय प्रक्रिया के तहत चीन के साथ अपने विवादों को सैन्य और राजनयिक दोनों स्तरों पर सुलझाते हैं।

आंधी-तूफान...

शाही दरवाजा, दक्षिणी दरवाजा के उत्तर पश्चिम गुलदस्ता स्तंभ टूटकर गिर गए थे। उस वक्त आंधी में सरहिंदी बेगम, फतेहपुरी बेगम के मकबरों में भी गुलदस्ता स्तंभ गिरे थे। इस बीच तूफान की वजह से आगरा शहर और देहात में कई जगह बिजली के खंभे और पेड़ उखड़ने के साथ ही मकान गिरने की भी सूचना आई है। करीब 100 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से आई आंधी में तीन लोगों की मौत की और 25 लोगों के घायल होने की खबर हैं। आंधी में मकान ढहने से गांव नगरा कर्म सिंह में एक बालिका और फतेहाबाद तथा डौकी में दो लोगों की मौत हो गई, हालांकि इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

बैरकों में दो गज की दूरी बनाए रखने के नए तरीके तलाश रही है सीआरपीएफ

भाषा। नई दिल्ली

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों की एक समिति गठित की है जो बैरकों और जवानों के साझा शौचालयों में सामाजिक दूरी बनाए रखने के लिए बेहतर तरीके बताएगी। इससे बल में कोरोना वायरस संक्रमण को फैलने से रोका जा सकेगा।

बल के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दिल्ली के मयूर विहार फेज तीन में स्थित बल की 31वीं बटालियन के 140 जवानों के संक्रमित होने और कुछ अन्य मामले आने के बाद इस चुनौती से निपटने के नए तरीके खोजने के लिए यह फैसला लिया गया है। इससे बल में सामाजिक दूरी के नियमों का पालन सुनिश्चित करते हुए उन्हें कार्वाई के लिए तैयार रखा जा सकेगा। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31वीं बटालियन के लगभग सभी जवान संक्रमण मुक्त हो चुके हैं। बल के संक्रमित 400 से ज्यादा जवानों में से करीब 170 का फिलहाल इलाज चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि समिति की अध्यक्षता सीआरपीएफ मुख्यालय में पदस्थ अतिरिक्त महानिदेशक कर रहे हैं और सभी जोन के कमांडरों को इस संबंध में अपने-अपने विचार भेजने को कहा गया है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआरपीएफ के महानिदेशक एपी माहेश्वरी के निर्देश पर इस समिति का गठन हुआ है और उन्होंने समय सीमा के भीतर रिपोर्ट मांगी है ताकि बैरकों और जवानों द्वारा उपयोग किए जाने वाले शौचालयों में स्वच्छता सुनिश्चित की जा सके। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि कुछ परिसरों में बेहद छोटी जगह में रहना, सोना आदि चिंता के विषय हैं, क्योंकि कुछ स्थाई और अस्थाई शिविरों को बड़ा करने की जगह नहीं है।

वरवर राव मुंबई के अस्पताल में भर्ती

भाषा। हैदराबाद

● एल्गार परिषद मामले में हैं गिरफ्तार, परिवार ने जमानत की मांग की

एल्गार परिषद मामले में गिरफ्तार सामाजिक कार्यकर्ता वरवर राव को मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उनके परिवार ने उन्हें तत्काल जमानत पर रिहा करने की शनिवार को मांग की। हैदराबाद के पुलिस आयुक्त अंजनी कुमार ने ट्वीट किया, यह मालूम चला है कि श्री वरवर राव को न्यायिक हिरासत में रहते हुए मुंबई के जे जे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस मामले की जानकारी परिवार के सदस्यों को दे दी गई है और मुंबई तक यात्रा के लिए डीसीपी सेंट्रल जोन द्वारा परिवार के लिए जरूरी पास जारी किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम मुंबई में एजेंसियों के साथ समन्वय बिठा रहे हैं। 80 वर्षीय राव फिलहाल नवी मुंबई की तालोजा जेल में बंद हैं। वरवर राव की पत्नी हेमलता ने शनिवार को एक बयान में उनके स्वास्थ्य को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मुंबई में उनसे मुलाकात की अनुमति प्राप्त करने के लिए कानूनी प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, यह काफी होगा कि सरकार कोविड-19 के संदर्भ में जरूरी मंजूरी दे दे और हम यात्रा का प्रबंध खुद कर लेंगे। उन्होंने केंद्र और महाराष्ट्र एवं तेलंगाना की सरकारों से तत्काल उनके साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कराने का अनुरोध किया है ताकि परिवार के सदस्यों को उनके स्वास्थ्य की सही स्थिति का पता चल सके।

हेमलता ने कहा कि चूंकि वरवर राव पहले ही फर्जी आरोपों और बिना किसी सुनवाई के 18 माह की कैद काट चुके हैं, इसलिए उन्हें तत्काल जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। यह बताते हुए कि राव को पहले से ही हृदय की बीमारी और उच्च रक्तचाप जैसी समस्याएं हैं, हेमलता ने कहा कि डॉक्टरों की विशेषज्ञ टीम द्वारा उनकी चिकित्सीय जांच होनी चाहिए ताकि वर्तमान समस्या के कारणों का पता चल सके। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्रालय एनआईए को निर्देश दे कि वह राव और अन्य आरोपी के खिलाफ प्रतिशोधी दृष्टिकोण को छोड़ दे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, वरवर राव की सेहत और सुरक्षा की जिम्मेदारी तेलंगाना सरकार की है क्योंकि उन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के लिए 1969 से हुए विभिन्न आंदोलनों में हिस्सा लिया है। वरवर राव की सेहत पर चिंता जताते हुए भाकपा के पूर्व महासचिव एस सुधाकर रेड्डी ने उनकी रिहाई और उन्हें हैदराबाद के अस्पताल में स्थानांतरित करने की मांग की। इस बीच, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री किशन रेड्डी ने दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंस में कहा कि वह कानून के अनुरूप काम करेंगे।

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर प्रधानमंत्री व गडकरी ने दी बधाई

भाषा। पुडुचेरी

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री वी नारायणसामी शनिवार को 73 वर्ष के हो गए लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण किसी उत्सव का आयोजन नहीं किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली और तमिलनाडु के कांग्रेस नेताओं ने भी नारायणसामी को जन्मदिन की बधाई दी। मोदी ने ट्वीट किया, पुडुचेरी के मुख्यमंत्री श्री वी नारायणसामी को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं। मैं उनकी लंबी उम्र और स्वस्थ जीवन की प्रार्थना करता हूं। जन्मदिन का कार्यक्रम बेहद सादगी भरा रहा क्योंकि नारायणसामी ने कोविड-19 के हालात को देखते हुए पहले ही कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं से उनका जन्मदिन नहीं मनाने की अपील की थी। पुडुचेरी से लोकसभा सांसद वी वैथीलिंगम ने भी वरिष्ठ कांग्रेस नेता को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं दीं।

कोलकाता में लॉकडाउन के चौथे चरण के दौरान हावड़ा स्टेशन के बाहर अपने मूल स्थान पर जाने के लिए बसों में सवार होने के लिए पहुंचे प्रवासी मजदूर

कांग्रेस विधायक चाहते हैं कि महाराष्ट्र विधानमंडल का मानसून सत्र इगतपुरी में हो

भाषा। मुम्बई

कांग्रेस के विधायक हीरामन खोसकर ने महाराष्ट्र सरकार से विधानमंडल का मानसून सत्र नासिक जिले में उनके निर्वाचन क्षेत्र इगतपुरी में आहूत करने का अनुरोध किया है और कहा है कि यह क्षेत्र कोरोना वायरस से मुक्त है। विधानसभा और विधानपरिषद का मानसून सत्र 22 जून से शुरू होने वाला है।

खोसकर ने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झीरवाल को पत्र लिखा है। उन्होंने पीटीआई भाषा से कहा कि यदि मांग मान ली जाती है तो यह पहली बार होगा कि विधानमंडल का सत्र राज्य के एक आदिवासी क्षेत्र में होगा। उन्होंने लिखा, इस अवधि में आदिवासियों के मुद्दों का निराकरण होगा। इगतपुरी मुम्बई के समीप है और मुम्बई-आगरा राजमार्ग पर स्थित है। मुम्बई-कसरा उपनगरीय स्थानीय क्षेत्र क्रियाशील है। इगतपुरी कसरा से 13 किलोमीटर दूर है। इगतपुरी में मंत्रियों एवं नौकरशाहों के ठहरने के लिए अच्छे रिसार्ट एवं होटल हैं। खोसकर ने कहा कि उन्होंने अनुरोध किया है कि विधानमंडल और मंत्रालय अस्थाई रूप से मुम्बई से इगतपुरी स्थानांतरित किए जाएं क्योंकि मुम्बई में कोरोना वायरस महामारी का बड़ा प्रकोप है। उन्होंने कहा, मैं और विधानसभा उपाध्यक्ष नरहरि झीरवाल समेत आदिवासी क्षेत्र के विधायक इस दिशा में प्रयास करेंगे।

चित्रों से भरी पुस्तक से बच्चों को कोरोना वायरस के बारे में दी जा रही जानकारी

भाषा। नई दिल्ली

इस मुश्किल समय में पांच से नौ साल के बच्चों के मन में उठ रहे सभी सवालों का जवाब देने के लिए तस्वीरों से भरी एक किताब आई है जिससे बच्चे यह समझ पाएंगे कि कैसे एक वायरस ने उन्हें उनके दोस्तों से, स्कूल और खेल के मैदानों से दूर कर घरों में बंद कर दिया है।

कोरोनावायरस: ए बुक फॉर चिल्ड्रन नाम की यह किताब एलिजाबेथ जेनर, केट विल्सन और निया रॉबर्ट्स द्वारा लिखी गई है और एक्सल शेफलर के चित्रों से यह किताब सजी हुई है। यह पुस्तक हार्पर कॉलिन्स इंडिया द्वारा नोसी क्रो के साथ साझेदारी में प्रकाशित की गई है और अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, तमिल, मलयालम, गुजराती, असमिया और नेपाली भाषा में उपलब्ध है। पुस्तक कुछ इस तरह शुरु होती है, आपने आजकल एक नया शब्द सुना होगा। आप लोगों को इसके बारे में बात करते हुए सुन सकते हैं या आप इसे समाचार पर भी सुन सकते हैं। यह शब्द ही वह कारण है कि आप स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। यही कारण है कि आप बाहर अपने दोस्तों से मिलने नहीं जा सकते हैं। यही कारण है कि आपके बड़े घर पर आपका खास ख्याल रख रहे हैं। यह शब्द है कोरोनावायरस। हार्पर कॉलिंस इंडिया की प्रकाशक (बाल) टीना नारंग के अनुसार, यह एक बेहद प्रासंगिक चित्रात्मक पुस्तक है जो बच्चों को सही मायने में इस अजीब से समय को समझने में मदद करेगी।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालयों से कहा, संक्रमण फैलने का खतरा न हो, तभी परीक्षा कराएं

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने शनिवार को विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतियों के साथ बात की और कहा कि यह सुनिश्चित करते हुए परीक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए कि इससे कोरोना वायरस का प्रसार नहीं होगा। एक आधिकारिक बयान में मुख्यमंत्री के हवाले से कहा गया है कि यह स्पष्ट हो रहा है कि जुलाई में परीक्षाएं नहीं हो सकती हैं, लेकिन इस संबंध में अनिश्चितता समाप्त होनी चाहिए और सभी विकल्पों का पता लगाया जाना चाहिए। तकनीकी और उच्च शिक्षा मंत्री उदय सामंत, राज्य मंत्री प्रजाक्त तानपुरे, मुख्य सचिव अजय मेहता और वरिष्ठ अधिकारियों ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। ठाकरे ने कहा, विश्वविद्यालय की परीक्षाओं में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि एक भी छात्र कोरोना वायरस से संक्रमित न हो। परीक्षा की सटीक विधि और कार्यक्रम तय कर छात्रों और अभिभावकों की चिंताओं को दूर किया जाना चाहिए।

चेन्नई से नगालैंड लौटे ग्यारह व्यक्तियों में संक्रमण की पुष्टि

भाषा। कोहिमा

● कुल मामलों की संख्या हुई 36

चेन्नई से नगालैंड लौटे 11 लोगों में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई जिससे राज्य में संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 36 हो गई है। राज्य के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री एस पी फोम ने यह जानकारी दी।

नगालैंड में चेन्नई से लौटे तीन लोगों में सोमवार को कोरोना वायरस की पुष्टि होने से पहले कोविड-19 का एक भी मामला प्रकाश में नहीं आया था। हालांकि नगालैंड के एक निवासी में 13 अप्रैल को असम में कोविड-19 की पुष्टि होने के मामले को राज्य सरकार संक्रमण के कुल मामलों में नहीं गिन रही है। उक्त व्यक्ति बाद में उपचार के बाद स्वस्थ हो गया था। मंत्री ने कहा, 11 लोग , जिनमें दीमापुर के आठ और कोहिमा के तीन व्यक्ति शामिल है, चेन्नई से लौटे थे और इनमें शनिवार को कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई। सभी व्यक्ति 22 मई को श्रमिक स्पेशल ट्रेन से वापस आए थे। राज्य में कोविड-19 के मरीजों के लिए निर्दिष्ट विभिन्न अस्पतालों में इन सभी 36 मरीजों का उपचार चल रहा है। इनमें से 22 का दीमापुर, नौ का कोहिमा और पांच का तुएनसांग में इलाज किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से अधिकांश मरीज 30 साल से कम उम्र के हैं। रविवार को लॉकडाउन का चौथा चरण समाप्त होने के साथ सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों और प्रवासियों के राज्य लौटने के बाद संक्रमण के निरंतर बढ़ते हुए मामलों के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा, नगालैंड सरकार सोमवार को मंत्रिमंडल की बैठक में इस विषय पर चर्चा करेगी।

PUBLIC NOTICE

Information is given to general public at large that my client Shri Pankaj Gupta owner of Freehold Residential Ground Floor North East Front Side, without roof rights, area measuring 692 Sq. Feet, Built up on Plot no. 184, part of Rect. No. 19, Killa No. 21, situated at Ashoka Enclave Extension-1, in the revenue estate of Village Palla, Tehsil & Distt. Faridabad Haryana, vide Sale Deed dated 09.03.2004 as Regd. No. 8177, Book No. 1, Vol. No. 0/17, Page No. 149/82-84, dated 09.03.2004, SRO-Faridabad till date and has lost/misplaced his original GPA dated 09.04.2002 as Regd. No. 2672 & SPA dated 06.01.2003 as Regd. No. 308 which was executed in favour of Shri Suresh Dawar and Lost Report has been lodged with Police Station SD No. 43/2014 LR No. 327367/2020 dated 28.05.2020 in the State Crime Branch Delhi and same property is going to be financed by Aditya Birla Finance Ltd. Plot no. 17, 15th Floor, Vijaya Bank Building Barakhamba Road, New Delhi-110001. If any person is having objection right claim against the said property, contact to the undersigned along with supporting documents within 7 days from the date of publication of this notice and or the same to the undersigned if found by any one.

Naveen Kumar Verma, Advocate
F-211, Sector-3, Vaishali, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201010, Mobile: 09958871432

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना आम लोगों के लिए ICICI Bank द्वारा जारी किए गए श्री [illegible] का एक आईडी कार्ड नं. 12556, जो कि 15 मार्च, 2020 को लापता या खो गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को प्राप्त होता है, से अनुरोध है कि वह उक्त आईडी कार्ड को प्रबंधन समूह ICICI Bank Limited, SD Tower, First Floor, Rohini Sector-8, Delhi-110085 पर लौटा दें। आईसीआईसीआई बैंक के सभी सम्मानित ग्राहकों को यह सूचित किया जाता है कि उक्त ID कार्ड रखने वाले किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति को कोई भुगतान न करें। ध्यान दें किसी भी व्यक्ति ने उक्त ID Card रखने वाले व्यक्ति को भुगतान किया है या करेंगे, उसकी जिम्मेदारी ICICI Bank की नहीं होगी।

दिनांक 31.05.20
स्थान : दिल्ली ICICI Bank के लिए

अगरतला में लॉकडाउन के दौरान मशीन से कटी हुई फसलों की मड़ाई करते किसान

तमिलनाडु में चेन्नई और तीन अन्य जिलों में पाबंदियों में ढील नहीं दी जानी चाहिए: चिकित्सा समिति

चेन्नई। कोविड-19 पर सलाह देने के लिए तमिलनाडु सरकार द्वारा गठित विशेषज्ञ चिकित्सा समिति ने शनिवार को कहा चेन्नई समेत उच्च प्रसार वाले चार जिलों में लॉकडाउन में छूट नहीं दी जानी चाहिए। समिति ने यह भी कहा कि सभी जिलों को लॉकडाउन में सभी तरह की छूट नहीं दी जा सकती और संबंधित जिलों में लॉकडाउन हटाने से पहले स्थानीय हालात को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। कोविड-19 लॉकडाउन का चौथा चरण रविवार को समाप्त होने जा रहा है। समिति की सदस्य और राष्ट्रीय महामारी विज्ञान संस्थान की डॉक्टर प्रभदीप कौर ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही कुछ छूट दे चुकी है। हालांकि चार बेहद प्रभावित जिलों में पाबंदियां जारी रहनी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री के पलानीस्वामी और सरकारी अधिकारियों के साथ समिति की बैठक के बाद कहा कि समिति को लगता है कि हमें चेन्नई, चेंगलपट्टू, कांचीपुरम और तिरुवल्लूर में अधिक सावधान रहना चाहिए।

नोबेल पुरस्कार विजेता डोहर्टी ने लॉकडाउन में ढील पर जताई चिंता

भाषा। कोलकाता

नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रोग प्रतिरक्षा वैज्ञानिक पीटर चार्ल्स डोहर्टी ने भारत जैसे घनी आबादी वाले देशों में लॉकडाउन में ढील देने को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि कोरोना वायरस संकट से निपटना सरकारों के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि पूर्णतया लॉकडाउन लागू करना आर्थिक और सामाजिक रूप से असंभव है। आस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक डोहर्टी ने सचेत किया कि आगामी दिनों में संक्रमण के मामले और बढेंगे तथा इस संक्रमण को काबू करने के लिए प्रभावी टीका उपलब्ध होने में नौ से 12 महीने का समय लग सकता है। डोहर्टी ने पीटीआई भाषा को ईमेल के जरिए दिए साक्षात्कार में कहा कि कोरोना वायरस इंफ्लुएंजा की तरह तेजी से नहीं बदलता, इसलिए अभी तक की जानकारी के अनुसार एक ही टीका सभी जगह काम कर सकता है। मेलबर्न विश्वविद्यालय के डोहर्टी संस्थान में माइक्रोबायोलॉजी एंड इम्यूनोलॉजी डिपार्टमेंट में सेवाएं दे रहे डोहर्टी ने लॉकडाउन पर चर्चा करते हुए कहा, यदि यह केवल विज्ञान का मामला होता, तो हर जगह पूरी तरह लॉकडाउन लागू होना चाहिए था, लेकिन यह आर्थिक एवं सामाजिक रूप से असंभव है। उन्होंने कहा कि संक्रमण के मामले बढ़ने की आशंका है और इसके बढ़ने की दर इस बात पर निर्भर करेगी कि लोग कितना जिम्मेदाराना व्यवहार करते हैं और त्वरित कार्वाई एवं जांच की क्षमता कितनी है। वैज्ञानिक ने कहा, भारत जैसे घनी आबादी वाले देश में यह मुश्किल होगा। डब्ल्यूएचओ ने कोरोना वायरस के फिर से जोर पकड़ने की आशंका जताई है।

INDO COTSPIN LIMITED

REGD. OFFICE : 78 K.M. DELHI MILE STONE, G.T. ROAD, NH-1, VILLAGE JATTIPUR, POST BOX NO. 3, POST OFFICE SAMALKHA, PANIPAT -132103
CIN:- L1111HR1995PLC032541 Website:www.indocotspin.com
Email ID:rajpalaggarwal12000@yahoo.com, info@indocotspin.com
Statement of Standalone Audited Financial Results for the Quarter/Year Ended March 31, 2020

(Amount Rs. in Lacs)

PARTICULARS	3 MONTHS ENDED 31.03.2020 Audited	YEAR TO DATE FIGURES FOR CURRENT PERIOD ENDED 31.03.2020 Audited	CORRESPONDING 3 MONTHS ENDED IN THE PREVIOUS YEAR 31.03.2019 Audited
Total Income from operations (net)	296.44	997.37	365.22
Net Profit/(Loss) from Ordinary activities after Tax	-5.26	10.64	5.85
Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Extraordinary Items)	-5.26	10.64	5.85
Paid Up Equity Share Capital	420.05	420.05	420.05
Reserves (excluding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of Previous Year)	-5.26	214.38	5.85
Earnings Per Share (before Extraordinary Items) (of Rs. 10/- each) Basic and Diluted (in Rupees)	0.00	0.25	0.19
Earnings Per Share (after Extraordinary Items) (of Rs. 10/- each) Basic and Diluted (in Rupees)	0.00	0.25	0.19

NOTE: (i) There is no qualification on the audit report for the quarter/ year ended 31st March, 2020 (ii) The above is an extract of the detailed format of Quarterly/Year Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The Full format of the Quarterly/Year Financial Results is available on the Stock Exchange websites: www.bseindia.com, tele+91-9896034879

Place: Panipat
Date: 30/05/2020

For Indo Cotspin Limited
Sd/-
Bal Krishan Aggarwal
Managing Director
DIN NO. :00456219

ADITYA BIRLA CAPITAL
PROTECTING INVESTING FINANCING ADVISING
Aditya Birla Finance Limited
पंजीकृत कार्यालय: इंडियन रेयन कम्पाउण्ड, वेरावाल, गुजरात – 362 266
सीआईएन : U65990GJ1991PLC064603

प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 यथा संशोधित के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन सूचना

1. मैसर्स अर्जन बायोटेक, यूनिट नंबर 327, वर्धमान बनहोफ प्लाजा, प्लॉट नंबर 10, एमएलयू पाकेट, सेक्टर-12, द्वारका, नई दिल्ली-110075
2. श्रीमती अनीता राय, फ्लैट नंबर 127, तृतीय तल, डीडीए एमआईजी फ्लैट, पाकेट-1, सेक्टर-13, द्वारका, नई दिल्ली-110075
3. श्री प्रभात कुमार राय, फ्लैट नंबर 127, तृतीय तल, डीडीए एमआईजी फ्लैट, पाकेट-1, सेक्टर-13, द्वारका, नई दिल्ली-110075
4. श्रीमती अनीता राय, यूनिट नंबर 327, वर्धमान बनहोफ प्लाजा, प्लॉट नंबर 10, एमएलयू पाकेट, सेक्टर-12, द्वारका, नई दिल्ली-110075
5. श्रीमती प्रभात कुमार राय, यूनिट नंबर 327, वर्धमान बनहोफ प्लाजा, प्लॉट नंबर 10, एमएलयू पाकेट, सेक्टर-12, द्वारका, नई दिल्ली-110075

संदर्भ: ऋण खाता संख्या ABFLNDLAP0000004978

जबकि आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड, कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन निगमित एक कम्पनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय इंडियन रेयन कम्पाउण्ड, वेरावाल, गुजरात – 362 266 में और इसका एक कार्यालय द्वितीय तल, शुको बिल्डिंग, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली-110001 में स्थित है (इसमें आगे "एबीएफएल" कही गई है) ने आप, प्रेषितियों को क्रेडिट सुविधा उपलब्ध कराई थी। उक्त क्रेडिट सुविधा अन्य के साथ अचल सम्पत्ति फ्लैट नंबर 127, तृतीय तल, डीडीए एमआईजी फ्लैट, पाकेट-1, सेक्टर-13, द्वारका, नई दिल्ली-110075 (इसमें आगे "प्रतिभूत आस्तियां" कही गई हैं) के बंधक द्वारा प्रतिभूत है। उक्त प्रतिभूत आस्ति क्रमशः श्री प्रभात कुमार राय द्वारा स्वाधिकृत है। कि आप, प्रेषिती उपरनिर्दिष्ट ऋण खाते में वित्तीय अनुशासन बनाए रखने में असफल रहे हैं तथा एबीएफएल द्वारा व्यवसाय की साधारण विधि में अनुरक्षित लेखा पुस्तकों के अनुसार दिनांक 07-05-2020 तक बकाया मूलधन, विलम्ब बकाया (प्रोद्भूत विलम्ब प्रभारों सहित) और ब्याज [illegible]

[illegible]

स्थान : नई दिल्ली
तिथि : 31-05-2020
आदित्य बिड़ला फाइनेंस लिमिटेड
हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी

बिहार के बेगूसराय में होमगार्ड की गोली मारकर हत्या

भाषा। बेगूसराय

बिहार के बेगूसराय में एक मोटर साइकिल पर सवार पर तीन लोगों को रोकने की कोशिश पर होमगार्ड की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोहियानगर पुलिस थाने के बाहरी चौकी क्षेत्र के पनहास गांव में शुक्रवार रात को घटना हुई।

पुलिस ने बताया कि होमगार्ड राजबर्धन रंजन गश्ती वाहन के साथ तैनात थे और उन्होंने एक मोटर साइकिल पर सवार तीन लोगों को रुकने को कहा, जिसके बाद बाइक सवारों ने गोली चला दी।

सदर पुलिस अधीक्षक राजन सिन्हा ने कहा कि रंजन के सिर में गोली लगने से मौके पर ही उनकी मौत हो गई। बदमाश तुरंत मौके से फरार हो गए। बिचखन्ना मंझौल गांव के निवासी रंजन लोहियानगर पुलिस की बाहरी चौकी पर तैनात थे। सिन्हा ने कहा कि रंजन को पुलिस लाइन में सलामी दी गई। उन्होंने कहा कि तीन लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

श्रीनगर के गुरुद्वारे से सेंधमारों ने नकदी लूटी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी में कुछ सेंधमार एक गुरुद्वारे में घुस आए और वहां से नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार की रात ए चोर शहर के जवाहर नगर इलाके में स्थिति गुरुद्वारे में एक खिड़की के जरिए घुस आए। उन्होंने बताया कि सेंधमारों ने लकड़ी की तिजोरी तोडकर उसमें रखी कुछ नकदी निकाल ली। हालांकि, वे पैसों वाले मुख्य कक्ष तक नहीं पहुंच पाए। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया और जांच जारी है।

CHHATTISGARH ROAD DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED
3rd Floor, Sirpur Bhawan Campus, Behind, Akashwani, Civil Lines, Raipur (C.G.)
Website : wwwcgrdc.in, emailID: info@cgrdc.in, info.cgrdc@gmail.com. Ph.No. 0771-4043395 & Fax No. 0771-4033242

Request for Proposal (REP)

Request for Proposal (RFP) is invited from the prospective bidders for Project Management Consultancy services for below mentioned work in the State of Chhattisgarh.

S. No.	Tender No.	RFP No.	Name of work	Length (in Km)	Duration of Consultancy (in Months)	Cost of RFP document (INR)	Bid Security (INR)
1	64474	91/19-20/ CGRDC/ 2020 Raipur, Dated 27/05/2020	Project Management Consultancy (PMC) for Supervision and Quality Control of Re-construction/ Repair/ Rehabilitation and Balance Construction of Expressway being constructed along the abandoned Fafadih- Telibandha-Naya Raipur Narrow Gauge Railway Track in the State of Chhattisgarh. Chhattisgarh.	12.02	08	10,000/-	1,00,000/-

The complete BID document can be viewed/downloaded/submitted from C.G. State e-procurement portal i.e. https// eproc.cgstate.gov.in Bid must be submitted online only up to 29/06/2020 (up to 17:30 Hrs. IST) Modifications/Amendments/Corrigendum, if any, shall not be advertised in the news paper but shall be published in the website as mentioned above only

Sd/-
General Manager
Chhattisgarh Road Development Corporation Ltd.

Samvad-25516/3

पायनियर
नई दिल्ली , रविवार, 31 मई, 2020

निलंबित मैचों के साथ 20 जून से शुरू होगा सीरी ए का सत्र

मिलान। सीरी ए का सत्र उन चार मुकाबलो के साथ फिर से शुरू होगा जिसे इटली मे कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दिया गया था। खेल मंत्री विन्सेजो स्पडाफोरा से 20 जून को फिर से लीग शुरू करने के लिए मंजूरी मिलने के बाद मैचो की तारीख तय करने के लिए शुक्रवार को इससे जुड़े 20 क्लबो की बैठक हुई।

वेर्टज के गोल से लीवरकुसेन ने फ्रीबर्ग को हराया

बर्लिन। प्रतिभाशाली युवा फुटबॉलर काई हावेर्टज ने एक और रिकार्ड बनाते हुए लीवरकुसेन को फ्रीबर्ग के खिलाफ 1-0 की जीत दिलाई जिससे टीम तालिका मे तीसरे स्थान पर पहुंच गई। बीस साल के हावेर्टज इस लीग के इतिहास में 21 साल की उम्र से पहले 35 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। कोविड-19 महामारी के दौरान स्थगित होने के बाद लीग के फिर से शुरू होने के बाद चार मैचो मे यह उनका पांचवां गोल है। उन्होने मध्यांतर के बाद खेल के आठवे मिनट मे लियोन बैली की मदद से गोलकर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद दोनो टीमे गोल करने मे नाकाम रही। जर्मनी का यह खिलाड़ी पहले से ही इस शीर्ष लीग मे 50 और 100 मैचो को खेलने वाला सबसे युवा खिलाड़ी बन चुका है। वह 2017 मे लीवरकुसेन के लिए लीग गोल करने वाले वह सबसे युवा खिलाड़ी बने थे।

ला लीगा ने 11 जून से सत्र को फिर से शुरू करने की पुष्टि की

मैड्रिड। कोविड-19 महामारी के कारण तीन महीने तक स्थगित रहने के बाद स्पेन की शीर्ष घरेलू फुटबॉल प्रतियोगिता ला लीगा 11 जून से फिर से शुरु होगा जबकि 2020-21 का सत्र 12 सितंबर से खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल महासंघ (आरएफईएफ) और ला लीगा के बीच दोनो शीर्ष डिवीजन के बचे हुए 11 दौर के मैचो को लेकर सहमति बन गई है। अगर महामारी से रूकावट नही आई तो सत्र 19 जुलाई को खत्म हो जाएगा। फिर से शुरू होने के बाद लीग का पहला मुकाबला 11 जून को बेटिस और सेविला के बीच मैच से होगा जबकि लीग के बाकी मुकाबलो को सप्ताह के अंत मे 13 और 14 जून को खेले जाएगे।

अन्य देशों की तरह हमें भी ट्रेनिंग शुरू कर देनी चाहिए: तैराक एसपी लिक्ति

नई दिल्ली। राष्ट्रीय 100 मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक चैम्पियन एसपी लिक्ति ने शनिवार को कहा कि भारत को अन्य देशो से सीख लेकर शीर्ष तैराको के लिए पूल फिर से खोलने की जरूरत है ताकि वे ट्रेनिंग शुरू कर सके। आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के कुछ हिस्सो सहित कई देशो ने तैराकी पूल खोल दिए है जिससे एथलीट ट्रेनिंग पर लौट चुके है। हालांकि भारत मे कोविड-19 महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के चौथे चरण के गृह मंत्रालय के दिशानिर्देशो के अनुसार तैराकी पूल अब भी बंद है जो रविवार को समाप्त होगा।

टीका आने के बाद चीजें सामान्य होगी : गांगुली

● क्रिकेट कार्यक्रम में कुछ बदलाव होंगे लेकिन बीसीसीआई और आईसीसी क्रिकेट को वापिस सामान्य स्थिति में लाने के लिए कुछ भी करेंगे

भाषा। कोलकाता

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा कि कोरोना वायरस के इलाज का टीका बनने के बाद जीवन सामान्य होने लगेगा।

पूरी दुनिया पिछले कुछ महीने से कोविड-19 महामारी की चपेट में है। इसकी वजह से क्रिकेट सहित दुनियाभर में दूसरे खेलों का आयोजन भी प्रभावित हुआ है। गांगुली ने अनअकेडमी ऐप पर कक्षा के एक सत्र में कहा, यह एक ऐसी चीज है जिसने दुनिया को पूरी तरह से झकझोर दिया है। मुझे लगता है कि चीजें समय के साथ पटरी पर लौट आएंगी। हमारे पास इससे नपटने के लिए दवा नहीं है। लेकिन छह-सात महीने में जब इसका टीका निकल जाएगा तब स्थिति समान्य हो जाएगी। मुझे लगता है कि क्रिकेट फिर से सामान्य हो जाएगा। हां, कार्यक्रम में कुछ बदलाव होंगे लेकिन बीसीसीआई और आईसीसी क्रिकेट को वापिस सामान्य स्थिति में लाने के लिए कुछ भी करेंगे। गांगुली का मानना है कि टीका के आने के बाद यह वायरस भी फ्लू या पीलिया जैसे किसी अन्य दूसरे बीमारी की तरह होगा। जिसका इलाज मौजूद होगा। पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा, क्रिकेट मजबूती से वापसी करेगा। खिलाड़ियों के लिए अलग-अलग चुनौतियां होगी। उन्हें चिकित्सा जांच भी करवाना होगा। मैं हालांकि इसे खेल में रूकावट की तरह नहीं देखता हूं। जैसे ही टीका निकलता है, मुझे लगता है कि जीवन सामान्य जीवन हो जाएगा। देश के सबसे सफल कप्तानों में शुमार गांगुली ने इस मौके पर अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि वह संयोग से क्रिकेटर बन गए। वह फुटबॉल को गंभीरता से ले रहे थे लेकिन उन्हें उनके पिता ने शरारत से दूर रखने के लिए क्रिकेट कोचिंग से जुड़ने के लिए कहा और उन्होंने तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा। फुटबॉल मेरी जिंदगी थी। मैं कक्षा नौ तक इसमें बहुत अच्छा था। एक बार गर्मी की छुट्टी के दौरान, मेरे पिता (दिवंगत चंडी गांगुली, जो बंगाल क्रिकेट संघ में थे) ने मुझसे कहा कि तुम घर जाकर कुछ भी नहीं करोगे। उन्होंने मुझे एक क्रिकेट अकादमी में डाल दिया।

मेरे अपने माता-पिता और परिवार काफी अनुशासनप्रिय थे ऐसे में मेरे लिए यह उनसे से दूर रहने का अच्छा मौका था। मुझे नहीं पता कि मेरे कोच ने मुझमें क्या देखा, उन्होंने मेरे पिता से कहा कि वह मुझे फुटबॉल से दूर करे। इसलिए मैं क्रिकेट में उतर गया। अपने पदार्पण मैच की शतकीय पारी को उन्होंने करियर का सर्वश्रेष्ठ लमहा करार देते हुए कहा, मैंने दलीप ट्रॉफी के पदार्पण मैच में शतक लगाया, बंगाल के लिए रणजी फाइनल में पदार्पण किया लेकिन अंतरराष्ट्रीय पदार्पण में लॉर्ड्स में शतकीय पारी खेलना किसी सपने की तरह था।

बीसीसीआई ने खेलरत्न के लिए रोहित को किया नामित

अर्जुन पुरस्कार के लिए धवन, ईशांत और दीप्ति को आगे बढ़ाया

नई दिल्ली। पिछले साल एक दिवसीय विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले रोहित शर्मा की बीसीसीआई ने खेल रत्न पुरस्कार के लिए अनुशंसा की है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार को यह जानकारी दी। रोहित के सलामी जोड़ीदार शिखर धवन का नाम एक बार फिर अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा गया है। भारतीय टीम के सबसे सीनियर तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा के नाम की भी अनुशंसा अर्जुन पुरस्कार के लिए की गई है। बाएं हाथ के बल्लेबाज धवन 2018 में अर्जुन पुरस्कार से चूक गए थे। महिला वर्ग में हरफनमौला दीप्ति शर्मा का नाम अर्जुन पुरस्कार के लिए भेजा गया है जो पिछले तीन साल से वनडे और टी20 दोनो में शानदार प्रदर्शन कर रही है।

विदेशी खिलाड़ियों के बिना नहीं हो सकता आईपीएल : वाडिया

● अभी तारीख तय करना मुश्किल

भाषा। नई दिल्ली

आईपीएल को वैश्विक अपील वाला टूर्नामेंट बताते हुए , किंग्स इलेवन पंजाब के सह-मालिक नेस वाडिया ने कहा कि विदेशी सितारों के बिना इसके आयोजन का कोई मतलब नहीं होगा। कोविड-19 महामारी के मद्देनजर चकाचौंध से भरे इस टी20 लीग के भाग्य पर फैसला करने के लिए बीसीसीआई को और समय चाहिए होगा। कोरोना वायरस महामारी के कारण यह टूर्नामेंट अनिश्चित काल के लिए स्थगित है और बीसीसीआई सितंबर-अक्टूबर में इसके आयोजन की योजना बना रहा है। ऑस्ट्रेलिया में इस साल अक्टूबर-नवंबर में प्रस्तावित टी20 विश्व कप का आयोजन अगर नहीं होता है तो लीग के आयोजन की संभावना काफी बढ़ जाएगी। लीग से जुड़े फ्रेंचाइजियों ने टूर्नामेंट को लेकर मिश्रित राय व्यक्त की है। राजस्थान रॉयल्स ने यात्रा प्रतिबंधों का हवाला देते हुए सिर्फ भारतीय खिलाड़ियों के साथ इसे आयोजित करने का सुझाव दिया तो तीन बार के चैम्पियन चेन्नई सुपरकिंग्स ने इस प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि इससे टूर्नामेंट सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट की तरह हो जाएगा। किंग्स इलेवन पंजाब ने भी इस मामले में चेन्नई सुपरकिंग्स का साथ दिया। वाडिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, आईपीएल भारतीयों द्वारा बनाया गया एक अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट है। यह दुनिया के प्रमुख क्रिकेट आयोजनों में से एक है। ऐसे में इसे अंतरराष्ट्रीय मंच और अंतरराष्ट्रीय सितारों की आवश्यकता है। अभी यह देखा जाना बाकी है कि उस समय किन विदेशी खिलाड़ियों को यात्रा करने की अनुमति (प्रतिबंधों को देखते हुए) होगी। मुझे लगता है कि इस समय बीसीसीआई को बहुत सारी चीजों पर विचार करना है। अगर मामले बढ़ते रहे तो क्या होगा। अभी कोरोना वायरस के अलावा कुछ और सोचना नासमझी होगी। ुछ विशेषज्ञों ने संकेत दिया कि जुलाई-अगस्त में भारत में यह महामारी अपने चरम पर होगी, ऐसे में वाडिया ने कहा कि फिलहाल आईपीएल के बारे में बात करना सही नहीं है।

सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में कोहली इकलौते भारतीय, फेडरर शीर्ष पर

न्यूयॉर्क। विराट कोहली 2.6 करोड़ डालर की कुल कमाई के साथ फोर्ब्स की 2020 में विश्व में सबसे अधिक कमाई वाले खिलाड़ियों की सूची में एकमात्र भारतीय हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान 100 खिलाड़ियों की इस सूची में 66वें स्थान पर काबिज हैं। वह पिछले साल 100वें और 2018 में 83वें स्थान पर थे। कोहली ने 2.4 डॉलर की कमाई प्रचार और ब्रांड एंडोर्समेंट से की है जबकि उन्होंने 20 लाख डॉलर की कमाई वेतन और पुरस्कार राशि से की है। पिछले साल उनकी कमाई 2.5 करोड़ डॉलर थी जबकि 2018 में उन्होंने 2.4 करोड़ डॉलर की कमाई की थी। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी और 20 ग्रैंडस्लैम के विजेता रोजर फेडरर लगभग 106.3 मिलियन डॉलर (800 करोड़ रुपए से ज्यादा) की कमाई के साथ 2020 में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में पहले स्थान पर आ गए है। फोर्ब्स की ओर से शुक्रवार को जारी सूची में फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो (105 मिलियन डॉलर), लियोनेल मेस्सी (104 मिलियन डॉलर), नेमार (95.5 मिलियन डॉलर) और अमेरिकी बास्केटबॉल खिलाड़ी लेब्रॉन जेम्स (88.2 मिलियन डॉलर) शीर्ष पांच में शामिल है। स्विट्जरलैंड का यह दिग्गज 1990 के बाद इस सूची में शीर्ष पर पहुंचने वाला टेनिस का पहला खिलाड़ी है।

जर्मनी में तीन महीने से फंसे आनंद आखिरकर स्वदेश लौटे

भाषा। चेन्नई-बेंगलुरु

पूर्व विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद आखिरकार शनिवार को भारत लौट आए। कोविड-19 महामारी के चलते यात्रा संबंधित पांबदियों के कारण वह तीन महीने से ज्यादा समय से जर्मनी में फंसे थे। आनंद फरवरी में बुंदेसलीगा शतरंज लीग खेलने के लिए जर्मनी गए थे और उन्हें मार्च में लौटना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण दुनिया भर में यात्रा संबंधित पांबदियां लग गई जिसके कारण खेल गतिविधियां भी प्रभावित हुईं। आनंद फ्रैंकफर्ट से एयर इंडिया की फ्लाइट (ए।-120) से दिल्ली से होते हुए दोपहर एक बजकर 15 मिनट पर बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पहुंचें। उनकी पत्नी अरूणा ने पीटीआई-भाषा से कहा, हां, आनंद लौट आए हैं। वह ठीक हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत लौटकर खुश हैं। अरूणा ने पहले कहा था, हम खुश हैं कि आनंद इतने लंबे समय बाद लौट रहे हैं। उन्हें पृथक - वास प्रक्रिया पूरी करनी होगी और प्रोटोकॉल के अनुसार चेन्नई आना होगा। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि पांच बार के विश्व चैम्पियन को कर्नाटक सरकार द्वारा जारी किए गए नियमों के अनुसार जांच में नेगेटिव पाए जाने की स्थिति में सात दिन तक संस्थान में पृथक - वास में रहना होगा और फिर उन्हें 14 दिन के लिए घर में पृथक रहना होगा।

बत्रा ने एनओसी, एएसएफ से कर्मचारियों का कोविड-19 जांच कराने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने हॉकी इंडिया के कर्मचारियो के कोरोना वायरस जांच मे पॉजिटिव पाए जाने के बाद सभी राष्ट्रीय खेल महासंघो (एनएफएस) और राष्ट्रीय ओलंपिक समितियो (एनओसी) से शनिवार को आग्रह किया है कि वे अपने कर्मचारियो की कोविड-19 जांच करवाएं। हॉकी इंडिया शुक्रवार को अपने 29 कर्मचारियो का जांच करवाया था। जांच मे लेखा विभाग का कर्मचारी और एक कनिष्ठ क्षेत्र अधिकारी कोविड-19 पॉजिटिव मिले। सभी एनओसी एसजी, एनएफएस और एसओए (राज्य ओलंपिक संघो) से मेरा अनुरोध है कि कृपया बिना किसी और देरी के कर्मचारियो का कोविड-19 जांच करवाए। इससे शीर्ष एथलीटो के साथ दूसरे खिलाड़ियो और हमारे सभी हितधारको का विश्वास बढ़ेगा। हॉकी इंडिया कार्यालय 14 दिनो के लिए बंद रहेगा और जांच मे निगेटिव आए 25 कर्मचारियो को घर से काम करने के लिए कहा गया है।

विश्व कप को रद्द करना एक विकल्प है: संगकारा

मुंबई। श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा को लगता है कि इस साल टी -20 विश्व कप को रद्द करना एक विकल्प है क्योकिं कोविड-19 महामारी से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी नहीं मिल पा रहे है। प्रतिष्ठित मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) के अध्यक्ष संगकारा का मानना है कि स्थिति पर नजर रखने की जरूरत है। गुरुवार का आईसीसी की बैठक में ऑस्ट्रेलिया मे होने वाले इस टूर्नामेंट पर फैसला 10 जून तक टाल दिया गया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान ने कहा, हर दिन नई चीजे सीखने और देखने को मिल रही है। इसलिए हमें इंतजार करना होगा। एक विकल्प यह है कि इस साल इसे रद्द कर दे या अगले साल के लिए टाल दे। हमें इसके आगे की प्रक्रियाओं को ध्यान में रखना चाहिए जिसमें खिलाड़ियों और दर्शकों की स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करना होगा।

क्रिकेट वेस्टइंडीज ने सभी खिलाड़ियों, कर्मचारियों के वेतन में अस्थाई कटौती की घोषणा की

सेंट जोंस (एंटीका और बारबुडा)। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कोविड-19 महामारी से पैदा हुई आर्थिक तंगी के कारण पूरी क्षेत्रीय क्रिकेट प्रणाली में फंड और वेतन देने में अस्थाई रूप से 50 प्रतिशत कटौती की घोषणा की। यह फैसला वित्तीय रणनीतिक सलाहकार समिति की सिफारिशों के बाद क्रिकेट वेस्टइंडीज के निदेशक बोर्ड की टेली कांफ्रेस बैठक के बाद लिया गया। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान में कहा, इस समय दुनिया भर में कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला जा रहा है और काफी अनिश्चितता बनी हुई है कि नियमित रूप से क्रिकेट गतिविधियां कब शुरू होंगी। दुनियाभर में कई अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थानों की तरह क्रिकेट वेस्टइंडीज को भी आय में काफी नुकसान हो रहा है और हमारे परिचालन पर भी लंबे समय तक प्रभाव भी पड़ेगा।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने जैविक रूप से सुरक्षित इंग्लैंड दौरे को मंजूरी दी

सेंट जोंस (एंटीगा)। वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड के दौरे को मंजूरी दे दी है जिसमें उसकी टीम जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में तीन टेस्ट मैच खेलेगी। इस श्रृंखला को अगर ब्रिटेन सरकार की मंजूरी मिल गई तो इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बहाली होगी जो कोविड-19 महामारी के चलते निलंबित है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बयान में कहा, बोर्ड ने वेस्टइंडीज के प्रस्तावित इंग्लैंड दौरे को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी। बयान के अनुसार, क्रिकेट वेस्टइंडीज के चिकित्सा और क्रिकेट संबंधित प्रतिनिधियों और सलाहकारों के इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड, उनके चिकित्सा और स्वास्थ्य सलाहकारों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद ही यह फैसला किया गया है। इग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने आठ जुलाई से शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला के लिए दो स्थल हैंपशर का एजियास बॉउल और लंकाशर के ओल्ड ट्रैफर्ड का प्रस्ताव दिया गया है और दोनों के पास ही होटल हैं। सभी मैच दर्शकों के बिना बंद स्टेडियम में खेले जाएंगे।

डिकॉक और एनगिडि सीएसए पुरस्कार के लिए नामित

जोहानिसबर्ग। सीमित ओवरों के कप्तान क्विंटोन डिकॉक और तेज गेंदबाज लुगी एंगिडि को क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका 2019-20 पुरूष अंतरराष्ट्रीय पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया है। हरफनमौला मरिजाने काप और लौरा वोल्वार्ट को महिला वर्ग में चार नामांकन मिले हैं। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने एक विज्ञप्ति में कहा , पुरस्कार समारोह चार जुलाई 2020 को आनलाइन होगा। डिकॉक और एनगिडि को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ वनडे और टी20 क्रिकेटर के पुरस्कार के लिए नामांकन मिले हैं। डिकॉक को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट क्रिकेटर का भी नामांकन मिला है।

ईसीबी ने आईसीसी से कोविड-19 की चपेट में आए क्रिकेटर की जगह दूसरे खिलाड़ी को शामिल करने की मांग की

लंदन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अधिकरियों को उम्मीद है कि जब वेस्टइंडीज और पाकिस्तान की टीमें टेस्ट श्रृंखला के लिए उसके देश का दौरा करेंगी तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) कोरोना वायरस से संक्रमित हुए खिलाड़ी के स्थान पर दूसरे खिलाड़ी को मैदान में उतरने की मंजूरी देगा। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईसीबी खेल की स्थितियों में बदलाव को लेकर आईसीसी से बातचीत कर रहा है।

ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ अमेरिका के संबंध समाप्त करने की घोषणा की

भाषा। वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के साथ सभी संबंध समाप्त करने की घोषणा की है। उन्होने कहा कि डब्ल्यूएचओ उन सुधारो को आगे नही बढ़ा पाया जिनकी बेहद जरूरत थी। इसके साथ ही उन्होने आरोप लगाया कि जब चीन से कोरोना वायरस फैलना शुरू हुआ, तो डब्ल्यूएचओ ने दुनिया को इस बारे मे गुमराह किया। ट्रंप ने आरोप लगाया कि डब्ल्यूएचओ कोरोना वायरस महामारी की जिम्मेदारी चीन पर डालने मे विफल रहा। ट्रंप ने शुक्रवार को चीन को दंडित करने के उपायों की घोषणा करते हुए कहा, डब्ल्यूएचओ पर चीन का पूरा नियंत्रण है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, चूंकि वे बेहद जरूरी सुधारो को आगे नही बढ़ा पाए, ऐसे मे हम आज से विश्व स्वास्थ्य संगठन से सभी संबंध समाप्त कर रहे है और उसके दिए जाने वाले कोष को अन्य वैश्विक और जिम्मेदार संगठनो को स्थानांतरित करेंगे। ट्रंप ने कहा, दुनिया चीन से इस वायरस पर जवाब चाहती है। इस मामले मे पारदर्शिता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन ने एक ऐसी वैश्विक महामारी फैलाई है जिसमे एक लाख से अधिक अमेरिकियो की जान गई है। राष्ट्रपति ने चीन पर आरोप लगाया कि वह डब्ल्यूएचओ पर दबाव डाल रहा है जिससे इस वायरस के बारे मे दुनिया को गुमराह किया जा सके। अमेरिका मे नवंबर मे राष्ट्रपति चुनाव होने है। ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के लिए मैदान मे है। इस महामारी से निपटने के प्रयासो को लेकर ट्रंप की भी लगातार आलोचना हो रही है। वही चीन ने अमेरिका के आरोपो को खारिज करते हुए अमेरिकी नेताओ से कहा है कि वे महामारी का इस्तेमाल राजनीतिक मकसद से नही करे। दुनियाभर मे कोरोना वायरस संक्रमित लोगो का आंकड़ा 58,71,347 पर पहुंच गया है।

शुक्रवार को देश में 513 घरेलू उड़ानों का परिचालन, 39,969 यात्रियों ने यात्रा की : पुरी

नई दिल्ली। देश मे शुक्रवार यानी 29 मई को 513 घरेलू उड़ानो का परिचालन किया गया, जिनमे 39,969 यात्रियो को उनके गंतव्य तक पहुंचाया गया। नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कोरोना वायरस की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन की वजह से देश मे दो माह तक घरेलू उड़ानो का परिचालन बंद था। बृहस्पतिवार तक कुल ।,827 घरेलू उड़ानो का परिचालन हुआ था। सोमवार को 428, मंगलवार को 445, बुधवार को 460 और बृहस्पतिवार को 494 उड़ानो का परिचालन किया गया। पुरी ने शनिवार को ट्वीट किया, पांचवे दिन 29 मई को रात 11:59 बजे तक कुल 513 उड़ाने रवाना हुईं। इनमे 39,969 लोगो ने यात्रा की। विमानन उद्योग के सूत्रो ने कहा कि लॉकडाउन से पहले भारतीय हवाईअड्डो पर प्रतिदिन 3,000 घरेलू उड़ानो का परिचालन होता था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ो के अनुसार फरवरी मे प्रतिदिन घरेलू उड़ानो के यात्रियो की संख्या 4.12 लाख थी। उस समय देश मे लॉकडाउन नही था। पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और तमिलनाडु के हवाई अड्डो को सीमित घरेलू उड़ानो के परिचालन की अनुमति दी गई है। कोविड-19 के मामलो मे बढ़ोतरी के बीच ए राज्य अधिक उड़ाने नही चाहते है। आंध्र प्रदेश मे घरेलू उड़ान सेवाएं मंगलवार को और पश्चिम बंगाल मे बृहस्पतिवार को शुरू हुईं। घरेलू उड़ान सेवाएं शुरू होने के बाद सात अलग-अलग उड़ानो मे 16 कोरोना वायरस संक्रमित यात्री मिले है। इनमे इंडिगो से यात्रा करने वाले 13 यात्री भी शामिल है।

लॉकडाउन से बाहर निकलने के लिए सोच-समझकर रणनीति बनाने की जरूरत : रिपोर्ट

● एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में सुझाव

भाषा। नई दिल्ली

भारत को वृद्धि दर में स्थिर गिरावट को रोकने के लिए लॉकडाउन से बाहर निकलने की रणनीति काफी सोच-विचार कर बनानी होगी। एसबीआई की एक शोध रिपोर्ट में यह बात कही गई है। बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी तिमाही में भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर घटकर 4.2 प्रतिशत रह गई है, जो इसका 11 साल का निचला स्तर है। बीते वित्त वर्ष की चौथी जनवरी-मार्च की तिमाही में वृद्धि दर 40 तिमाहियों के निचले स्तर 3.1 प्रतिशत पर आ गई है। कोरोना वायरस पर काबू के लिए देश में 25 मार्च से लॉकडाउन लागू है, जिससे आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। लॉकडाउन का चौथा चरण रविवार 31 मई तक है। एसबीआई की शोध रिपोर्ट इकोरैप में कहा गया है, अब हमारा मानना है कि हमें समझदारी के साथ लॉकडाउन से निकलने की रणनीति बनानी चाहिए। राष्ट्रव्यापी बंद लंबा खिंचने से वृद्धि दर में गिरावट भी लंबे समय तक रहेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व के अनुभवों से पता चलता है कि मंदी से बाहर निकलने की रफ्तार काफी धीमी रहती है। आर्थिक गतिविधियों के पुराने स्तर पर पहुंचने में पांच से दस साल लग जाते हैं।

शुक्रवार को जारी जीडीपी आंकड़ों पर रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च के अंतिम कुछ दिनों में बंद की वजह से चौथी तिमाही की वृद्धि दर 40 तिमाहियों के निचले स्तर 3.1 प्रतिशत पर आ गई।

बीते वित्त वर्ष में रीयल एस्टेट में संस्थागत निवेश 12 प्रतिशत घटकर 4.5 अरब डॉलर पर: रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश के रीयल एस्टेट क्षेत्र मे संस्थागत निवेश बीते वित्त वर्ष 2019-20 मे 12 प्रतिशत घटकर 4.48 अरब डॉलर या करीब 33,800 करोड़ रुपए रह गया। अमेरिका की संपत्ति क्षेत्र की सलाहकार वेस्टियन की रिपोर्ट मे कहा गया है कि आर्थिक वृद्धि मे गिरावट और कोरोना वायरस को लेकर अनिश्चितता से रीयल एस्टेट क्षेत्र मे संस्थागत निवेश घटा है। रिपोर्ट मे कहा गया है, 2019-20 मे कुल संस्थागत निवेश 448 करोड़ डॉलर रहा। यह 2018-19 की तुलना मे 12 प्रतिशत कम है। बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही मे रीयल एस्टेट क्षेत्र मे संस्थागत निवेश 44 प्रतिशत घटकर 72.7 करोड़ डॉलर पर आ गया। रिपोर्ट मे कहा गया है कि 2019-20 मे संस्थागत निवेश का आंकड़ा पांच साल मे सबसे कम रहा है। संपत्ति सलाहकार कंपनी वेस्टियन ने कहा कि संस्थागत निवेश मे गिरावट की प्रमुख वजह पूरे साल के दौरान अर्थव्यवस्था की सुस्ती और अंतिम तिमाही मे कोविड-19 के चलते पैदा हुई अनिश्चितता है। रिपोर्ट मे कहा गया है कि इसमे से 81 प्रतिशत यानी 363.6 करोड़ डॉलर का निवेश वाणिज्यिक संपत्तियो मे आया जबकि आवासीय खंड को 13 प्रतिशत यानी 56.5 करोड़ डॉलर का निवेश मिला। विभिन्न शहरो की बात की जाए तो मुंबई, बेगलुरु और पुणे को कुल निवेश का 90 प्रतिशत प्राप्त हुआ। सबसे अधिक 42 प्रतिशत निवेश मुंबई को मिला। उसके बाद बेगलुरु को 37 प्रतिशत निवेश मिला। रिपोर्ट कहती है कि बीते वित्त वर्ष मे रीयल एस्टेट क्षेत्र मे संस्थागत निवेश मुख्य रूप से अमेरिका, सिंगापुर, हांगकांग और जापान से आया। कुल निवेश मे अमेरिका के संस्थागत निवेशको का हिस्सा 67 प्रतिशत का रहा। कोविड-19 के भारत के रीयल एस्टेट क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे मे वेस्टियन ने कहा कि वाणिज्यिक संपत्ति क्षेत्र मे अगली दो-तीन तिमाहियो तक सुस्ती रहेगी। वही आवासीय क्षेत्र मे सुधार मे लंबा समय लग सकता है।

ई-वाणिज्य नीति का मसौदा जल्द होगा सार्वजनिक, स्टार्टअप को अधिक कर छूट पर हो रहा विचार : डीपीआईआईटी

भाषा। नई दिल्ली

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) टिप्पणियों व सुझावों के लिए शीघ्र ही ई-वाणिज्य नीति के मसौदे को सार्वजनिक करेगा। इसके साथ ही उभरते उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए इस बात पर विचार किया जा रहा है कि स्टार्टअप उपक्रमों को प्रत्यक्ष व परोक्ष कर व्यवस्था के तहत किस तरह की और छूट दी जा सकती हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। डीपीआईआईटी के सचिव गुरुप्रसाद महापात्रा ने राजस्थान सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित राजस्थान स्ट्राइड संगोष्ठी में कहा कि ई-वाणिज्य तेजी से उभरता क्षेत्र है और यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि अगले कुछ साल में यह किधर जाएगा। अभी तक देश में ई-वाणिज्य नीति नहीं है, लेकिन विभाग अब इस पर तेजी से काम कर रहा है। महापात्रा ने इस मौके पर यह भी बताया कि डीपीआईआईटी और राजस्व विभाग उभरते उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए स्टार्टअप उपक्रमों को प्रत्यक्ष व परोक्ष कर व्यवस्था के तहत दी जा सकने वाली छूटों के बारे में साथ मिलकर विचार कर रहा है। सरकार ने पिछले साल फरवरी में राष्ट्रीय ई-वाणिज्य नीति का मसौदा जारी किया था। उस मसौदे में दूसरे देशों के साथ डेटा प्रवाह पर रोक लगाने के लिए वैधानिक व तकनीकी रूपरेखा तैयार करने का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा उस मसौदे में संवेदनशील डेटा को स्थानीय स्तर पर इकट्ठा करने और उन्हें देश से बाहर भंडारित करने के बारे में व्यवसायों के लिए शर्तों का भी प्रस्ताव किया गया है।

पी आर जयशंकर ने आईआईएफसीएल के प्रबंध निदेशक का पदभार संभाला

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) ने घोषणा की कि पी आर जयशंकर ने कंपनी के प्रबंध निदेशक का पदभार ग्रहण कर लिया है। आईआईएफसीएल ने एक बयान मे कहा कि इससे पहले, वह (पी आर जयशंकर) नेशनल हाउसिंग बैक (एनएचबी) के कार्यकारी निदेशक थे। बयान मे कहा गया है कि उन्होंने शुक्रवार को इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेस फर्म की कमान संभाली। बयान मे बताया गया कि यह नियुक्ति तीन साल की अवधि के लिए है। जुलाई 2017 से खाली पड़े इस पद को भरने मे सरकार को लगभग तीन साल लग गए।

ब्रिटेन में अगस्त से समाप्त होने लगेगी कोविड-19 रोजगार संरक्षण योजना: ऋषि

लंदन। ब्रिटेन सरकार की लॉकडाउन के बाद अर्थव्यवस्था के धीरे-धीरे खुलते जाने के मद्देनजर कोविड-19 रोजगार संरक्षण योजना को अगस्त से समाप्त करने की ओर बढ़ेगी। ब्रिटेन के वित्त मंत्री ऋषि सुनक ने इसकी जानकारी दी। भारतीय मूल के वित्त मंत्री ने शुक्रवार को कहा कि रोजगार संरक्षण योजना अक्टूबर मे पूरी तरह से समाप्त होगी। उससे पहले नियोक्ताओ को कहा गया है कि वे अगस्त से लोगो को दिए जा रहे पैसे मे कुछ योगदान करना शुरू कर दे। कोविड-19 रोजगार संरक्षण योजना के तहत करीब 10 लाख लोगो की नौकरियां बचाने के लिए सरकार उनके वेतन के 80 प्रतिशत का भुगतान कर रही है। सुनक ने कहा कि ब्रिटेन के इतिहास मे अभी तक किसी भी सरकार ने इतने बड़े स्तर पर ऐसी योजना कभी नही लागू की है। उन्होने कहा, निर्विवाद रूप से यह योजना जारी नही रह सकती है।

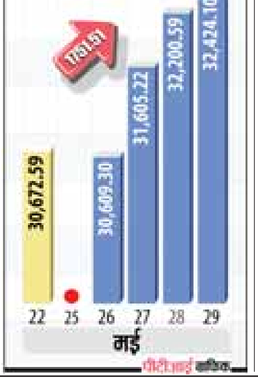

तीन भारतीय कंपनियों को नासा से वेंटिलेटर विनिर्माण का लाइसेंस

वाशिंगटन। तीन भारतीय कंपनियो को अमेरिका के राष्ट्रीय वैमानिकी एवं अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) से कोविड-19 के मरीजो के लिए वेंटिलेटर के विनिर्माण का लाइसेस मिला है। ए तीन भारतीय कंपनियां...अल्फा डिजाइन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लि., भारत फोर्ज लि. और मेधा सर्वो ड्राइव्स प्राइवेट लि. है। नासा की ओर से शुक्रवार को जारी बयान मे यह जानकारी दी गई है।

सेबी ने पावर ऑफ अटॉर्नी नियमों के क्रियान्वयन की तारीख एक अगस्त तक बढ़ाई

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने पावर ऑफ अटॉर्नी (मुख्तारनामा) से संबंधित नियमो के क्रियान्वयन की तारीख एक अगस्त, 2020 तक बढ़ा दी है। यह मुख्तारनामा ग्राहको द्वारा ट्रेडिंग सदस्यो या क्लियरिंग सदस्यो को देना होता है। नियामक ने फरवरी, 2020 मे मार्जिन प्रतिबद्धताओ के बारे मे विशेष दिशानिर्देश जारी किए थे।

टॉरेंट गैस ने पांच राज्यों में 21 सीएनजी स्टेशन शुरू किए

नई दिल्ली। टॉरेंट गैस लि. ने लॉकडाउन मे ढील के बाद पांच राज्यो मे 21 सीएनजी स्टेशन शुरू किए है। गुजरात के टॉरेंट समूह की शहर गैस वितरण कंपनी ने शनिवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा कि कुछ आर्थिक गतिविधियां शुरू करने की अनुमति मिलने के बाद उसने इन सीएनजी स्टेशनो को चालू किया है।

हुंदै ने मई में 5,000 वाहनों का निर्यात किया

नई दिल्ली। हुंदै मोटर इंडिया लि. (एचएमआईएल) ने इस महीने 5,000 से अधिक वाहनो का निर्यात किया है। कंपनी के चेन्नई कारखाने मे दोबारा उत्पादन आठ मई को शुरू हुआ था।

अमेरिका, ब्रिटेन ने सुरक्षा परिषद में उठाया हांगकांग का मुद्दा

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में एक आपात चर्चा में अमेरिका और ब्रिटेन ने हांगकांग पर चीन के विवादास्पद सुरक्षा कानून का मुद्दा उठाया जिससे नाराज चीन ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को इसके बजाए मिनीपोलिस में प्रदर्शनकारियों पर अमेरिका के अत्यधिक बल प्रयोग और अश्वेत समुदायों के खिलाफ भेदभाव पर अपना ध्यान केन्द्रित करना चाहिए।

अमेरिका और ब्रिटेन ने शुक्रवार को आपात चर्चा की मांग की जिसके बाद 15 सदस्यों वाली सुरक्षा परिषद ने हांगकांग के मुद्दे पर अनौपचारिक ऑनलाइन बैठक की। संयुक्त राष्ट्र के लिए अमेरिकी राजदूत केली क्राफ्ट ने कहा, आज मैंने परिषद से एक सामान्य प्रश्न किया: क्या हम स्वतंत्रता पसंद करने वाले अन्य लोगों की तरह हांगकांग के लाखों नागरिकों के मानवाधिकारों और गरिमापूर्ण जीवन जीने के उनके तरीके का बचाव करने के लिए कोई सम्मानजनक रुख अपनाने जा रहे हैं या हम चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने और हांगकांग के लोगों पर अपनी इच्छा को थोपने की अनुमति देंगे जो अपनी स्वतंत्रता और जीवन की अपनी शैली को संरक्षित करने के लिए हमारी ओर देख रहे हैं? क्राफ्ट ने कहा कि अमेरिका दृढ़ है और संयुक्त राष्ट्र के सभी सदस्य देशों से आह्वान करता है कि वे चीन से अपने निर्णय को वापस लेने और इस संस्था तथा हांगकांग की जनता के प्रति अपनी अंतरराष्ट्रीय कानूनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने की मांग मे शामिल हों।

● चीन ने मिनीपोलिस का दिया हवाला

वहीं बीजिंग ने इस पर पलटवार करने हुए कहा कि विधेयक को पारित करना पूरी तरह से चीन का आंतरिक मसला है, इसका सुरक्षा परिषद के कामकाज और अधिकारक्षेत्र से कोई लेना-देना नहीं है।संयुक्त राष्ट्र में चीन के राजदूत झांग जुन और रूस ने अमेरिका को जॉर्ज फ्लॉयड की हत्या का जिम्मेदार ठहराया। झांग ने कहा, हमारा मानना है कि इस मुद्दे पर वक्त बर्बाद करने के बजाए परिषद को ऐसे मामलों पर ध्यान देना चाहिए और उन पर कार्वाई करनी चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए जरूरी हैं।

उन्होंने कहा, उदाहरण के तौर पर अंतराराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर ब्रेक्जिट का प्रभाव, अमेरिका और अन्य देशों की तरफ से लगाए गए एकतरफा प्रतिबंध, मिनीपोलिस में प्रदर्शनकारियों पर अत्यधिक बल प्रयोग, अफ्रीकी अमेरिकी युवा की हत्या और अफ्रीकी अमेरिकियों के खिलाफ नस्लीय भेदभाव। यह सूची अंतहीन हो सकती है। चीन इन मुद्दे पर आप के साथ मिल कर काम करने के लिए तैयार है।

चीन का समर्थन करते हुए रूस के पहले उप स्थाई प्रतिनिधि दिमित्री पोलीयांसिकी ने ट्वीट कर कहा, सुरक्षा परिषद में हांगकांग का मुद्दा उठाना अमेरिका और ब्रिटेन का अजीब कदम है। इसे परिषद के सदस्यों का बहुमत नहीं है। यह विभाजनकारी, द्वेषपूर्ण मुद्दा है जिसका अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से कोई लेना देना नहीं है और ऐसे मुद्दे परिषद में नहीं लाए जाने चाहिए।

झांग ने कहा कि अमेरिका और ब्रिटेन को हांगकांग के मुद्दे में दखल देना तत्काल बंद करना चाहिए। इस बीच चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ने अपने मुखपत्र में कहा कि अमेरिका द्वारा हांगकांग को दी गई कुछ व्यापारिक तरजीह को समाप्त करना चीन के आंतरिक मामले में घोर दखल है।

शक्तिशाली भारत, चीन की आधिपत्य की महत्वाकांक्षाओं को विफल करने में मददगार होगा: अमेरिकी सांसद

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के एक वरिष्ठ सीनेटर ने कई मुद्दों को लेकर वाशिंगटन और बीजिंग के बीच चल रहे वाकयुद्ध के बीच कहा है कि एक संपन्न, शक्तिशाली और लोकतांत्रिक भारत, चीन की आधिपत्य की महत्वाकांक्षाओं को विफल करने में मददगार होगा।

व्यापार, कोरोना वायरस की उत्पत्ति, हांगकांग में बीजिंग की कार्वाई और विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर अमेरिका और चीन में तनातनी चल रही है।टेक्सास से रिपब्लिकन सांसद जॉन कोर्निन ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया, एक संपन्न, शक्तिशाली और लोकतांत्रिक भारत चीन की आधिपत्य जमाने की महत्वाकांक्षाओं को नाकाम करने में मददगार होगा। कोर्निन ने द वॉल स्ट्रीट जर्नल में वाल्टर रसेल मीड द्वारा लिखा गया एक आलेख भी साझा किया जिसमें अमेरिकी विद्वान ने कहा कि भारत को दीर्घकालीन वृद्धि दर बढ़ाने में मदद करना अमेरिका की विदेश नीति के शीर्ष लक्ष्यों में से एक होना चाहिए। उन्होंने लिखा, अमेरिका को अपने सबसे महत्वपूर्ण शीत युद्ध में जीत उन देशों को अमीर बनाने में मदद करके मिली जिससे उसकी खुद की सुरक्षा और समृद्धि को फायदा मिला। इस रुख को फिर से अपनाने की आवश्यकता है और भारत से इसकी शुरुआत होनी चाहिए। मीड ने कहा कि चीन के साथ नए शीत युद्ध में भारत, अमेरिका का स्वाभाविक सहयोगी है।

ट्रंप ने अमेरिका में कुछ चीनी छात्रों के प्रवेश पर लगाया प्रतिबंध

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से संबंध रखने वाले चीन के छात्रों और शोधकर्ताओं के देश में प्रवेश पर रोक लगाने की घोषणा की है। उन्होंने अमेरिका से बौद्धिक संपदा और प्रौद्योगिकी हासिल करने के लिए स्नातक छात्रों का इस्तेमाल करने की चीन की कोशिशों को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया है।

व्यापार, कोरोना वायरस की उत्पत्ति, हांगकांग में बीजिंग की कार्वाई और विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक सैन्य गतिविधियों को लेकर अमेरिका और चीन में बढ़ती तनातनी के बीच ट्रम्प ने यह घोषणा की है। इस संबंध में शुक्रवार को घोषणा करते हुए ट्रम्प ने कहा कि चीन ने अपनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के आधुनिकीकरण के लिए संवदेनशील अमेरिकी प्रौद्योगिकियों और बौद्धिक संपदा को हासिल करने के लिए व्यापक अभियान चलाया हुआ है। उन्होंने कहा कि चीन की यह गतिविधि अमेरिका की दीर्घकालीन आर्थिक शक्ति और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा है। ट्रम्प ने आरोप लगाया कि चीन अपने कुछ छात्रों ज्यादातर परास्नातक और शोधकर्ताओं का इस्तेमाल बौद्धिक संपदा को एकत्रित करने के लिए करता है इसलिए पीएलए से जुड़े चीनी छात्रों या शोधकर्ताओं के चीनी अधिकारियों के हाथों इस्तेमाल होने का अधिक जोखिम है और यह चिंता का सबब है। उन्होंने कहा, इसे देखते हुए मैंने फैसला किया कि अमेरिका में पढ़ाई या शोध करने के लिए एफ या जे वीजा मांगने वाले कुछ चीनी नागरिकों का प्रवेश अमेरिका के हितों के लिए खतरनाक होगा।

मिनियापोलिस में मेमोरियल डे पर पुलिस हिरासत में मारे गए जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन करते लोग

इस्लामिक स्टेट को समर्थन देने के मामले में महिला को सजा

फोर्ट मायर्स (अमेरिका)। फ्लोरिडा की एक महिला को पश्चिम एशिया में इस्लामिक स्टेट आतंकवादी समूह की मदद के लिए मोबाइल फोन भेजने की कोशिश करने के मामले में पांच साल 10 महीने कारावास की सजा सुनाई गई है।

पुंटा गोर्डा की एलिसन मैरी शेपर्ड (35) को आईएस को सहायता मुहैया कराने की कोशिश करने के मामले में फोर्ट मायर्स संघीय अदालत में पिछले साल दोषी ठहराया गया था। अदालती दस्तावेजों के अनुसार एलिसन ने 2016 में फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया माध्यमों की मदद से सलाफी जिहादी विचारधारा और आईएस को समर्थन देने वाले लोगों से जुड़ना शुरू किया। उसने उन लोगों से सोशल मीडिया पर कूटभाषा में भी बातचीत की, जिन्हें वह आईएस का समर्थक मानती थी। इनमें से एक व्यक्ति को बाद में एफबीआई ने पकड़ लिया और उसने संघीय कानून प्रवर्तन से सहयोग करना शुरू किया। एलिसन ने दो खुफिया एजेंटों को आईएस समर्थक समझकर उनसे भी बातचीत शुरू की। अभियोजकों ने बताया कि उसने जून 2017 में एजेंटों को बताया कि वह आईएस के लिए मोबाइल फोन खरीदकर भिजवा सकती है। उसने अगले महीने 10 मोबाइल फोन खरीदे और यह सोचकर उन्हें एक एजेंट को भेजा कि वह पश्चिम एशिया में इसे भेज देगा और उनका इस्तेमाल प्रेशर कुकर बम बनाने में किया जाएगा।

बाइडेन ने नस्लवाद के खुले घाव की बात की

भाषा। वाशिंगटन

जो बाइडेन ने मिन्नेसोटा में एक अश्वेत व्यक्ति की पुलिस के हाथों हत्या पर अपनी प्रतिक्रिया में देश के जड़ें जमा चुके नस्लवाद के खुले घाव पर शुक्रवार को अफसोस प्रकट किया। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से बिल्कुल भिन्न रूख अपनाया जिन्होंने कहा है कि प्रशासन जॉर्ज फ्लोड की मौत के बाद होने वाले प्रदर्शन पर बिल्कुल सख्ती कर सकता है। डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार माने जा रहे बाइडेन ने डेलावेयर के विल्मिंगटन में अपने घर से प्रसारित भाषण में कहा, इस देश का मूल पाप आज भी हमारे राष्ट्र पर दाग है।

उन्होंने राष्ट्रपति पद के लिए अपनी कोशिश की पिछले साल घोषणा करते हुए कहा था, असहज करने वाली सच्चाइयों पर कड़ी नजर डालने का यह वक्त है। उन्होंने गहराई तक विभाजित देश को एकजुट रखने के अपने रूख की चर्चा करते हुए ऐसा कहा था। उन्होंने वर्जीनिया के शेर्लोट्सविले में श्वेतों की सर्वोच्चता को लेकर हुई रैली के प्रति ट्रंप के जवाब को अमेरिकी लोगों एवं मूल्यों के प्रति अनपयुक्त करार दिया। नस्ली अशांति की एक और लहर की ओर बढ़ रहे देश में बाइडेन के अभियान के मूल तत्व की परख हो रही है। ट्रंप का मुकाबला करने के लिए बाइडेन अपनी सहानुभूति सामने रख रहे हैं। ट्रंप अक्सर संकट के समय निजी स्तर पर भावनात्मक रूप से जुड़ने का प्रयास करते हैं। बाइडेन ने कहा कि उन्होंने फ्लोड के परिवार से मुलाकात की है और इंसाफ की मांग की है। उन्होंने एक ऐसे पुलिस सुधार का आह्वान किया जिसमें सभी पुलिसकर्मी उच्च मानदंड पर खरा उतरें और यहां कई वाकई ऐसे हैं भी। वैसे ट्रंप ने फ्लोड की मौत शुरू में पुलिस कार्वाई की निंदा की थी लेकिन बाद में उन्होंने यह ट्वीट कर अशांति बढ़ा दी कि प्रदर्शनकारियों पर हिंसक पुलिस कार्वाई हो सकती है।

डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में प्रस्तावित जी-7 बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी मर्केल

बर्लिन। जर्मन चांसलर एंजेला मर्केल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मेजबानी में प्रस्तावित जी-7 देशों की बैठक में हिस्सा नहीं लेंगी। मर्केल के कार्यालय ने शनिवार को यह जानकारी दी। इससे पहले 10-12 जून को कैंप डेविड में निर्धारित सालाना जी-7 सम्मेलन को रद्द कर दिया गया था। उसके बाद ट्रंप ने एक सप्ताह पहले कहा था कि वह इन देशों के नेताओं से आमने-सामने बैठक करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि ऐसा करने से यह संदेश जाएगा कि कोरोना वायरस महामारी के दौरान हालात सामान्य हो रहे हैं। ट्रंप की घोषणा के तत्काल बाद मर्केल ने कहा था कि उन्होंने आमने-सामने या वीडियो कांफ्रेंस के जरिए होने वाली बैठक में शिरकत करने को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया है। लेकिन अब मर्केल के कार्यालय ने साफ कर दिया है कि वह बैठक में भाग नहीं लेंगी। मर्केल के कार्यालय ने कहा, कोरोना वायरस से उत्पन्न हालात के मद्देनजर वह बैठक में शामिल होने का वादा नहीं कर सकतीं।

जानवरों से मनुष्यों में कैसे पहुंचा कोरोना वायरस, अनुसंधानकर्ताओं ने लगाया पता

भाषा। ह्यूस्टन (अमेरिका)

कोविड-19 वैश्विक महामारी के स्रोत पर प्रकाश डालने वाले एक अध्ययन में बताया गया है कि कोरोना वारयस आकार बदलकर जानवरों से मनुष्यों में प्रवेश करने और उन्हें संक्रमित करने में सक्षम है। अनुसंधानकर्ताओं ने कोविड-19 और जानवरों में इसके इसी प्रकार के प्रारूपों का आनुवंशिक विश्लेषण किया। उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि इस वायरस का सबसे निकट संबंधी वही कोरोना वायरस है जो चमगादड़ों को संक्रमित करता है।

अनुसंधानकर्ताओं के दल में अमेरिका के अल पासो में टेक्सास विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ता भी शामिल हैं।उन्होंने साइंस एडवांसेस में प्रकाशित अध्ययन में कहा कि सार्स-कोव-2 वायरस की मनुष्यों को संक्रमित करने की क्षमता स्तनधारी प्राणी पैंगोलिन को संक्रमित करने वाले कोरोना वायरस से एक अहम जीन के आदान-प्रदान से जुड़ी है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि यह वायरस अपने आनुवंशिक गुणों में बदलाव करके मेजबान कोशिकाओं में मौजूद रह सकता है। इसी क्षमता के कारण यह एक प्रजाति से दूसरी प्रजाति में प्रवेश कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह उसी प्रकार है, मानो वारयस में ऐसी क्षमता है कि वह चाबी को इस प्रकार ढालने में सक्षम है जो मेजबान कोशिका के द्वार को खोल सके।

अमेरिका के ड्यूक विश्वविद्यालय के फेंग गाओ ने कहा कि सार्स या मर्स की तरह यह कोरोनावायरस भी अपने आनुवंशिक गुणों में बदलाव करने में सक्षम है जिसकी मदद से वह मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है। गाओ और उनके साथियों के अनुसार इस अध्ययन से वायरस से भविष्य में होने वाली वैश्विक महामारियों को रोकने और उनका टीका खोजने में मदद मिल सकती है।

महिला शांतिरक्षक संघर्ष में बचे लोगों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने में मददगार: गवानी

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

भारतीय सेना में मेजर सुमन गवानी ने अग्रिम पदों पर महिला शांति रक्षकों के महत्व पर जोर देते हुए कहा है कि यह संघर्ष में बचने वाले लोगों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा करने में मदद करता है। मेजर गवानी प्रतिष्ठित यूएन जेंडर एडवोकेट पुरस्कार से सम्मानित हैं। दक्षिण सूडान में संयुक्त राष्ट्र मिशन में तैनात रहीं सैन्य पर्यवेक्षक गवानी को अंतरराष्ट्रीय संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक दिवस के मौके पर शुक्रवार को आयोजित एक आभासी (वर्चुअल) समारोह में संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने 2019 का यूनाइटेड नेशन मिलिट्री जेंडर एडवोकेट पुरस्कार प्रदान किया।

पुरस्कार स्वीकार करते हुए गवानी ने एक ऑडियो संदेश में कहा कि यह पुरस्कार मिलना उनके लिए बड़े सम्मान और सौभाग्य की बात है और उन्होंने इस अवसर के लिए यूएनएमआईएसएस और भारत का आभार जताया। उन्होंने कहा कि यूएनएमआईएसएस अग्रिमों पदों पर और महिला शांति रक्षकों को तैनात करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहा है ताकि वे समाज की गहराई तक पहुंच सकें और संघर्ष में बचे लोगों के बीच सुरक्षा की भावना पैदा कर सके। गवानी ने कहा, बड़े गर्व के साथ मैं सभी भारतीय शांति रक्षकों की ओर से यह पुरस्कार स्वीकार करती हूं और शांति के लिए सर्वोच्च बलिदान करने वाले लोगों को याद करती हूं। उन्होंने कहा कि महिलाएं, शांति और सुरक्षा समाज के सबसे महत्वपूर्ण पहलू हैं। दक्षिण सूडान को खूबसूरत देश बताते हुए उन्होंने कहा कि दक्षिण सूडान में सैन्य पर्यवेक्षक के तौर पर शांति के लिए किया गया काम उनके लिए जीवन का महत्वपूर्ण अनुभव रहा और उन्होंने भारतीय सेना में अपने सहकर्मियों का आभार जताया। यूनाइटेड नेशंस मल्टीडाइमेंशनल इंटीग्रेटेड स्टैबिलाइजेशन मिशन इन द सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक (एमआईएनयूएससीए) में काम कर रही ब्राजीलियाई नौसेना अधिकारी कमांडर कार्ला मोंटेरो डी कास्त्रो अरॉजो को भी इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पहली बार है जब दो शांति रक्षकों को संयुक्त रूप से यह पुरस्कार दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने लैंगिक समानता का प्रचार करने में प्रेरणादायक काम करने के लिए गवानी और अरॉजो की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका योगदान संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षा में महिलाओं की बढ़ती संख्या की अहमियत को दिखाता है।

सिंगापुर में कोरोना के 506 नए मामले

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में शनिवार को कोविड-19 के 506 नए मामले सामने आए जिनमें से अधिकतर मरीज विदेशी कामगार हैं जो डोरमेट्री में रहते हैं। यहां संक्रमण के कुल 34,366 मामले हो गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक सामुदायिक संक्रमण के पांच मामले हैं। इनमें से तीन सिंगापुर के नागरिक या स्थाई निवासी (विदेशी) हैं जबकि तीन कामकाजी पास धारक विदेशी हैं। शुक्रवार को चांगी कारावास में तीन कैदी तथा एक स्टाफ नर्स संक्रमित पाए गए थे।

सिंगापुर कारावास सेवा की ओर से शनिवार को एक बयान में कहा गया कि इन चारों मामलों का आपस में कोई संबंध नहीं है। तीन कैदियों को हाल ही में जेल में लाया गया था। एहतियाती तौर पर सभी नए कैदियों को अन्य कैदियों से 14 दिन के लिए अलग रखा जा रहा है।

संयुक्त राष्ट्र ने दक्षिण सूडान पर लागू हथियार व अन्य पाबंदियों की अवधि बढ़ाई

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी जिसमें दक्षिण सूडान पर लगी हथियार पाबंदियों के साथ यात्रा और वित्तीय पाबंदियों को भी एक साल के लिए बढ़ा दिया गया है। रूस, चीन तथा दक्षिण अफ्रीका ने मत-विभाजन में भाग नहीं लिया। अमेरिका ने प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया है जिसमें दक्षिण सूडान में शांति प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने का स्वागत किया गया है। इसमें अंतरिम सरकार के गठन की शुरुआत का प्रस्ताव शामिल है। लेकिन इसमें दक्षिण सूडान में लगातार संघर्ष पर गहरी चिंता भी व्यक्त की गई है और शांति समझौते के उल्लंघन की निंदा की गई है। इस बात की प्रबल उम्मीद जताई जा रही थी कि दक्षिण सूडान को 2011 में पड़ोसी सूडान देश से लंबी लड़ाई के फलस्वरूप मिली आजादी के बाद वहां शांति और स्थिरता आएगी। लेकिन दुनिया के सबसे युवा देश में दिसंबर 2013 में जातीय हिंसा भड़क गई जब राष्ट्रपति साल्वा कीर के वफादार बलों ने पूर्व उपराष्ट्रपति रीक मशर के निष्ठावान लोगों से लड़ाई शुरू कर दी।

इजराइली पुलिस ने यरूशलम में निहत्थे फलस्तीनी की जान ली

यरुशलम। इजराइली पुलिस ने यरुशलम के पुराने शहर के पास शनिवार को एक फलस्तीनी व्यक्ति की गोली मार कर हत्या कर दी। पुलिस को इस व्यक्ति के पास हथियार होने का संदेह था, लेकिन उसके निहत्थे होने का बाद में पता चला। पुलिस ने कहा कि उसके पास एक संदिग्ध वस्तु थी, जो पिस्तौल की तरह दिख रही थी। उसे जब रूकने को कहा गया, तब वह भागने लगा।पुलिस ने कहा कि उन्होंने उसका पीछा किया और उस पर गोली चला दी। पुलिस प्रवक्ता मिकी रोजेनफेल्ड ने बाद में कहा कि इलाके में कोई पिस्तौल नहीं मिली। मृतक के एक रिश्तेदार ने उसकी पहचान की और बताया कि वह मानसिक रूप से अस्वस्थ था।

कोरोना वायरस: पाकिस्तान में 78 और लोगों की मौत, मृतक संख्या हुई 1,395

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस संक्रमण से 78 और लोगों की मौत हो जाने से देश में इस घातक वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर1,395 हो गई है, जबकि संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 67,500 के करीब पहुंच गई है।

पाकिस्तान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि देश में अब तक 5,32,037 नमूनों की जांच की जा चुकी है, जिनमें से शुक्रवार को 12,020 नमूनों की जांच की गई।मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के 2,429 नए मामले सामने आए। देश में संक्रमित लोगों की कुल संख्या बढ़कर 66,457 हो गई है। सिंध में संक्रमण के सर्वाधिक 26,113 मामले सामने आए है। इसके बाद पंजाब में 24,104, खैबर-पख्तूनख्वा में 9,067, बलूचिस्तान में 4,087,

● संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 67,500 के करीब पहुंची

इस्लामाबाद में 2,192, गिलगित-बाल्तिस्तान में 660 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 234 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने बताया कि संक्रमित लोगों में से 24,131 लोग उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं। सीमावर्ती क्षेत्र एवं मादक पदार्थ नियंत्रण राज्य मंत्री शहरयार आफरीदी ने शुक्रवार देर रात ट्वीट किया कि वह संक्रमित पाए गए हैं। उन्होंने कहा, मैंने चिकित्सकों के परामर्श के अनुसार स्वयं को घर में पृथक कर रखा है। इस बीच, ब्रिटेन ने पाकिस्तान को इस संक्रमण से निपटने के लिए 43 लाख 90 हजार पाउंड की अतिरिक्त सहायता देने की घोषणा की। ब्रिटेन ने अप्रैल में भी पाकिस्तान को 26 लाख 70 हजार पाउंड की मदद दी थी।

चीन में कोरोना वायरस के छह नए मामले सामने आए

बीजिंग। चीन में कोरोना वायरस के छह नए मामले सामने आए हैं जिनमें से चार मरीजों में बीमारी के लक्षण नहीं देखे गए। चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने शनिवार को बताया कि कोविड-19 के छह नए मामलों में से दो बाहरी मामले हैं और ए शुक्रवार को शानडोंग और शंघाई से सामने आए। उसने बताया कि बिना लक्षण वाले चार मामलों में से तीन कोरोना वायरस का केंद्र रहे वुहान से सामने आए।आयोग ने बताया कि शुक्रवार तक बिना लक्षण वाले कुल 396 मामले सामने आए जिनमें से 331 मामले वुहान से सामने आए। बिना लक्षण वाले सभी मरीजों को चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। बिना लक्षण वाले मामले वे होते हैं जो कोविड-19 से संक्रमित तो पाए जाते हैं लेकिन उनमें बीमारी के लक्षण जैसे कि बुखार, खांसी या गले में सूजन दिखाई नहीं देते। हालांकि उनके दूसरे लोगों में संक्रमण फैलाने का खतरा होता है।चीन में अब तक कोरोना वायरस के कुल 82,999 मामले सामने आए हैं। इस विषाणु से देश में अब तक 4,634 लोग जान गंवा चुके हैं।

दक्षिण कोरिया में कोरोना संक्रमण के 39 नए मामले सामने आए

सियोल। दक्षिण कोरिया में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 39 नए मामले सामने आए। इनमें से अधिकतर मामले घनी आबादी वाले उस इलाके में सामने आए हैं, जहां गोदाम में काम करने वाले कई कर्मी संक्रमित पाए गए थे।दक्षिण कोरिया रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (केसीडीसी) के अनुसार देश में संक्रमण के अब तक 11,441 मामले सामने आए हैं, जिनमें से 269 लोगों की मौत हो गई है। शनिवार को संक्रमित पाए गए लोगों में से कम से कम 12 लोग विदेश से आए हैं। केसीडीसी निदेशक जियोंग इयुन कियोंग ने शुक्रवार को बताया कि संक्रमण के कम से कम 102 मामले ई-कॉमर्स कंपनी कूपांग द्वारा संचालित एक बड़े गोदाम के कर्मियों से जुड़े हैं। संक्रमण को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने और कर्मियों के बीच दूरी सुनिश्चित करने में नाकाम करने के कारण कंपनी की आलोचना हो रही है। कंपनी के हेलमेट, लैपटॉप, कीबोर्ड और उन अन्य उपकरणों पर वायरस पाए हैं जिन्हें सभी कर्मी साझा रूप से इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा स्वास्थ्य कर्मियों के अनुसार संक्रमण के 266 मामले सियोल के नाइटक्लबों और मनोरंजन के अन्य परिसरों से जुड़े हैं, जहां मई में सामाजिक दूरी दिशा-निर्देशों में ढील दिए जाने के बाद भारी भीड़ देखी गई थी। दक्षिण कोरिया में स्कूल खोल दिए गए हैं। ऐसे में संक्रमण के मामले बढ़ना अधिकारियों के लिए और चिंता की बात बन गया है।

लॉस एंजेलिस में जॉर्ज फ्लॉयड की मौत के विरोध में जलायी गयी पुलिस गाड़ी को देखता एक व्यक्ति

पायनियर
रविवार, 31 मई, 2020

एजेण्डा

कभी कभी जब आपकी पसंदीदा चीजें सचमुच व्यवसायिक हो जाती हैं तो आप उससे छला महसूस करते हैं
-ग्वेनेथ पाल्त्रोवे

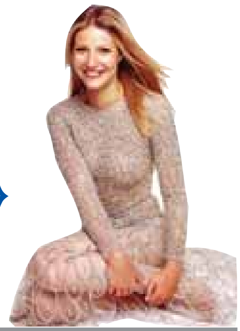

टीः द एक्सपीरियंस आफ इंडियन टी पुस्तक भारत के लंबे चौड़े विस्तार में, भारत की हृदयस्थलियों की यात्रा है, जो चाय बनाने की वो झलक पेश करती है जिसका स्थानीय लोगों, जनता, प्रक्रिया की प्रशंसा करती है - जो पुस्तक के लेखक रेखा सरीन एवं राजन कपूर के मुताबिक चाय विशेषज्ञ, सामान्य चायप्रेमी, चाय उद्योग समर्थक, पर्यटक के लिए प्रत्यक्ष निमंत्रण है। 21 मई को अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस था। प्रस्तुत हैं पुस्तक के संपादकीय अंशः

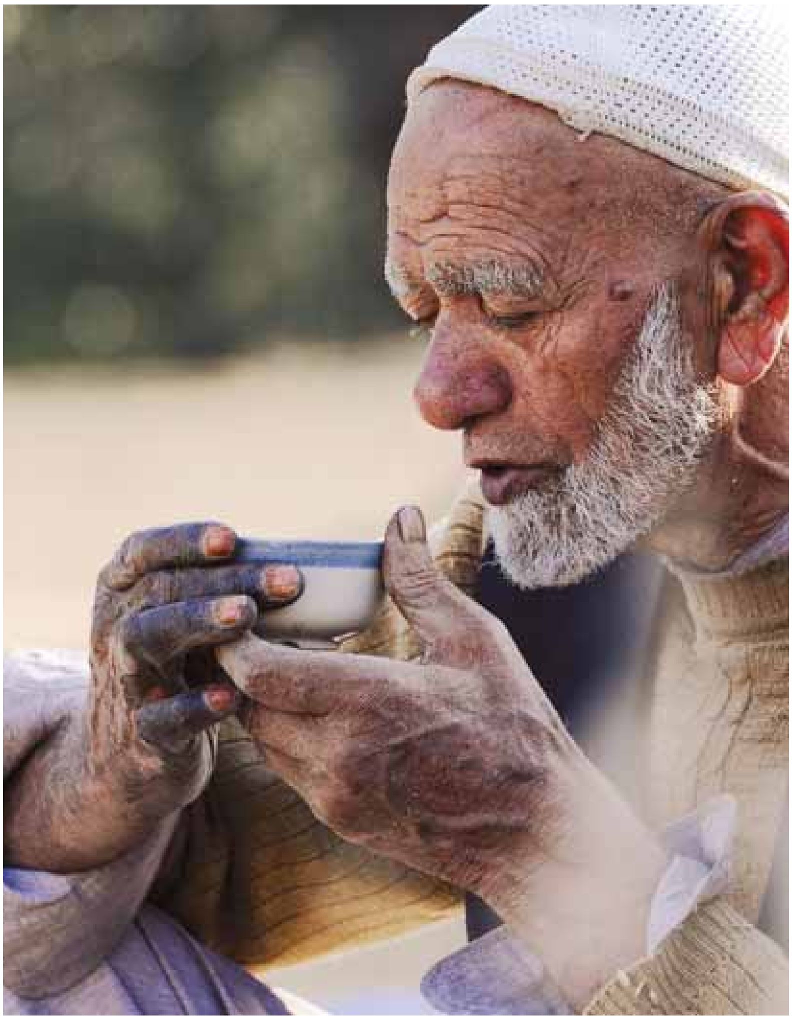

सेहत का प्याला

मेरे अनुभव ने मुझे मना लिया कि चाय ब्रांडी से अधिक बेहतर थी और अफ्रिका में बीते छह महीनों के दौरान मैंने ब्रांडी नहीं पी, जब मैं बीमार भी पड़ा तो मैंने उसकी जगह चाय पी। - थ्योडोर रूजवेल्ट

चाय उन सारी प्राथमिकताओं की हकदार है जो यह उन लोगों से प्राप्त करती हैं जो इसका मजा लेते हैं। इसके रस में न केवल उन्नत तत्वमूल्य हैं बल्कि स्वास्थ्य पर अनेक सकारात्मक प्रभाव भी पड़ते साबित हुए हैं। प्रगतिशील वैज्ञानिक शोध की दुनिया में, चाय पत्ती का बायलोजिकल मिश्रण चीन और जापान जैसी अनेक प्राचीन चाय पीने वाली संस्कृतियों में स्वास्थ और दीर्घजीविता के सहसंबंध के कारण अध्ययन का विषय बना है।

अपने प्रत्येक पहलू में, चाय को पाचनकार्य के लिए फायदेमंद होने के अलावा, थकान मिटाने तथा विचारों की स्पष्टता बढ़ाने का एक लाभकारी प्रतिनिधि समझा जाता है। हालांकि इसके प्रेरक प्रभाव, काफी के विपरीत, इसके केफीन तत्व से हासिल बताए जाते हैं, मगर ज्यादा मात्रा में चाय पीना हाइपरटेंशन, अनिद्रा या पेट की गड़बड़ी का कारण नहीं बनता है, क्योकि इसका घोल इस अनुपात में प्रस्तुत है जो कि काफी में कैफीन की मात्रा का आधा है। 190 एमएल चाय के कप में औसतन अनुमानतया प्रति कप 40-50 एमजी कैफीन होती है, जबकि फुल फ्लेवर में काफी औसतन 110-120 एमजी प्रति कप होती है।

ग्रीन, ओलोंग, सफेद और प्यू-एर चाय घोल में ब्लेक टी से कम कैफीन होती है। न केवल वे कमतर आक्सीकरण से गुजरते हैं, बल्कि यह इसलिए है क्योंकि ऐसी चाय अनेक मिश्रणों से बनी होती है। चूंकि पानी को एक से ज्यादा बार मिलाया जाता है, और जैसे ही तरल पदार्थ छंटता है, यह कैफीन की मात्रा घटा देता है। कैफीन को सुरक्षित माना जाता है जब इसे हर रोज 400 मिग्रा या उससे कम मात्रा में पीया जाता है जो कोला जैसे साफ्ट ड्रिंक्स को पीना शामिल होगा। इसलिए, चाहे ब्लेक टी हो या ग्रीन टी, कोई भी हो, कई कप काफी की तुलना में कई कप चाय पीने का आनंद लेना अधिक सुरक्षित है।

अनमोल एंटी-आक्सीडेंट

सबमें, इस जोशीले पेय पदार्थ का स्थान प्रकृति के स्वस्थ भंडार के उपयोगी तत्व के रूप में है। केमिलिया सिनेनसिस की पत्तियां, खासतौर पर कोंपलें और नाजुक कलियों में केटचिन्स और पॉलिफेनोल होते हैं। ये फ्लेवोनोएड्स के मोलिक्यूलर परिवार का हिस्सा हैं जो पौधों से निर्मित लाभकारी तत्व हैं।

चाय अपनी अधिकांश ताजगीपूर्ण तीखापन अपने दोयम तत्व, पोलिफनोल्स टीएफऔर टीआर से ग्रहण करती है जो पूर्वगामी जादुई घोल इपि-गेलो- केटेचिन-गेलेट (ईजीसीजी) से पैदा होते हैं जो कि ग्रीन टी पत्तियों में पाया जाता है।

इसका कंटेंट ग्रीन टी में थोड़ा ज्यादा है, पूर्णतया उबली हुई ब्लेक टी की तुलना में, क्योंकि आक्सीडेशन प्रक्रिया के दौरान, ज्यादातर केटेचिन्स जटिल पोलिफेनोल्स, थिएरूबिगिन्स और थियाफ्लाविन्स में बदल जाते हैं। ओलोंग टी में केटेचिन्स और पालिफेनोल्स का मिश्रण होता है, जैसा कि यह सेमी फर्मेंटेड होती है। इंस्टेंट और आइस टी, इसके विपरीत, में इसी मात्रा में पोलिफेनोल्स नहीं होते हैं, मिश्रित चाय की बराबर मात्रा के रूप में। इंसटेंट चाय आम तौर पर निम्न स्तरीय स्रोम सामग्री से उत्पन्न होती है।

ये सब विभिन्न प्रकार की केटेचिन्स और पोलिफेनोल्स में अच्छे तत्व होते हैं, वे ऐसे एंटीआक्सीडेंट का काम करते हैं जो शरीर मे मुक्त कणों की मौजूदगी के कारण क्षति को नाकाम कर देते हैं। सरल शब्दों में, पोलिफेनोल्स सामान्य प्रक्रिया का सहउत्पाद हैं जिसके जरिए आक्सीजन हमारी शरीर-कोशिकाओं में ग्लूकोज में मिल जाती है, जिससे शरीर में ऊर्जा पैदा होती है। वे अपने आपमें हानिकारक नहीं हैं। असलियत में, प्रतिरक्षण प्रणाली स्वयं वायरस और बैक्टीरियों को निष्क्रीय करने के लिए मुक्त कणों को उत्पन्न कर सकती हैं। यह तभी है जब वे बहुतायत में उत्पादित होते हैं कि वे कोशिका झिल्लियों व टिशूज पर हमला करने लगते हैं और कैंसर की स्थिति बना देते हैं। ब्लाकेज को बनाए रखने के साथ, जिससे हृदय रोग की स्थिति उत्पन्न होती है और बुढ़ापे की प्रक्रिया तेज होती है।

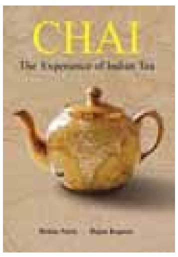

चाय में एक प्राकृतिक बायोफ्लेवोनोएड पाया जाता है जो उल्लेखनीय स्तर पर इंडोर्फिन स्तर बढ़ाने के लिए पाया गया है, जिसके कारण दर्द और बेचैनी घटते हैं ताकि सदमे और तनाव के मामलों में चाय का एक कप नसों को आराम पहुंचाता है।

एंटी ऑक्सीडेंटस सक्षम सफाईकर्मी का काम करते हैं जो रोग मुक्त कणों से होने वाली क्षति की झाड़पोंछ करते हैं, उन्हें निष्क्रीय करते हैं और परिणामस्वरूप कोशिका और टिशू क्षति में रोकथाम लगाते हैं।

यद्यपि रेड वाइन में तथा ब्रोकली और सोयाबीन जैसी हरी पत्तीदार सब्जियों में, तथा डार्क चाकलेट समेत सेब और झड़बेरियों जैसे फलों में केटेचिन्स और फ्लेवोनोएड्स के रूप में कुछ हद तक ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, मगर चाय एंटी आक्सीडेंट्स के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है।

फरवरी 1999 में फ्री रेडिकल रीसर्च में प्रकाशित लंदन में एंटीऑक्सीडेंट्स रीसर्च सेंटर के एक अध्ययन ने निम्न फार्मूले को अपनायाः 2 कप ब्लैक टी बराबर है - 1 गिलास रेड वाइन, 7 गिलास संतरा जूस, 20 गिलास सेब जूस के।

इसीलिए, चाय, एंटी आक्सीडेंट्स के अपने अधिक कंटेंट के साथ, कैंसर से लड़ने का एक संभावित वाहक है। इसी प्रकार, बायलोजिकल शोध भी बताता है कि चाय में एंटी आक्सीडेंट्स प्रतिक्रियाशील मुक्त कणों की हृदय-धमनियों को क्षति पहुंचाने की संभावना का प्रतिरोध करते हैं। हालैंड की नवोन्मेषन संस्था, टीएनओ के अनुसार, चाय और अन्य सब्जियों व फलों में पाये जाने वाले अनमोल पोलिफेनोल, क्वेरसेटिन में एंटी आक्सीडेंट्स गुण होते हैं और जो प्लेग होने की स्थिति रोकते हैं।

इस संदर्भ में, यह धमनियों की बेहतर संचार के लिए लचीलापन रखने तथा रक्त- कोशिकाओं में रक्त के थक्के बनने की संभावना घटाने में इंडोथिलियल परतों की सहायता करती है और हृदय रोगों व हृदयाघातों की अच्छी रोकथाम करती है। हालांकि ये बिमारियां अनुवांशिक व जीवनशैलीगत कारकों में काफी योगदान करती हैं, मगर स्वास्थ्य अध्ययन इस पेयपदार्थ के एंटीआक्सीडेंट्स लाभ में कुछ सकारात्मक नतीजे प्रदर्शित करते हैं। इसके अलाव, चाय में केटेचिंस संक्रमण को मारने में मददगार के रूप में फायदा प्रदान करते हैं क्योंकि वे वायरसों व बैक्टीरियाओं को कोशिका दीवारों पर अटकने से रोकते हैं। इसीलिए वे इंफ्लूएंजा, खाद्यविषाक्तता, पेचिस व कालरा जैसी बिमारियों के खिलाफ बचाने में सहायता कर सकते हैं। इसी उपाय के जरिए, वे मुंह के उन बैक्टीरियाओं को मारते हैं जो दांत और मसूड़ों के लिए हानिकारक होते हैं और परिदंतिका रोगों की स्थिति पैदा करते हैं।

चाय धमनियों के कामकाज को भी बेहतर बनाती है, इसके अंतर्गत वह बुरे बैक्टीरिया के बढ़ने को रोकती है और अच्छे बैक्टीरिया को आगे बढ़ाती है और इसीलिए यह एक अच्छी पाचक है। इसे विषाक्ततारोधक भी कहा जाता है क्योंकि केटेचिन्स हानिकारक भारी पदार्थों मसलन सीसा, पारा, क्रोमियम की सफाई कर सकती है, जो भोजन के साथ पेट में जा सकते हैं।

सुंदरता व सुकून के लिए चाय

अपने आपमें चाय के अंदर केलोरीज नहीं होती हैं, और यह सिर्फ चाय के प्रत्येक कप में अतिरिक्त चीनी है जो वजन बढ़ा सकती है। हालांकि दूध पर सवाल नहीं उठाया जा सकता, यहां तक यह सिर्फ एक जोश है। यह भी मान्यता है कि ग्रीन टी पतले होने में सहायता करती है। हालांकि इसे किसी भी रूप में एक जादुई ड्रिंक के रूप में नहीं समझा जा सकता है, मगर ग्रीन टी को प्रतिरक्षण प्रोत्साहन देने वाला बताया जाता है जो कुछ अतिरिक्त केलोरीज को लगभग चार फीसदी तक गला सकती है। अपने एंटीआक्सीडेंट्स गुणों की खूबी के कारण जो झुर्रियों तथा त्वचा की बर्बादी से लड़ने में सहायता करती है, अपनी ताजगीपूर्ण खूश्बे से सत ग्रहण करने वाली चाय फेशियल क्रीमों, त्वचा पैक व खुश्बूओं के लिए भी उपयोगी है।

पेय पदार्थ के आरामदायक गुण किसी भी रूप में पुरानी पत्नियों की कथा नहीं हैं। चाय में एक प्राकृतिक बायोफ्लेवोनोएड पाया जाता है जो उल्लेखनीय स्तर पर इंडोर्फिन स्तर बढ़ाने के लिए पाया गया है, जिसके कारण दर्द और बेचैनी घटते हैं ताकि सदमे और तनाव के मामलों में चाय का एक कप नसों को आराम पहुंचाता है।

खनिज स्रोत के रूप में चाय

चाय के पौधे में मिट्टी से फ्लोराइड सोखने की प्राकृतिक योग्यता होती है और इसलिए चाय सत सरलतापूर्वक इस खनिज को पानी में प्रसारित करता है, और इसे स्वस्थ दांत के लिए एक लाभकारी पेय पदार्थ बनाता है। यह अनुमानित है कि चाय का एक कप 0.1 मिलीग्राम फ्लोराइड प्रदान करता है और यह शरीर की दैनिक आवश्यकता का चालीस से पैंतालिस फीसदी प्रदान करती है। अध्ययनों ने यह भी दिखाया है कि चाय में मैंगनीज के तत्वों के साथ मिलकर कुछ ऐस्ट्रोजेनिक तत्व होते हैं, जो पांच फीसदी तक बोन मास बढ़ाने में सहायता करते हैं, जिससे हड्डियों में फ्रेंक्चर की संभावना घटती है। इसमें पोटेशियम भी होता है, जो शरीर के द्रव्य स्तर को बनाए रखने के लिए अत्यंत उपयोगी खनिज है। पेय पदार्थ मूत्रवर्द्धक का भी काम करती है। इस उदार मिश्रण को विटामिन सी, जिंक व फोलिक एसिड होने के लिए भी जाना जाता है, और इसीलिए आम तौर पर गर्भवती महिलाओं को लेने की सलाह दी जाती है।

अंत में, यह भूलने वाली बात नहीं है कि चीन ने अपनी खोज के दिनों के दौरान, पेय पदार्थ को उसकी उपचार महत्ता के लिए पहले मान्यता प्रदान की थी। आधुनिक स्वास्थ्य शोध अभी भी इस तथ्य को दोहराता रहता है।

- रेखा सरीन व राजन कपूर, नियोगी बुक्स द्वारा प्रकाशित पुस्तक चायः द एक्सपीरियंस आफ इंडियन टी से अनुमति लेकर प्रकाशित पुस्तकांश।

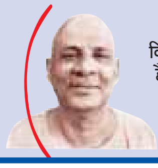

समस्त प्रत्यक्ष विफलताओं में कुछ अच्छा है जो आपको अभी नहीं दिखता है उसे समय दिखाएगा। धैर्य रखें

- स्वामी शिवानंद

सामूहिक दायित्व निभाएं

जीवन चक्र

भारत भूषण पद्मदेव

ध्यान कार्य से, हमने देख ही लिया है कि मन किस प्रकार अपनी तमाम सीमाओं व पूर्वाग्रहों से आजाद होते हुए समस्त विचार छवियों से मुक्त हो जाता है। मन का समूचा दायरा अपनी समग्र शक्तियां प्रदान करते हुए, पहुंच के दायरे में आ जाता है। साथ ही, यह व्यक्ति को खुले मन से उपलब्ध विकल्प देखने का अवसर देता है, जिससे व्यक्ति उचित परिप्रेक्ष्य में चीजों को देख पाता है। फिर आप जीवन में सही फैसले कर पाते हैं। यहां यह ध्यान देना महत्वपूर्ण है कि मन सिर्फ एक उपकरण है, जो अपनी मर्जी से काम नहीं कर सकता। इसके पास किसी भी परिस्थितिगत मामले को समझने के अपने परिभाषित सिद्धांत होते हैं जिसके कारण हम पहल करते हैं तथा बाह्य प्रेरणा पर प्रतिक्रियाएं करते हैं। हालांकि विडंबना यह है कि शुद्ध मन किसी विचार छवि से मुक्त होता है। फिर वो क्या है जो मन को संचालित करता है?

वैसे, ध्यान प्रक्रिया अपना उच्चतम स्तर हासिल करने तक सीमित नहीं रहती है। फिर आपको जीवन की वास्तविकताओं की नए ढंग से खोज करने की आवश्यकता होती है। इस प्रक्रिया में आप पहले अपना ध्यान प्रकृति के उन नियमों की ओर मोड़ते हैं जो हमारे जीवन चक्र की कुंजी अपने पास रखते हैं। इसके बाद, आप मौजूदा दुनिया की, उसकी समस्त विविधताओं व जटिलताओं के साथ, खोज करते हैं। ध्यान कार्य करने से, व्यक्ति का बौद्धिक स्तर पर्याप्त धारदार होता है ताकि वह समझदारी के साथ सहजतापूर्वक अपने परिवेश में हिस्सेदारी कर सके।

जीवन की सच्चाइयों की तलाश में इंसान क्या महसूस करेगा? खैर, ध्यार कार्य से आप धीरे-धीरे अपने अस्तित्व के मूल तक पहुंचते हैं- चेतना के परम तत्व, जो सभी को समान उपलब्ध है। फिर आप महसूस करते हैं कि समूचे जीवन अस्तित्व का आम मूलतत्व है। इसलिए समस्त आयामी जीवन में एकता अंतर्निहित होती है। यह दर्शाता है कि जगत एक एकीकृत संरचना है जहां किसी भी वैयक्तिक अस्तित्व की समग्र से इतर वास्तविक स्वतंत्रता नहीं है। बर्फीले पर्वतों से बहकर नीचे आता पानी अपनी समस्त प्रवाह यात्रा के दौरान जीवनअस्तित्व को सिंचित करते हुए समुद्र में जा मिलता है। पानी वाष्पीकृत होता है, बादलों में बदलता है और फिर बारिशें बनकर हमारे जलस्त्रोतों को ऊर्जस्वित करता हैं। इस तरह, जीवन उत्तरोत्तर चलता रहता है। पेड़ और पौधे हमारे मौसम चक्र को नियमित करते हैं। पशु व अन्य प्रजातियां भी जीवन चक्र को बनाए रखने के लिए अपनी तयशुदा भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं। और, सबका यह सामूहिक प्रयास है जो जीवन चक्र को बरकरार रखता है।

उपरोक्त अवधारणा को कठोपनिषद और भागवतगीता में एक अष्वत (बरगद) वृक्ष की मुस्कान के जरिए सुंदर ढंग से समझाया गया है। जड़ सृष्टि के उच्चत दायरों में अदृश्य क्षेत्र की ओर निर्देशित है। यह दर्शाता है कि जीवन संरचना एक व्यापक असीम प्रमुख स्त्रोत में समाई है, लेकिन उसके लिए कोई अस्तित्व संभव नहीं है। उस विशाल वृक्ष का तना, अपनी समस्त शाखाओं, पत्तियों व टहनियों के साथ, ज्ञात दायरे में जीवित जगत का प्रतिनिधित्व करते हुए निम्नोन्मुख है। पत्तियां समय समय पर झड़ती हैं जो ताजा पत्तियों को उभरने का अवसर देती हैं। इसी प्रकार, जीवन चक्र उत्तरोत्तर चलता रहता है। अगर कभी आप पत्तियों को तोड़ लेते हैं, पेड़ की डाल या टहनी को तोड़ देते हैं तो वे निर्जीव हो जाएंगी। वे तभी तक जीवित रहती है जब तक वे मुख्य वृक्ष का हिस्सा रहती हैं।

आधुनिक विज्ञान भी यही अवधारणा रखता है, जैसा कि प्रतिष्ठित आस्ट्रेलियाई भौतिकशास्त्री, पॉल डेविस के आंकलन का अर्थ है: ''भले यथार्थवादी के लिए अखंड संजाल, जहां किसी एक तत्व का समग्र से, जिसमें कि प्रेक्षक शामिल है, कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता है।'' अगर आप सृष्टि के ऊर्जा सिद्धांतों को देखते हैं, तो आपको लग सकता है कि विभिन्न नाम व आकार वाला समस्त जीवन प्रकृति से उत्पन्न ऊर्जाशक्तियों क्रिया और अंतक्रिया के जरिए अस्तित्व में आया है। ठोस काया वाला इंसान भी, जब उपसूक्ष्म स्तर पर देखा जाता है तो यह और कुछ नहीं बल्कि ऊर्जा शैलियों का एक संजाल है।

यहां मैं एक और वैज्ञानिक रूप से स्थापित तथ्य जोड़ना चाहता हूं: समान स्त्रोत वाले ऊर्जा तत्व एक दूसरे के साथ तात्कालिक एवं गहन संपर्क में आ जाते हैं भले ही वे कितनी भी दूर हों। और चूंकि जीवित जगत में प्रकट हो रहे ऊर्जास्त्रोत एकनिष्ठता से जुड़े होते हैं जैसा कि वैदिनक व वैज्ञानिक अवधारणा का मानना है, समूचा अस्तित्व ऊर्जा स्तर पर परस्परसंबंधित है। इसका स्वाभाविक निहितार्थ यह है कि यदि दुनिया के एक छोर पर कुछ गड़बड़ी होती है, तो उसकी अनुगूंज सुदूर और व्यापक महसूस की जाएगी। आश्चर्य नहीं, कि कोरोना वायरस, जो चीन के वुहान में उत्पन्न हुआ था, ने आज की तथाकथित आधुनिक दुनिया की वित्तीय एवं वैज्ञानिक सत्ता का मजाक उड़ाया है जहां तत्काल कोई अंत नजर नहीं दिख रहा है। वर्तमान महामारी ने एक बार फिर से हमारे याद दिलाने के लिए सौ सालों के बाद अपनी दोहराव पद्धति दिखाई है, कि हमें अपनी वैयक्तिक महत्वाकांक्षी कामनाओं की पूर्ति के दौरान अपने सामूहिक दायित्ववों के बारे में सजग रहने की जरूरत है।

प्रकृति का पुनरुत्थान

मदन लाल मनचन्दा का कहना है कि धरती को बचाने के लिए, ग्लोबल वार्मिंग, वातावरण संकट, मांस बाजार व वन्यजीव व्यापार को रोकना हमारा मिशन होना चाहिए

यह दशकों के बाद हे कि हमारे पर्यावरण में महान घटनाएं घट रही हैं। स्वच्छ हवा के परिणामस्वरूप, तीन दशकों में पहली बार हुआ कि गंगोत्री की बर्फीली चोटियां उत्तर प्रदेश के सहारनपुर से नजर आईं हैं। यह एक सुखद आश्चर्य था। सहारनपुर जिले के कंजर्वेटर, वीके जैन बताते हैं कि यही वे पहाड़ हैं जिन्हें मसूरी से देखा जा सकता है।

बसंत उल्लेखनीय ढंग से अलग हो गया है। नीले आसमानों, कलकल बहती नदियां, साइकैस देवदारों पर पत्तियों की नयी फसल के लौटने आनन्दित करने वाला हुआ है। उनमें से प्रत्येक के पारदर्शी नये बेलबूटे हैं। पेड़ पौधे व वनस्पतियां वापस सामान्य हो गये हैं। मेरीगोल्ड, जास्मिन, लिलीज और गुलाब प्रचुर मात्रा में खिले हैं। जिंद से प्राप्त एक और रिपोर्ट प्रकृति की सुंदरता का नजारा पेश करती है।

ध्वनि प्रदूषण स्तर पूरी तरह गिर गया है जो आपको पंछियों की आवाजें अधिक स्पष्टता से सुनने का अवसर देता है। जसजीव गंधलोक निष्कर्ष निकालते हैं कि वे चिड़ियां, जिनकी चहचहाहट भरी आवाजें तालाबंदी के दौरान, एनसीआर में खुलकर सुनी गयी हैं, उनमें ब्राउन रैक, चैट, इंडियन रोबिन, ओरिएंटल मेगपाई, रीफोकस, ट्रोपिक, कुकू, एशियाई कोयल, मैना, यहां तक कि सुनहरी ओर्लोला- वो चिड़िया जो हिमालय की पहाड़ियों से यहां आई थीं, शामिल हैं।

गांधी जी यह देख कर बहुत खुश हुए होते कि अंततोगत्वा प्रकृति का पुनरूत्थान की पुन: वापसी हुई कि धरती के संसाधनों को न्यूनतम दोहन करने की आवश्यकता है क्योंकि यह धरती के हर इंसान की आवश्यकता के लिए पर्याप्त है और जो जीवन का सरल तरीका है, गांधी जी की यह पैरोकारी सर्वोत्तम है। धरती को बचाने के लिए, ग्लोबल वार्मिंग, वातावरण संकट, मांस बाजार व वन्यजीव व्यापार को अनिवार्यतया रोकना हमारा मिशन होना चाहिए, गांधी जी के आदर्श पर्यावरण के स्तर पर लाभदायक हैं।

रश्मि दास गुप्ता कहती हैं कि लेकिन गांधी जी के आदर्शों को आर्थिक रूप से विनाशक नहीं कहा जा सकता और वे इंसानों के आगे बड़े सवाल उठाती हैं कि वे प्रगति के पुनर्सुधार के लिए अपनी उत्कृष्ट बुद्धि का इस्तेमाल करें ताकि यह सिर्फ हमें नहीं बल्कि सभी के लिए लाभकारी हो।

इसके बावजूद कि कोरोना वायरस की उत्पत्ति को लेकर संदेह कायम हैं, ब्रम्ह चेल्लन्ये तर्क देते हैं कि चीनियों ने पहले जानलेवा रोग सार्स के फैलने को छिपाया, जिससे सदी की यह महामारी 2002-2003 में दुनिया भर में फैल गयी और अभी यह कि बीजिंग का स्वतंत्र जांच का विरोध करना संदेह की गुंजाइश छोड़ता है।

हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन ईमरजेंसीज डायरेक्टर माइकल रियान मानते हैं कि हत्यारा वायरस पिछले साल के अंत में चीन के बाजार में जानवरों से इंसानों तक पहुंचा, संभवतया विजातीय पशुओं का मांस बेचने वाले वुहान के एक बाजार से।

भौतिकवाद को मत बनाने की महात्मा गांधी की पर्यावरण संबंधी समझदारी, जो स्वयं पर रोक लगाएगी और उतना ही रखती है जितना कि खपत करती है। गोपाल कृष्णन गांधी कहते हैं कि यह अनेक रूपों में हमें घूर रहा है। लालच, बाजार रचित, बाजार प्रेरित, बाजार ने जोड़तोड़ किया और स्वच्छता की बिलकुल परवाह नहीं की। वुहान बाजार उसी मुकाम पर है। इसे अलग थलग करने का आरोप लगाना बेतुका है, क्योंकि वुहान बाजार हर शहर, कस्बे तथा मेले में हैं। हममें से हर एक के भीतर वुहान बाजार है। हम याद कर सकते हैं, दुनिया ने पूरब में व्यापार बाजारों की अपनी तलाश में बीसवीं सदी में दो विश्व युद्ध देखे हैं। फिर एक कवि ने युद्धकारी जर्मनी की याद दिलाई: ''गया है भूल जर्मनी आसमानी बाप को अपने, खुद साइंस को समझा हैं मुनकरे-जात-ए- खुदा हो कर। '' (जर्मनी ने अपने ईश्वर पिता को भुला दिया है, और ईश्वर के अस्तितव के नकार में विज्ञान को ईश्वर मानता है) अल्लामा डा मोम्मद इकबाल ने कहा है कि ''दयारे मगरिब के रहने वालों, खुदा की बस्ती दुकान नहीं है।''

इस हफ्ते आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-19 अप्रैल)

इस सप्ताह आप विभिन्न कारणों से तनाव ग्रस्त रहने वाले हैं। अपना खयाल रखें। क्रोध और आक्रामकता से बचें। अपनी परेशानी को व्यक्त करें बजाय इसके कि खुद से दुखी हों और नाराज महसूस करें। अपनी जीवनशैली में संतुलित बदलाव लाने का प्रयास करें। आराम जरूरी है। करियर मोर्चे पर, आप आजकल अनगिनत चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। बहस और अस्थिर कार्य वातावरण आपको भावनात्मक रूपे से दुखी कर सकता है। आप दृढ़ निश्चयी हैं और दूसरों द्वारा प्रस्तुत चुनौतियों से पार पाने हेतु कड़ी मेहनत करने में सक्षम हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** बैंगनी **शुभ दिन:** रविवार

वृष (अप्रैल 20-20 मई)

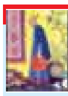

चिंता, तनाव व बेचैनी इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं। अपना विशेष खयाल रखें। व्यायाम, खाना व पानी पीने में संतुलन रखें तथा पर्याप्त आराम करना जरूरी है। प्राणायाम अभ्यास उपयोगी हैं। यदि आप जांच नतीजों की प्रतीक्षा कर रहे हैं तो याद रखें कि आशवादी रहना ही आपके हाथ में हैं। पेशेवर मोर्चे पर, यदि आप वर्तमान में नौकरीशुदा हैं तो आप उसके साथ आनलाइन कोर्स कर सकते हैं। कोर्स विकल्पों का पता लगाएं जो आपकी आवश्यकता से मेल खाते हैं। अगर साझीदार बिजनेस कर रहे हैं तो आप निस्वार्थ भाव से एक साथ मिलकर काम करेंगे।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

मिथुन (मई 21-20 जून)

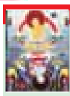

इस सप्ताह आपके स्वास्थ्य में बदलाव अपरिहार्य है। आप लक्ष्य विशेष के प्रति अपने समर्पण पर दृढ़ महसूस कर सकते हैं। आश्चर्य के लिए तैयार रहें। अपनी दिशा में कदम बढ़ाने के लिए कुछ नए व रोमांचकारी की अपेक्षा करें। हर चीज नियंत्रण में है। आत्मविश्वास हमेशा बुलंदी पर है। उचित खानपान से स्वस्थ रहने का यह उत्तम समय है। करियर मोर्चे पर, आप ऐसी स्थिति पा सकते हैं जहां आप सत्ता व अधिकार का उपयोग कर सकते हैं। अपने अधीनस्थों से काम लेते समय अपने गुस्से पर मजबूती से काबू पाएं। आपका दबंग स्वभाव आपके खिलाफ जा सकता है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

कर्क (जून 21-22 जुलाई)

आप अच्छे स्वास्थ्य व अपने मित्रों की प्रशंसा का आनंद लेंगे। आत्मविश्वास बुलंद है और यह चुंबक की तरह लोगों को आपकी ओर आकर्षित करेगा। अपने स्वास्थ्य की चिंता न करें। चीजें इतनी बुरी नहीं है जितना कि आप डरते हैं। अंतर्निहित, आध्यात्मिक शक्ति है जो आपका स्वास्थ्य बनाए रखेगी व उन लोगों को जोड़े रखेगी जो आपके लिए महत्व रखते हैं। अपने भीतर के आनंद से जुड़ें और उसे सबके साथ साझा करें। करियर मोर्चे पर, अच्छे अवसर सामने आएंगे और आपके विचारों को प्रोत्साहित करेंगे। आपकी परियोजनाओं के लिए यह सप्ताह अच्छा है।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** सोमवार

सिंह (जुलाई 23-22 अगस्त)

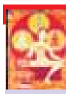

अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए अपने तनाव स्तर को काबू में रखें। किसी भी उपस्थित चुनौती से मुंह न चुराएं, आगे बढ़कर उनका सामना करें। पर्याप्त आराम करें। यदि आपको उपचार की जरूरत है तो प्रत्यक्ष व भावनात्मक दोनों स्तरों पर मांग करें। शराब या किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहें, वर्ना स्वास्थ्य मुसीबतों का सामना कर सकते हैं। पेशेवर रूप में, इस सप्ताह वित्त का मसला आपके दिमाग पर भारी रहेगा और आपको धन को लेकर फैसले करने में कठिनाइ होगी। अल्पकालिक लक्ष्यों से संबंधित अपने संशय पर रोक लगाएं। नयी परियोजनाएं आरंभ न करें।

शुभ अंक: 5 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शनिवार

कन्या (अगस्त 23-22 सितम्बर)

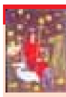

वर्तमान में रहें और अपने जीवन में संतुलन बनाए रखने पर ध्यान दें। स्वस्थ व समझदार जीवन जीने हेतु संतुलन एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। संतुलन इस सप्ताह का मूलमंत्र है। स्वस्थ जीवन के लिए उचित खुराक, व्यायाम, आराम, व नींद बनाए रखने का प्रयास करें। करियर मोर्चे पर, इस सप्ताह आपको उभरने व सुर्खियां पाने का अवसर मिलेंगे। आप आत्मसम्मान व सौम्यता के साथ खुद को प्रस्तुत करते हैं। आप दूसरों के लाभ के लिए अपनी सत्ता व नेतृत्व क्षमता का उपयोग करेंगे। पारिवारिक सदस्यों के साथ संबंध सौहार्द्रपूर्ण रहेंगे।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ दिन:** मंगलवार

तुला (सितम्बर 23-22 अक्टूबर)

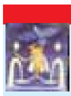

इस सप्ताह प्रसन्नता की संभावना है। अच्छी खबरें मिलने वाली हैं। आपके पास अच्छा व खुश महसूस करने के कारण हैं। आध्यात्मिकता कें संदर्भ में संतुष्टि की भावना आपको जीवन के प्रति आशावादी बनाएगी। आप ऊर्जा से भरें होंगे व अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। करियर स्तर पर, आप अत्यंत व्यस्त रहेंगे। आपको अपने पेशेवर व निजी जीवन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण फैसले लेने पड़ सकते हैं। यह फैसला आपको उत्साहित करेगा और अन्य समस्याओं को निपटाने में सहायता करेगा। पैसा आपके लिए सीमा नहीं बनेगा। अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** रविवार

वृश्चिक (अक्टूबर 23-21 नवम्बर)

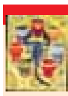

आपके स्वास्थ्य में पूर्ण बदलाव के संकेतक हैं। जो लोग गंभीर बिमारियों से जूझ रहे हैं वे जांच परिणामों में सुधार देखकर अचंभित होंगे। अनुशासित व नियंत्रित जीवनशैली की आवश्यकता है। मिठाई व तले भुने आहारों की चाहत पर लगाम लगाएं। पेशेवर रूप में, उन स्त्रोतों के प्रति सजग रहें जिनके जरिए आप पैसा बना रहे हैं। त्वरित सफलता पाने या अनुचित सौदेबाजी का कोई भी शार्टकट आपको कानूनी समीक्षा में डाल सकता है और कानूनी कार्रवाई को न्यौता दे सकता है। अपने संबंधों में भी, आप अपने प्रियजनों की मामूली बातों पर गुस्सा हो सकते हैं।

शुभ अंक: 2 **शुभ रंग:** हरा **शुभ दिन:** शुक्रवार

धनु (नवम्बर 22-21 दिसम्बर)

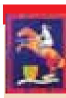

आपके भय आप पर भारी पड़ते दिखते हैं। जब हम अत्यंत भयभीत होते हैं तो अधिकांश समय हमें आगे बढ़ने में कठिनाई महसूस होती है। आप अपने अतीत में बंधे हो सकते हैं या पुरानी स्वास्थ्य स्थिति उभर सकती है, जो आपको चिंतित बना रही है। अपने भयों, सीमाओं व हानिकारक जुड़ावों की पड़ताल करने का यह अच्छा समय है। अपनी चिंताओं को भूलने के लिए किसी लत का शिकार होने के संकेतक हैं। हार न मानें। करियर मोर्चे पर, एक ऐसी परियोजना की शुरूआत में निवेश करने की संभावना है जिसमें आपकी भारी रचनात्मक ऊर्जा लगेगी।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** शनिवार

मकर (दिसम्बर 22-19 जनवरी)

चिकित्सा जांच व रोगनिदान नतीजों से भ्रमित होने की संभावना है। अंतिम फैसला करने से पहले वैकल्पिक सलाह लें। राशिफल बताता है कि कोई भी स्वास्थ्य बदलाव आने में समय लग सकता है। और यह बेहतरी के लिए हो सकता है, भले ही आप कितनी ही तेजी चीजों को आगे बढ़ाना चाहते हों। इस सप्ताह आप कार्यस्थल पर अपनी समझदारी व बुद्धि से हर स्थिति पर काबू पा सकते हैं। आपमें तार्किकता व विश्लेषण योग्यताएं हैं जो किसी भी कठिनाई पर काबू पाने व चुनौतियों का सामना करने में आपकी सहायता करती हैं। व्यक्तिगत मोर्चे पर, आशा की स्थिति है। मौजूदा रिश्ते में अभी भी रौनक मौजूद है जो आपको खत्म महसूस होती है।

शुभ अंक: 12 **शुभ रंग:** भूरा **शुभ दिन:** गुरूवार

कुम्भ (जनवरी 20-18 फरवरी)

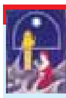

आपका मस्त स्वभाव और सकारात्मक सोच आपके व्यक्तित्व में नजर आते हैं। आप अपने प्रियजनों के साथ अपने अच्छे अनुभव बांटते हैं। पुराने मित्रों से मिलना सुखद स्मृतियां याद दिलाता है। स्वास्थ्य अच्छा दिखता है। करियर मोर्चे पर, आपकी सफलता ने किसी को डरा दिया है। इसीलिए, अपनी सौम्यता बनाए रखें। अपनी कार्ययोजना को किसी के साथ साझा न करें। विरोधी सक्रिय है और वे आपको रोकने का प्रयास करेंगी। कार्यस्थल पर गुस्सैल अधिकारियों से दूर रहें। मूर्खतापूर्ण बातों से बचें। गहन भावुकपन का दौर आने की संभावना है।

शुभ अंक: 7 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

मीन (फरवरी 19-20 मार्च)

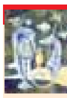

इस अवधि में, लगता है, तनाव ने आपके स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया है। ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप फिर से निर्मित कर सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण है, शांतचित्त हों। पर्याप्त आराम व नींद लेने का प्रयास करें। अगर थकान व अनिद्रा तथा शारीरिक समस्याएं बनी रहती हैं तो इलाज कराएं। पेशेवर मोर्चे पर, आप अपने कार्यों के लिए जिम्मेदार ठहराए जाएंगे। अगर आपने अनुचित ढंग से काम किया है तो इससे आप भयभीत हो सकते हैं। यह कानूनी मसले भी खड़े हो सकते हैं। व्यक्तिगत रिश्तों में आप रोमांटिक महसूस करते हैं और मस्ती वाले मूड में रहते हैं।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** मैरून **शुभ दिन:** बुधवार

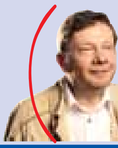

यह वर्तमान क्षण के लिए कृतज्ञता के माध्यम से होता है कि जीवन के आध्यात्मिक आयाम खुल जाते हैं
- एक्खार्ट टोल्ले

कोरोना से करुणा तक

राधानाथ स्वामी का कहना है कि प्रकृति से नियम से बचने का कोई रास्ता नहीं है। ईश्वर के नाम का जाप करके हम शांति व सुकून पा सकते हैं।

कोरोना वायरस के मुकाबले कोरोना फोबिया अधिक तेजी के साथ दुनिया भर में फैल रहा है। यह हर कहीं हो रही चर्चा का विषय है। कारोबार ठप्प स्थिति में पहुंच गया है। लगभग हर किसी ने अपनी अपनी जगहों पर अपने आपको क्वारंटीन कर लिया है। सड़कें वीरान दिखती हैं। भविष्य अनिश्चित है। दुनिया भर में कई लोग जानलेवा वायरस के कारण मर रहे हैं। डरावने आंकड़ें अखबार की सुर्खियां बनते हैं। वैज्ञानिक टीके की खोज में समय के खिलाफ दौड़ लगा रहे हैं। महामारी को फैलने से रोकने के लिए सरकारें अपने देश में तालाबंदियां लागू कर रही हैं। वातावरण हर कहीं उदास है।

कोई भी मरना नहीं चाहता है। यह जीवन की सच्चाई है। हर सजीव प्राणी इस दुनिया में खुद को जीवित रखने के लिए कड़ा संघर्ष करता है। लेकिन मौत क्रूर प्रकृति द्वारा हम पर थोप दी जाती है। क्यों? प्रकृति इतनी निर्मम क्यों है? मैं सदा जीवित रहता चाहता हूं लेकिन मैं मरने के लिए मजबूर होता हूं। ऐसा विरोधाभास क्यों? एक बुद्धिमान व्यक्ति समझेगा कि यहां कुछ शातिर ढंग से गलत है। दरअसल, हम इस दुनिया से संबंध नहीं रखते हैं। यह हमारा वास्तविक घर नहीं है। हम अब अपने स्वाभाविक वातावरण में नहीं हैं। जब हम जल या वायु जैसे अनोखे वातावरण में होते हैं तो हम डरते हैं लेकिन हम धरती पर उतरते हैं तो हम सुरक्षित महसूस करते हैं मानो वह हमारा स्वाभाविक वातावरण है। इसी प्रकार, अपना स्वाभाविक वातावरण, आध्यात्मिक दुनिया छोड़कर हम अजूबे वातावरण यानी भौतिक जगत में आए हैं जिससे स्मरणीय बैचेनी को न्यौता देते हैं।

यदि आप सिर्फ पुराने अखबार के पन्ने पलटेंगे तो आप डर जाएंगे। कोरोना वायरस फैलने से पहले अन्य आपदाएं थी जिन्होंने लगातार हमें उलझाए रखा था। भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर थे, डोकलाम विवाद, सीएए पर सांप्रदायिक हिंसा, बढ़ते बलात्कार मामले, आर्थिक मंदी, मूसलाधार बारिशों के कारण भारी बाढ़ आना, फानी तूफान, बुलबुल तूफान आदि के मसले थे।

आप सोच सकते हैं कि यह केवल भारत के लिए था। लेकिन शेष दुनिया के लिए भी, सूची अनंत है- अमेजोन जंगल में भारी आग लगना, ग्लोबल वार्मिंग के कारण बर्फीली चोटियों को पिघलना, अमरीका ईरान युद्ध, इंडोनेशिया और इथियोपिया में दो प्रमुख 737 मैक्स वायुयानों को दुर्घटनाग्रस्त होना, श्रीलंका में बमविस्फोट, अमरीका में बढ़ती बंदूक हिंसा, अमरीका चीन व्यापार युद्ध, आस्ट्रेलिया में वनाग्नि, कैंसर मरीजों के बढ़ते मामले, स्वाइन फ्लू फैलना और कई अन्य मसले। ये उन अनेक मसलों में से कुछ हैं जो सागर में निरंतर ज्वारों जैसे हैं जो हमें चोट पहुंचा रहे हैं।

लेकिन कोरोना वायरस फैलना एक महामारी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक आपातकाल घोषित किया है। यह किसी एक देश की मामूली समस्या नहीं है। ठीक है। मान लिया कि यह एक महामारी है जो समूची दुनिया को प्रभावित कर रही है और हमें सरकार द्वारा निर्धारित सावधानियों व दिशानिर्देशों का उचित पालन करने की जरूरत है। लेकिन भगवान कृष्ण ने गीता(8.15) में पहले ही घोषित कर दिया था कि यह दुनिया दुख का स्थान है। जन्म, मृत्यु, बुढ़ापा और बिमारी लगातार हमें डरा रहे हैं। किसी भी जगह का व्यक्ति हो, उसके पास अपने जीवन में कोई न कोई समस्या है जो उसे दयनीय बना रही है। चाहे यह छोटी महामारी ही हो। वह अधिकांश समय बेचैनी में रहता है।

कर्म का सिद्धांत अत्यंत कठोर हैं। व्यक्ति सरकार के नियमों से छुटकारा पा सकता है लेकिन प्रकृति के नियमों से छुटकारा नहीं पा सकता है। व्यक्ति जो चाहता है व वह जिस लायक है, प्रकृति उसकी प्रतिक्रियाओं के अनुसार उसे पुरस्कृत करती है। न कम न ज्यादा

शरीर में दर्द हमें इलाज कराने के लिए सजग करने का अच्छा प्राकृतिक तरीका है। कोविड-19 मामले में मरीज को बुखार, सर्दी, खांसी आदि जैसे लक्षण होते हैं। जब उसे ये लक्षण होते हैं तो वह समय पर उपचार लेने के लिए अस्पताल भाग सकता है। अनेक लोग ठीक हो रहे हैं और अस्पतालों से छुट्टी पा रहे हैं। इसलिए मुद्दा है शरीर में दर्द जो हमें डाक्टर के पास जाने और इलाज कराने का शाप देता है। इसी प्रकार, प्रकृति द्वारा हमें निरंतर दुखों से प्रभावित करना संकेतक है कि हमें इलाज की जरूरत है। और इस युग में सर्वोत्तम उपचार है ईश्वर के पवित्र नाम का जाप करना।

हरे कृष्णा हरे कृष्णा कृष्णा कृष्णा हरे हरे

हरे रामा हरे रामा रामा रामा हरे हरे।

जाप करना हमें इस दुनिया में और अगली दुनिया में शांत बनाएगा। यह पवित्र नाम की अपार शक्ति है। यह कोरोना वायरस से भी अधिक शक्तिशाली है।

साथ ही, यदि व्यक्ति भागवतगीता के उपदेशों को समझता है कि वह एक काया नहीं बल्कि आत्मा (2.22) है, तो वह शांत हो जाएगा। जिस प्रकार हम रोज कपड़े बदलते हैं मगर व्यक्ति वही रहता है, आत्मा भी कर्म के अनुसार निरंतर काया बदलती रहती है। आत्मा इस दुनिया के दुखों से अप्रभावित रहती है। काया बदलती रहती है लेकिन आत्मा वही रहती है। चन्द्रमा यद्यपि बादलों के साथ दिखता है मगर वह बादलों की गतिविधियों से प्रभावित नहीं होता है, यह स्थिर रहता है क्योंकि यह बादलों की तुलना में अलग स्तर पर अस्तित्वमान है। इसी प्रकार, आत्मा इस बदलती दुनिया में अपरिवर्तनीय रहती है।

भागवतगीता कर्म के सिद्धांत के बारे में भी बात करती है। कर्म का सिद्धांत अत्यंत कठोर हैं। व्यक्ति सरकार के नियमों से छुटकारा पा सकता है लेकिन प्रकृति के नियमों से छुटकारा नहीं पा सकता है। व्यक्ति जो चाहता है व वह जिस लायक है, प्रकृति उसकी प्रतिक्रियाओं के अनुसार उसे पुरस्कृत करती है। न कम न ज्यादा।

कभी कभी, प्रकृति सुनामी, भूकंपों, ज्वालामुखियों, भयानक बाढ़ों, भयंकर सूखा आदि के रूप में सामूहिक कर्म प्रतिक्रिया का उत्तर देती है। बहुत सारे लोग प्रभावित होते हैं। ऐसा लग सकता है पकृति मनमाने ढंग से काम कर रही है। भौतिक प्रकृति व्यापक स्तर पर प्रतिक्रिया कर सकती है लेकिन मनमाने ढंग से नहीं।

केवल वही लोग मरेंगे जो कार्मिक प्रतिक्रिया पाते माने जाते हैं दूसरे नहीं भले ही वे आपदा के केन्द्र में ही क्यों न आते हों। और हमने लोगों या छोटे बच्चों के अनेक मामले देखे हैं जो भारी भूकंपों में मलबे के नीचे दबे रहने के बावजूद जीवित बच गए थे, जबकि वे लोग जो अपने सुरक्षित व लौहदार घरों में रह रहे थे, मारे गए। प्रकृति का कानून निसंदेह बुरे को सजा देता है व सच्चे को नवाजता है।

रोज गीता पढ़कर या उसके मंत्रों का जाप करके हम पूरी तरह ठीक होंगे और ईश्वर के पास वापस पहुंचेंगे जहां कोई - जन्म, जर, रोग व मृत्यु नहीं है, जहां कोई कोरोना नहीं मगर सिर्फ ईश्वर की करूणा है। सबकुछ ईश्वर की योजना के अधीन है भले ही यह सटीक रूप में ईश्वर की योजना न लगे। यदि हम इस महामारी के बीच जीवित बचे रहते हैं तो हम यहां ईश्वर की सेवा करेंगे और यदि हमम र जाते हैं तो हम ईश्वर के धाम को जाएंगे और वहां उसकी सेवा करेंगे। आत्मा का परम स्वभाव सदैव ईश्वर की सेवा करना है।

- लेखक इस्कोन के आध्यात्मिक गुरू हैं।

अंतर्दृष्टि
प्रमोद पाठक

वापस गांधी की ओर

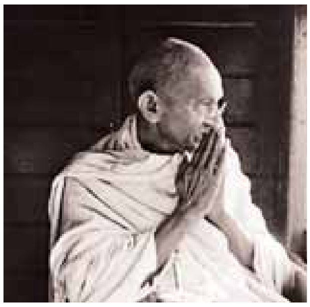

कोरोना वायरस महामारी ने दुनिया में अनेक चीजों को बदल दिया है उनमें से अधिकांश बरकरार रहने वाली हैं। कम से कम उल्लेखनीय समय के लिए। महामारी ने न केवल यह सुनिश्चित किया कि वैश्वीकरण के पहियों का चक्र पूरा हो गया, बल्कि इसने आम तौर पर मानवता के स्तर पर अनेक अहसास भी कराए हैं। सबसे महत्वपूर्ण यह था कि संरक्षण एवं खपत न करना टिकाऊ प्रगति व जायज अर्थव्यवस्था के लिए मिसाल बने। इस पूरी उथल पुथल में, गांधी प्रासंगिक दिखते हैं। उनकी विचारधाराएं, जिन्हें आचरण के रूप में व उनके आर्थिक विचार को भी, बेहतर कहा जा सकता था। हम वापस मूलाधारों की ओर है। और सबसे महत्वपूर्ण रूप में समझते हैं कि यह क्यों काफी महत्व रखता है। यदि प्रदूषण के सभी प्रभावों को, कि हमने बीते पचास वर्षों में धरती मां पर बेइंतहा अत्याचार किया है, को पचास दिनों में सुधारा जा सकता है, हम इस तालाबंदी अवधि में अवश्य अधिक समझदार हुए होंगे। गांधी हमेशा स्वदेशी और आत्मनिर्भरता पर जोर देते आए थे। उनका स्वदेशी आंदोलन जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जनता को आकर्षित किया था, एक तरह से खेल परिवर्तक था। यह ब्रिटिश साम्राज्य को कमजोर करने के उद्देश्य से बहुत असरकारी रणनीति साबित हुआ और जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसक के हाथों में एक शक्तिशाली उपकरण था जो आंदोलन को आगे बढ़ा रहा था। स्वदेशी आंदोलन की कुछ बातें यह समझने में सहायता कर सकती हैं कि यह सब आखिरकार था क्या। गांधी ने भारतीय उत्पादों व उत्पादन प्रक्रिया की पैरवी करते हुए ब्रिटिश उत्पादों का बहिष्कार करने का नारा दिया था। हालांकि गांधी के पटल पर आगमन से पहले, एक नारे के रूप में स्वदेशी राष्ट्रवादियों की समग्र रणनीति का हिस्सा बन चुका था, लेकिन यह गांधी का प्रवेश था जिन्होंने आंदोलन को ताकत दे दी और इसे एक जनांदोलन बना दिया। संयोगवश, स्वतंत्र भारत के शुरूआती कुछ औद्योगिक नीति प्रावधानों ने आत्मनिर्भरता एवं आयात विकल्प पर प्रमुख लक्ष्यों के रूप में जोर दिया था। हम कैसे भटक गए यह बिलकुल अलग कहानी है, लेकिन यह समय है कि पुनर्विचार करें, दुबारा करें। गांधी ने लगभग सौ साल पहले जो सिखाया था और जिसकी पैरवी की थी वो एक बार फिर से कोविड उपरांत दुनिया में भारत के उभरने का मंत्र बन गया है। गांधी ने भारत के टिकाऊ विकास की पूर्ण प्रस्तावना दी थी और इसमें आत्मनिर्भर ग्राम अर्थव्यवस्था को शामिल किया था और स्थानीय आवश्यकताओं के लिए वस्तुओं के स्थानीय उत्पादन पर जोर दिया था। महामारी में जिस प्रकार चीजें उजागर हुई हैं, अब हम कारण देखते हैं कि उस समय गांधी किस अर्थ में माहिर हो गए थे। यह एक धुंधला आर्थिक परिदृश्य है। नौकरियां और अवसर खत्म होने को हैं और देश के विभिन्न इलाकों में काम करने वाले लाखों प्रवासी मजदूर अपने अपने गांवों की ओर लौटने को मजबूर हुए हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना और नवीनीकरण की प्रक्रिया आरंभ करना लाजिमी है। भारतीय अर्थव्यवस्था में गांवों को आत्मनिर्भर इकाइयां बनाने से बेहतर कोई रणनीति नहीं हो सकती। जैसा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने अपने पूरा (पीयूआरए- प्रोवाइडिंग अर्बन फैसल्टीज इन रूरल एरियाज) दर्शन में कहा था कि यह अत्यावश्यक पहला कदम है। ग्रामीण ढांचे को उद्यमिता के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना तथा प्रगति की रणनीतियों में सहयोग करना होगा। ग्रामीणी उद्यमिता ने अनेक यूरोपीय एवं एशियाई अर्थव्यवस्थाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब भारत की बारी है। गांधी ने कहा है कि भारत की गांव गांवों में बसती है। हम अब इस आत्मा को समृद्ध बनाने का प्रयास करना होगा।

हमारे और दुनिया के लिए

अजित कुमार बिश्नोई का कहना है कि परिवार के मुखिया की तरह, ईश्वर के कार्य मानवता की व्यापक भलाई के लिए होते हैं। यह वायरस भी ऐसा ही है

यह सृष्टि का अंतर्निहित सिद्धांत है। हमारे कार्यों से, हमारा और दुनिया दोनों का भला होना चाहिए। हम इसे संयुक्त परिवार के मुखिया के उदाहरण से समझ सकते हैं। उसके दिमाग में ज्यायदार क्या रहता है? कि न केवल वह खुद बल्कि समूचा परिवार समृद्ध होना चाहिए। उसके सभी कार्य उसी दिशा में होते हैं।

इसी प्रकार, ईश्वर सृष्टि का मुखिया है। यह देखना उसका दायित्व है कि दुनिया यथासंभव सहज ढंग से चलती रहे। जैसा कि हम सभी के पास स्वेच्छाशक्ति है जिसे ईश्वर कभी हमसे नहीं छीनता है उसके पास बहुत भारी काम होता है। लेकिन ईश्वर, सर्वशक्तिमान होकर, वह तब तक यह काम करता है जब तक कि सृष्टि को विघटित करने का समय न हो। संयोगवश, वो समय अभी भी नहीं है। उसने दखल दिया है क्योंकि दुनिया गलत दिशा में जा रही थी, और वह भी बहुत तेज गति से। अनेक लोग असीमित इन्द्रीय नेमतों के आदी होते जा रहे थे। इस प्रक्रिया में, वातावरण बर्बाद हो रहा था। ग्रेटा थनबर्ग जैसे अनेक युवा कार्यकताओं के बावजूद, सत्ता में बैठे लोग सुन नहीं रहे थे। दुनिया को खास आपदा से बचाने के लिए ईश्वर को कदम उठाना पड़ा। यह कोरोना वायरस- इससे फर्क नहीं पड़ता कि यह कहां से शुरू हुआ- दुनिया के पुनर्नियोजन का एक माध्यम है और यह इस बार अत्यंत असरकारी ढंग से हो रहा है। ईधंन पीते वाहन अधिकांशतया सड़कों से गायब हैं, हवा से हवाई जहाज आदि। कच्चे तेल की कीमत जमीन छू रही हैं और मौसम जबरदस्त ढंग से सुधर रहा है। क्या कोई इस दृष्य की कल्पना कर सकता था? हम दिल्ली में, जोकि दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है, साफ हवा में सांस ले रहे हैं।

व्यापक संयुक्त परिवार के मुखिया के रूप में ईश्वर चाहता है कि हम सब खुद को सुधारें साथ ही साथ जो कुछ भी शेष मानवजाति की भलाई में हम योगदान कर सकते हैं, वो करें। ईश्वर चाहता है कि उसके भक्तों को अपने भक्तों में उसके निर्देश प्रसारित करने चाहिए। (भागवतगीता 18.67 - 68) वे उसके सबसे प्रिय होते हैं। मैं इस संदर्भ में गोस्वामी तुलसीदास की मिसाल दे रहा हूं। अगला उदाहरण है वे व्यक्ति जो जन कल्याण में शामिल होते हैं। ईश्वर आश्वस्त करता है कि कर्ताओं की कल्याणकारी गतिविधियां बेकार नहीं जाती हैं। (6.40) बिल गेटस इसका एक महान उदाहरण है। तीसरा उदाहरण है पर्यावरण कार्यकताओं का, जो अधिकांशतया युवा हैं, जो अपने भविष्य के लिए दुनिया को बचाना चाहते हैं। वे कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण लगाने और खेती करने के लिए पेड़ों को और न काटने की मांग कर रहे हैं। हम बहुत ज्यादा अनाज ने पैदा करने के लिए थोड़ा कम मांस खा सकते हैं। चौथा उदाहरण है महात्मा गांधी जैसे नेता, जो ऐसी मिसाल छोड़ गए। अंतिम उदाहरण है उन सभी माता पिताओं को, जो इस प्रक्रिया में अनेक त्याग करते हुए अपने बच्चों को बहुत अच्छी परवरिश करते हैं। वे खुद लाभान्वित होते हैं और उनके प्रयासों से बाकी दुनिया भी।

आम तौर पर, ईश्वर जोर देता है कि उसके प्रति समर्पित हों (18 62), क्योंकि ऐसे लोग अधिकांशतया सृष्टि के लिए उपयोगी होते हैं। वे बुरे काम नहीं करेंगे और सृष्टि को हानि नहीं पहुंचाएंगे। यह अनुचित नहीं है क्योंकि यह ईश्वर का दायित्व है कि सर्वोत्तम संभव ढंग से सृष्टि को संभाले। हम जानते हैं कि कैसे वे लोग जो अपनी वासनापूर्ण ढंग से आनंद प्राप्ति में लगे हुए हैं और अपने इर्दगिर्द नकारात्मक शक्तियों को पैदा कर रहे हैं।

वे दुनिया की संपदाओं की अपनी हिस्सेदारी से कहीं अधिक का उपयोग कर रहे हैं। तानाशाह सबसे बुरे हैं। वे अपने बुरे कर्मों से सृष्टि की हानि का कारण हैं। और वे माता पिता जो अपनी अभिभावकीय जिम्मेदारी का पालन नहीं करते हैं वे ईश्वर के परम प्रियों में नहीं हैं। जब हम बहुत स्वार्थी हो जाते हैं तो हम अपने आसपास की दुनिया समेत खुद को दुख देते हैं। अंत में, मैं अनेक संतों का उल्लेख करूंगा, जो दुनिया के कल्याण की प्रार्थना कर रहे हैं। मैं खुद को सर्वाधिक भाग्यशाली समझता हूं कि मैं भारत में पैदा हुआ व यहां रहता हूं। और मैं अपने, अपने परिवार, अपने संयुक्त परिवार, भक्तों व अन्य सभी दायित्वों को पूरा करने की कोशिश करता हूं। सृष्टि के स्वामी से यह अनदेखा नहीं रह जाता है। वह अनेक रूपों में मुझे पुरस्कृत करता है, खासतौर पर शांति, आर्शीवाद व सुरक्षा प्रदान करके। सबसे अच्छी बात है कि मुझ तक ईश्वर का नियमित संवाद मेरी परम यात्रा में मेरा मार्गदर्शन कर रहा है।

लॉकडाउन के बीच किसी को अपनी फिटनेस को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। - उर्वशी रौतेला

'ओटीटी प्लेटफॉर्म्स दर्शकों की रुचियों को पोषण देते हैं'

लड़का लड़की से मिलता है, उनमें प्यार हो जाता है, पुनः देखिये... लड़का लड़की से मिलता है और वे एक पालतू पशुओं के बाजार में पशुओं को मुक्त कर देते हैं। ये बात कुछ असामान्य है, सामाजिक रूप से भी ये फिट विषय नहीं लगता। ऐसे ही कुछ चरित्रों का मेघा रामास्वामी भारतीय फिल्म परिदृष्य में अभाव अनुभव कर रही थीं। अपने शो 'वॉट आर द ऑड्स?, निर्देशक ने इसी की कमी पूरी करने का प्रयास किया है और दर्शकों ने इसे हृदय से स्वीकार किया। नेटफ्लिक्स पर आने के एक सप्ताह के भीतर ही ये 5वीं रैंकिंग पर और इसके बाद दूसरे पर है। इसके प्रशंसकों के देश भर में कई फैन क्लब भी बन गए हैं। निर्देशिका, जो इससे पहले 'न्यूबॉर्न, बनी और द लास्ट म्यूज़िक शॉप, जैसे वृत्तचित्र बना चुकी हैं, के बारे में कहा जा सकता है कि वो वैसे ही प्रोजेक्ट में हाथ डालती हैं जिनकी विषयवस्तु उनकी विचारधारा से मेल खाती हो। पायनियर संवाददाता से फिल्म के बारे में बात करते हुए वो सही शब्दचयन के लिए बीच-बीच में रुकती हैं और बात को सही ढंग से समझ कर ही उत्तर देती हैं। उनसे बातचीत के प्रमुख अंश-

■ आपकी फिल्म नेटफ्लिक्स पर खूब देखी जा रही है। क्या आपको लगता है कि ऐसा कुछ संभव था?

बिलकुल नहीं, फिल्म को मिला समर्थन अद्भुत है और अब तो इसके फैन क्लब भी हैं (वो हंसते हुए बताती हैं फोन पर भी उनकी प्रसन्नता पता चलती है) लेकिन मुझे इस सब का अनुभव नहीं है अत: ये सब मेरे लिए नया और प्रोत्साहन देने वाला है।

■ क्या आप ओटीटी पर या थियेटर में इसकी रिलीज़ की योजना बना रही थीं जो कि कोरोना महामारी के कारण परिवर्तित हो गया?

मैं इसकी लेखक और निर्देशक हूं और मेरे निर्माता ने इस बात को कहा था कि ये थियेटर में अच्छी नहीं रहेगी। मुझे बताया गया था कि मुझे इसकी ताइपेई, चीन, ताइवान और लॉसएंजेल्स के महोत्सवों में बड़े थियेटरों में रिलीज़ मिल सकती है। इसके लिए विश्वव्यापी रिलीज़ आवश्यक थी और नेटफ्लिक्स को 180 से 190 देशों में देखा जाता है।

■ ओटीटी के कारण अब विभिन्न प्रकार की कहानियों को एक प्लेटफॉर्म तो मिल ही गया है...

जी हां, इन प्लेटफॉर्म्स के कारण एक गंभीर दर्शक वर्ग सक्रिय हुआ है। उदाहरण के लिए 'वायर ऑर मैड मेन' जैसी सीरीज़ ऐसे ही प्लेटफॉर्म के कारण संभव हो सकी। इससे एक दर्शक के रूप में आपके रुचियों को पोषण मिलता है, इससे वे भी रचनात्मक बनते और अपनी राय रखते हैं। प्रतिक्रियाएं तो त्वरित, व्यक्तिगत और आपके शब्दों के कारण ही होती हैं। ये फर्जी दर्शक नहीं होते जो आपको ये देखो और वो करो जैसी बातें करते हैं। ओटीटी की वर्तमान में तो यही प्रासंगिकता है। पहले हमें किसी समीक्षक या रिव्यू पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन अब तो ये टीवी ऑन करने जैसा सरल हो गया है।

■ क्या हम फिल्मों के माध्यम से वैश्विक सिनेमा को भी प्रभावित कर रहे हैं क्योंकि हमारे युवा निर्देशक कई फिल्म महोत्सवों में जाते रहते हैं?

जी हां, अब हमारे पास रीमा दास जैसे युवा निर्देशक हैं रचनात्मकता है। अब हम गांव पर आधारित तीसरी दुनियां के स्तर की फिल्में ही नहीं बना रहे ताकि हम महोत्सवों तक पहुंच सकें। हमारे पास रिदम जाह्नवी, कबीर मेहता, कबीर सिंह चौधरी जैसे लोग है जो मौलिक कहानियों को लेकर आ रहे हैं। मुझे उनकी कंटेंट प्रिय है अब ऐसा नहीं रह गया है कि केवल सत्यजीत रे ही वेनिस जाएंगे। इसके अलावा पहले हम बड़े महोत्सवों पर निर्भर रहते थे लेकिन अब छोटे महोत्सवों में भी दर्षक जुटते हैं। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ लॉस एंजेल्स एक ऐसा ही महोत्सव है जिसमें आयोजक दक्षिण एशियाई और भारतीय सिनेमा को आगे बढ़ाते हैं।

■ तो आपका आशय है कि हम रूढ़ियों को तोड़ने में सफल रहे हैं...

आज कोई रूढ़ि बची ही नहीं है। हमें ये शब्द नहीं बोलना चाहिये। हर तरह का लेखन लोगों के अनुभवों पर आधारित होता है और हमें इसका सम्मान करना चाहिये। हमारे लिए ये रूढ़ि हो सकती है लेकिन उनके लिए ये जरूरी नहीं। हमें परिवर्तित होते विश्व में ऐसी शब्दावली से बचना चाहिये। ये 90 के दशक में थी लेकिन अब इसका कोई अर्थ नहीं।

■ हर किशोरों पर आधारित प्रगतिवादी फिल्म प्रेम की बात करती है लेकिन ये उनसे भिन्न है...

इसमें अभिनेता बेचैन है लेकिन वो विश्वास बनाए रखना चाहता है। ये दोनों ही संभव हैं। बचपन की यही निश्छलता है। जब आप 14 या 15 के होते हैं तो हार्मोन और मन के स्तर पर बिखरे से होते हैं हम विवेक (दिल्ली क्राइम में काम कर चुकी अभिनेत्री यशस्विनी) के चरित्र के माध्यम से कहने का प्रयास करते हैं कि ये महिलाओं के साथ भी हो सकता है। उन्हें एक विशेष ढंग से चलना या ऐनक पहने की आवश्यकता नहीं। असामाजिक लोग पीला कोट पहनकर अकड़कर चलते हैं और उसने भी ऐसा ही किया क्योंकि वो लोगों के संज्ञान में आना चाहती है। इसे देखने वाले बच्चे इसे सही मानते हैं। इसकी कहानी में हम ऐसे अनेक भावों समाहित कर पा रहे हैं।

■ क्या फिल्म का विचार आपने अपने बचपन से लिया है?

जी हां, बचपन में मैंने बहुत अकेलापन झेला है। मुझे पता ही नहीं था कि मुझे एक विशेष प्रकार से रहना है। मैं अकेली पुत्री थी और मैं सामाजिक रूप से विचित्र थी। मैं कुछ न कुछ कहा ही करती थी। मैं सोचा करती थी कि मेरे जैसे बच्चों के लिए कोई फिल्म क्यों नहीं बनती। फिल्मों में 14.15 साल के बच्चे प्रेम में पड़ते और रोमांस करते दिखाए जाते हैं। लेकिन ऐसा होता नहीं है। मेरे साथ तो कुछ न कुछ विचित्र सी घटनाएं होती थीं जिनमें मैं ऐ गड्ढे से दूसरे में गिरती जाती हूं। मुझे लगा कि किशोरावस्था की ये विद्रोह और दूसरी भावनाओं का भी सम्मान होना चाहिये। इस चरित्र की विशेषता ये है कि ये एक ही समय में आलसी, पेटू, कोमल, सच्ची सहेली और समझदार तथा विद्रोही सब हो सकती है। यही उसका व्यक्तित्व है। ये वैसी कहानी नहीं है जिसमें लड़का लड़की से मिलता है और.... मैं वैसी फिल्म नहीं बना सकती। ये एक सामान्य लड़की की कहानी है। हमनें उसकी विचित्रता को अंगीकार किया है और यही इसकी सुंदरता है और लोगों ने भी इसे सामान्य ढंग से लिया है। इसमें कल्पना के लिए बहुत अवसर हैं लोगों को सामान्य भावनाओं-समझदारी, आषा और प्रसन्नता को बनाए रखना होगा।

■ फिल्म में जादुई वास्तविकतावाद का प्रयोग किया गया है। कहानी को कहने में इससे क्या सहायता मिलती है?

ये केवल इसमें ही नहीं बल्कि मेरी दूसरी फिल्मों में भी है। बस बात इतनी है कि इसे वृहद दर्शक वर्ग ने देखा है। मैंने संकर वृत्तचित्र बनाए हैं और उनमें भी जादुई वास्तविकतावाद के नियमों का पालन किया गया है। बड़े पैमाने पर मैं इसे करना जारी रखूंगी। भूत, पिशाचों और अपराधों तक पर फिल्में बनी हैं लेकिन युवा स्त्री पर नहीं। उन्हें महत्व ही नहीं दिया गया। बस उनका एक प्रकार से शोषण ही किया गया। 'वॉट आर द ऑड्स' में हमनें इन बातों को गलत साबित किया है।

■ आपने कलाकारों का चयन कैसे किया?

अत्यंत स्वाभाविक था। मैं कई स्वतंत्र संगीतज्ञों को फॉलो करती हूं। मैंने एक बार यषष्विनी को गिटार बजाते देखा था। वो गा रही थी। हमारी पूरी टीम ने तय किया कि ये हमारी मुख्य कलाकार होगी। उसने एक साइड रोल कर भी रखा था। इसके लिए एक तकनीकी शब्द भी है, याद नहीं आ रहा, जी हां, उसे सपोर्टिंग रोल कहते हैं। लेकिन मुझे लगा कि यशश्विनी जैसी लड़कियों को फिल्मों में आना चाहिये क्योंकि युवाओं का प्रतिनिधित्व ऐसे कलाकार कर सकते हैं। उन्हें ऐसी लड़कियों की आवश्यकता नहीं जो ऐसी दिखती हैं जैसे वे सैलून से ही चली आ रही हों। वो सामान्य है, गुस्सैल और चिड़चिड़ी भी। वो समझदार भी है और हमें इस भूमिका में ऐसा ही चाहिये था। इसमें करणवीर फिल्म में तूफान को तब तक शांत रखता है जब तक कि वो स्वयं भी वैसा ही नहीं हो जाता। वो इसमें एक मस्तिष्कविहीन लड़के का चरित्र कर रहा है जबकि प्रारंभ में वो वैसा नहीं था। लेकिन दोनों में निभने लगती हैं। वे पालतू पशुहाट में पशुओं को स्वतंत्र कर रहे हैं और आपको यदि ध्यान हो तो वायरस भी एक ऐसे ही पशु बाजार से ही निकला था।

■ क्या लॉकडाउन में घरों में बैठे बच्चे ही इसकी सफलता का कारण हैं?

ऐसा कहना उचित नहीं होगा, मैं इस प्रश्न को टालना चाहूंगी क्योंकि मैं लोगों को ये आभास नहीं देना चाहती कि इससे मुझे सहायता मिल रही है। उन बच्चों का क्या जो घर मे टीवी न होने के कारण इस फिल्म को नहीं देख सकते? यदि मैं बच्चों के किसी भी कारण से प्रसन्न होने की बात कर रही हूं तो मैं केवल कुछ बच्चों की बात कर रही थी। लेकिन उन बच्चों के बारे में क्या जिनकी घरों में पिटाई होती है?

■ आपने अभय देओल को इसमें सम्मिलित किया?

हमें एक मित्र ने मिलाया था क्योंकि वो कुछ बनाने की सोच रहे थे। हमारे पास एक चरित्र 'वाल' था ही। जब उनके साथ बात आगे बढ़ी तो हमें पता चल गया कि वाल के चरित्र के लिए उनसे उपयुक्त कोई और हो ही नहीं सकता। जब हम इसे बनाने के लिए सहमत हुए तो मैंने पूछा कि क्या वो फिल्म में काम भी करेंगे। उन्होंने कहा, 'ये आवश्यक नहीं है आप किसी को भी ले सकते हैं।' हमनें कहा, 'हम आपको लेना चाहेंगे।' उन्होंने इसे स्वीकार किया। फिल्म में उनका काम केवल 15 मिनट का ही है। हमारे कलाकारों में सुलभा आर्या जैसे जीनियस कलाकार भी हैं। उन्होंने हमें बहुत हमें ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया।

■ आपके बैनर का नाम है 'मिसफिट' फिल्म्स...

ये नाम हमनें युवा महिलाओं को सम्मान देने के लिए रखा था जो स्वयं को अनुपयुक्त मान बैठी हैं। हमनें फिल्म में उन्हें पूरा स्थान दिया है। हम आगे भी ऐसे ही युवाओं की कहानियों को दिखाने का प्रयास करेंगे। हम सभी की आवाज बनना चाहते हैं इनमें सभी गे, क्वीअर आदि प्रकार के लोग भी शामिल हैं।

■ ओटीटी ने फिल्मों को देखने का ढंग ही बदल दिया है...

इसने मनोरंजन को घरेलू वस्तु जैसा बना दिया है। इसमें मल्टीप्लेक्स आदि जाने की आवश्यकता भी नहीं होती। इसमें थियेटर वाली तथा ओटीटी स्पेशल सहित सभी फिल्में रहती हैं। दोनों ही माध्यमों को लोकप्रियता मिलनी चाहिये। रोमा को विश्व के महान निर्देशकों में से एक द्वारा ओटीटी पर रिलीज़ करना सही निर्णय था। कुछ अच्छे निर्देशक ओटीटी के लिए शो बना रहे हैं। अब ये छोटा प्लेटफॉर्म नहीं रह गया है।

■ पिछली फिल्मों-न्यूबॉर्न, बनी और द लास्ट म्यूज़िक स्कूल, से आपको क्या सीखने को मिला?

मैं तो अपनी छोटी सी दुनिया में संतुष्टि से रह रही थी लेकिन 'अब वॉट आर द ऑड्स?' की सफलता ने मेरे लिए लिखने और निर्देशन के अवसर बढ़ा दिये हैं। अब मैं सिस्टम में दूसरों को भी अवसर दे सकती हूं। अब मैं अपनी कंपनी चला सकती हूं और युवा लेखकों को भी हायर कर सकती हूं। स्वतंत्र होने का अर्थ सबकुछ अपने द्वारा किया जाना ही तो है।

■ ओटीटी पर सेंसरशिप न होने से इसपर मुखर अभिव्यक्ति के कारण इसकी आलोचना होती है। क्या आप सहमत हैं?

सेंसरशिप नहीं होनी चाहिये। हर प्रकार की कंटेंट एक संस्कृति बनती है। उदाहरण के लिए कार्लोस रेगडास की फिल्मों में नग्नता होती है लेकिन कलासिनेमा में उनके योगदान के अलावा है क्या? किसी भी प्रकार की सेंसरशिप का अर्थ है कि देश में कुद ऐसा है जो सही नहीं हैं।

■ 'कॉज़ इफेक्ट' क्या है?

ये मिसफिट के अंतर्गत ही एक संस्था है। हम इसके माध्यम से एनजीओ से मिलकर परोपकार गतिविधियां चलाने के साथ ही फंड भी जुटाते हैं। ये सामुदायिक पहल है जिसमें हम लोगों से धन मांगते हैं। मैंने कैलाश सत्यार्थी के साथ भी एक अभियान किया था।

■ भविष्य की क्या योजना है?

इसके बाद रेषमा और शेरा है साथ ही कुछ सीरीज़ हैं और एक पुस्तक का रूपांतरण भी करने वाले हैं मैं जीतू मोहनदास के साथ काम कर रहे हैं और मैं इसके लिए बहुत उत्साहित हूं।

ग्रेसी फील्ड के गीत से नीतू कपूर ने ऋषि कपूर को किया याद

मुंबई। बालीवुड अभिनेता ऋषि कपूर के जाने के एक महीने बाद उनकी पत्नी नीतू कपूर ने उन्हें ग्रेसी फील्ड के गीत के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। कर्ज , कभी-कभी , मुल्क और कपूर एंड संस में अभिनय करने वाले ऋषि लंबे समय से ल्यूकेमिया से लड़ने के बाद 67 वर्ष की उम्र में 30 अप्रैल 2020 को इस दुनिया से चले गए। शनिवार को नीतू ने अपनी और ऋषि की एक पुरानी तस्वीर साझा की जिसमें वे दोनों नीले रंग के कपड़ों में थे। नीतू ने ऋषि को याद करते हुए ग्रेसी फील्ड के गीत से उद्धृत कुछ पंक्तियां लिखीं, मुझे अलविदा कहने के साथ ही गुडलक कहो। मेरे लिए प्रार्थना करो कि मैं अपने आगे का जीवन आंसूओं के साथ नहीं बल्कि खुशी खुशी बिता सकूं। मुझे एक मुस्कुराहट दो जिसे मैं अपने दिल में हमेशा के लिए सहेज कर रख सकूं। तबतक जब तक मैं तुमसे दूर हूं। ऋषि और नीतू पर्दे पर और असली जिंदगी में भी बॉलीवुड के सबसे चहेते जोड़ों में से एक थे। ऋषि कपूर और नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर ने भी उनकी पोस्ट पर माया एंजेलो की कविता ए ग्रेट सोल की कुछ पंक्तियां लिखकर पिता को याद किया।

लालटेन में राबड़ी देवी का किरदार निभायेगी स्मृति सिन्हा

भोजपुरी सिनेमा की जानी मानी अभिनेत्री स्मृति सिन्हा आने वाली फिल्म 'लालटेन' में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का किरदार निभाती नजर आयेंगी।

स्मृति सिन्हा इन दिनों फिल्म लालटेन में काम कर रही है। इस फिल्म में स्मृति ,राबड़ी देवी का किरदार निभाती नजर आयेंगी। राबड़ी देवी का किरदार निभाने के लिये स्मृति को काफी तैयारी करनी पड़ी। स्मृति सिन्हा ने कहा , ल्लराबड़ी जी का अपना एक स्टाइल है। बोलने का ढंग और फिर वह सीएम रही हैं। यह रोल मेरे लिए चुनौतीपूर्ण तो था ही। जैसे ही यह रोल ऑफर हुआ मुझे खुशी हुई। क्योंकि यह मुझे कुछ अलग और चैलेंभजग लगा। इसके बाद मैंने उनके कई फुटेज देखे और खुद को उस स्तर पर ढालने के लिए काफी मेहनत की।उन्होंने कहा कि राबड़ी देवी की भूमिका निभाकर वह बहुत खुश हैं और जल्द ही इस किरदार को वह पर्दे पर देखना चाहती हैं। स्मृति सिन्हा ने कहा कि फिल्म लालटेन पूरी तरह पारिवारिक फिल्म है। फिल्म काफी जबरदस्त बनी है। इसे पूरी फैमिली एक साथ एक देख सकती है। राबड़ी देवी के रूप में मेरा किरदार भी इस फिल्म में काफी अहम है। ऐसे में मैं तो यही चाहती हूं कि जल्द फिल्म रिलीज हो और इसे वैसा ही प्यार मिले जैसा मेरी पुरानी फिल्मों को मिलता रहा है।

कोरोना वारियर्स को सलमान ने दिये एक लाख सैनिटाइजर

बालीवुड के दबंग स्टार सलमान खान ने कोरोना वारियर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक लाख सैनिटाइजर दान दिये हैं। सलमान खान लॉकडाउन के बीच दरियादिली दिखा रहे हैं। उन्होंने दिल खोल कर मजबूरों और गरीबों की मदद की। सलमान खान ने कोरोना वारियर्स की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एक लाख सैनिटाइजर दान किए। उनके इस काम की अब तरफ जमकर तारीफ हो रही है। महाराष्ट्र के नेता राहुल एन कनाल ने एक ट्वीट के जरिए सलमान खान को धन्यवाद देते हुए उनके नेक की सराहना की है। राहुल एन कनाल ने अपने सोशल मीडिया पर पुलिस को सौंपे जा रहे सैनिटायर्स की तस्वीरें साझा कीं है। उनके अनुसार, अब तक एक लाख से अधिक लोगों को सैनिटाइजर बांटे जा चुके हैं। राहुल ने ये काम सलमान के साथ हैंगरी नामक अभियान के तहत किया है। उन्होने अपने ट्वीटर अकाउंट पर फोटी शेयर करते हुए लिखा कि सलमान खान को धन्यवाद। साथ ही उन्होंने लिखा है, सभी पुलिस कर्मीयों में सैनिटाइजर बांटा है।

ऋतिक की बहन पश्मिना करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

मुंबई। बॉलीवुड के माचो मैन ऋतिक रौशन की चचेरी बहन और संगीतकार राजेश रौशन की बेटी पश्मिना जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू कर सकती है। ऋतिक रौशन की चचेरी बहन पश्मिना बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए बिल्कुल तैयार हैं। ऋतिक रौशन ने फोटो शेयभरग साइट इंस्टाग्राम पर पश्मिना के लिये प्रेरणादायक शब्द कहे। ऋतिक रौशन ने लिखा ,तुम पर बेहद गर्व है पश्मिना। तुम एक बेहद ही खास इंसान हो और तुममें असाधारण प्रतिभा है। तुम अपने व्यक्तित्व एवं गर्मजोशी भरे व्यवहार से जहां भी जाती हो, उस जगह को रोशन कर देती हो।

इरफान के जाने के एक महीने बाद पत्नी सुतापा ने लिखा भावुक कर देने वाली पोस्ट

मुंबई। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के साथ गुजारे खूबसूरत लम्हों को याद करते हुए उनकी पत्नी सुतापा सिकदर ने एक भावुक कर देने वाली पोस्ट लिखी है जिसमें उन्होंने उनसे फिर से मिलने का वादा किया है। कैंसर से जूझ रहे इरफान ने 54 वर्ष की उम्र में 29 अप्रैल को जीवन को अलविदा कह दिया था। उनके परिवार में पत्नी सुतापा, दो बेटे बाबिल और अयान हैं। सुतापा ने सूफी कवि रुमी को उद्धृत करते हुए फेसबुक पर लिखा, गलत और सही विचारों के परे एक स्थान है। मैं तुमसे वहां मिलूंगा। जब रुह उस मैदान की घास में लेटी होगी और दुनिया के बारे में बात करने को बहुत कुछ होगा। यह सिर्फ समय की बात है....मिलेंगे बातें करेंगे....जब तक हम दुबारा नहीं मिलते। इन भावुक कर देने वाली पंक्तियों के साथ सुतापा ने इरफान की कुछ पुरानी तस्वीरें भी साझा की। इरफान 2018 में कैंसर का पता चलने के बाद से ही सार्वजनिक जीवन से दूर रहते थे और बाद में वह इलाज के लिए ब्रिटेन चले गए। वह 2019 में भारत आए और 2017 में आई अपनी हिट फिल्म हिंदी मीडियम के सीक्वल अंग्रेजी मीडियम की शूटिंग पूरी की। हालांकि फिल्म के प्रचार से पहले ही उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। फिल्म लॉक डाउन के तुरंत पहले 23 मार्च को रिलीज हुई।